शनिवार
01 जून 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



शिक्षकों की छुट्टी से नाराज बताए जाते हैं नीतीश कुमार 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

अंतिम पड़ाव पर पहुंचा लोकसभा चुनाव, आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 57 सीटों पर वोटिंग आज

- 10 करोड़ से अधिक मतदाता चुनाव में उतरे 904 उम्मीदवारों के भाग्य का करेंगे फैसला

एजेंसी/नई दिल्ली

सातवें और अंतिम दौर में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 57 सीटों पर 1 जून को वोटिंग है। इस दौर में आठ प्रदेशों के 10 करोड़ से अधिक मतदाता चुनाव मैदान में उतरे 904 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इसके साथ ही बीते ढाई महीने से चल रही चुनाव की प्रक्रिया अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच जाएगी और सभी को 4 जून का इंतजार रहेगा, जब नतीजे आएंगे। सातवें चरण में 904 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद होगी। 904 में से सबसे ज्यादा 328 उम्मीदवार पंजाब से हैं। जहां की सभी 13 सीटों पर चुनाव होना है। दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश की कुल 13 सीटों पर 144 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं सबसे कम चंडीगढ़ की एक सीट पर 19 उम्मीदवार उतरे हैं। सातवें चरण में जिन सीटों पर मतदान होना है उनमें उत्तर प्रदेश और पंजाब की 13-13, पश्चिम बंगाल की 9, बिहार की 8, ओडिशा की 6, हिमाचल प्रदेश की 4 और झारखंड की तीन सीटें शामिल हैं। इसी के साथ ही चंडीगढ़ की एकमात्र सीट पर इसी चरण में मतदान होगा। इन 57 लोकसभा क्षेत्रों से 904 उम्मीदवार मैदान में हैं। खास बात यह है कि इस चरण में वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव मैदान में हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने अजय राय को उतारा है। पीएम मोदी तीसरी बार इस सीट के चुनाव लड़ रहे हैं।

57 सीटों पर कितने उम्मीदवार हैं?

पंजाब से 328 और उत्तर प्रदेश से 144 उम्मीदवार क्रमशः 13-13 सीटों के लिए चुनाव मैदान में हैं। बिहार की आठ सीटों पर 134 उम्मीदवार, ओडिशा की छह सीटों पर 66 उम्मीदवार, झारखंड की तीन सीटों पर 52 उम्मीदवार, हिमाचल प्रदेश की चार सीटों पर 37 उम्मीदवार और चंडीगढ़ की एक सीट पर 19 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

904 में से सबसे ज्यादा 328 उम्मीदवार पंजाब से



इन 57 सीटों पर डाले जाएंगे वोट

उत्तर प्रदेश की 13 सीटों मे वाराणसी, महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर,देवरिया,बांसगांव, घोसी, गाजीपुर, बलिया, सलेमपुर, चंदौली, मिर्जापुर, राबर्ट्सगंज में मतदान होगा। वहीं पंजाब की सभी 13 सीटों में गुरदासपुर, अमृतसर,खडूर साहिब, जालंधर, होशियारपुर, आनंदपुर साहिब, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर, पटियाला में एक जून को मतदान होगा। बिहार में आरा, बक्सर, काराकाट, जहानाबाद, नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, सासाराम सीट, पश्चिम बंगाल की 9 सीटें, बारासात, बशीरहाट, डायमंड हार्बर, दम दम, जयनगर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर, मथुरापुर में मतदान होना है। चंडीगढ़ की एकमात्र सीट चंडीगढ़ में, वहीं, हिमाचल प्रदेश की 4 सीटें, मंडी, शिमला, कांगड़ा और हमीरपुर, ओडिशा की 6 सीटें, बालासोर, भद्रक,जाजपुर, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा और मयूरभंज, झारखंड की तीन सीटें, दुमका, गोड्डा और राजमहल निर्वाचन क्षेत्र में मतदान होगा।

इस बार इन खास चेहरों पर रहेगी सबकी नजर

पीएम नरेंद्र मोदी- अजय राय: वाराणसी 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निर्वाचन क्षेत्र रहा है। कांग्रेस पार्टी ने तीसरी बार अजय राय को वाराणसी से मैदान में उतारा है. राय पहले भाजपा का हिस्सा थे लेकिन 2007 में उन्होंने पार्टी का दामन छोड़ दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में राय ने तीसरा स्थान हासिल किया।

मीसा भारती (राजद): राजद ने बिहार के पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र से लालू प्रसाद यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती को मैदान में उतारा है। इनके खिलाफ भाजपा उम्मीदवार राम कृपाल यादव मैदान में हैं। वह इसके पहले चुनाव में भी मीसा को हरा चुके हैं।

अभिषेक बनर्जी (टीएमसी): ममता बनर्जी की टीएमसी पार्टी ने पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र से सुप्रीमो के भतीजे अभिषेक बनर्जी को मैदान में उतारा है। डायमंड हार्बर तृणमूल कांग्रेस के लिए एक रणनीतिक गढ़ के रूप में माना जाता रहा है।

दक्षिण 24 परगना जिले के भानगोर इलाके में हुई घटना में पांच लोग घायल

बंगाल में हिंसा... आईएसएफ के समर्थकों ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर फेंका बम

- आईएसएफ विधायक नावेद सिद्दीकी ने आरोपों को नकारा
- नावेद ने उल्टा टीएमसी कार्यकर्ताओं पर आईएसएफ समर्थकों पर बम से हमला करने का लगाया आरोप

एजेंसी/कोलकाता

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण से पहले बंगाल में हिंसा हुई है। दरअसल इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर बम फेंक दिया। जिसके विस्फोट से पांच टीएमसी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। घटना दक्षिण 24 परगना जिले के भानगोर इलाके की है। बंगाल पुलिस ने शुक्रवार की इसकी जानकारी दी। हालांकि भानगोर से आईएसएफ विधायक नावेद सिद्दीकी ने आरोपों से इनकार किया है। नावेद सिद्दीकी ने उल्टा टीएमसी कार्यकर्ताओं पर आईएसएफ समर्थकों पर बम से हमला करने का आरोप लगाया। आईएसएफ विधायक ने कहा कि हमले में खुद टीएमसी के कार्यकर्ता घायल हो गए। भानगोर विधानसभा, जादवपुर लोकसभा सीट के तहत आती है और यहां अंतिम चरण के तहत 1 जून को मतदान होना है। घटना गुरुवार रात की है, जब टीएमसी कार्यकर्ता कथित तौर पर चुनाव प्रचार के बाद अपने घर लौट रहे थे। उसी दौरान उन पर हमला हुआ। घायलों को कोलकाता के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बंगाल सरकार के मंत्री अरूप बिस्वास, जादवपुर से टीएमसी उम्मीदवार सयानी घोष और पार्टी के विधायक शौकत मोल्ला ने अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की।

आईएसएफ नेता सिद्दीकी ने आरोपों को यह कहकर खारिज कर दिया कि भानगोर में हार के डर से टीएमसी ने साजिश रची है और उनकी कोशिश है कि इसका आरोप हम पर लगाया जाए। कल शौकत मोल्ला के समर्थकों ने आईएसएफ कार्यकर्ताओं पर बम फेंका। वहीं चुनाव आयोग ने भी टीएमसी नेता शौकत मोल्ला को मतदान के दिन अपने विधानसभा क्षेत्र कैनिंग पूर्व से बाहर न जाने का आदेश दिया है।



बंगाल की राजनीति में नई पार्टी है आईएसएफ

आईएसएफ पार्टी की स्थापना साल 2021 में अब्बास सिद्दीकी ने की थी। वहीं अब्बास सिद्दीकी के छोटे भाई नौशाद सिद्दीकी आईएसएफ के चेयरमैन हैं। अब्बास सिद्दीकी अली अकबर के बेटे हैं। अली अकबर फुरफुरा शरीफ छठो हुजूर के नाम से प्रसिद्ध पीर जुल्फिकार अली के बेटे हैं। यही वजह है कि बंगाल में सिद्दीकी परिवार की काफी इज्जत है। बंगाल का सिद्दीकी परिवार कभी टीएमसी समर्थक था, लेकिन अपनी पार्टी बनाने के बाद से आईएसएफ का टीएमसी के साथ तनातनी का रिश्ता बन गया है। आईएसएफ बंगाल में टीएमसी और भाजपा दोनों का विरोध करती है। पार्टी विधायक नौशाद सिद्दीकी को सीएम ममता बनर्जी का आलोचक माना जाता है।

मतगणना के बाद भी बंगाल में तैनात रहेगा सेंट्रल फोर्स

कोलकाता। पश्चिम में लोकसभा चुनाव के दौरान सर्वाधिक संख्या में केंद्रीय बल की तैनाती की गई है। शनिवार, 1 जून को सातवें और अंतिम चरण का मतदान है। 4 जून को मतों की गणना होगी, लेकिन चार जून के बाद भी राज्य में सेंट्रल फोर्स के जवान तैनात रहेंगे। चुनाव बाद हिंसा से बचने के लिए राज्य में 400 कंपनी बल तैनात किए जाएंगे। विपक्ष की मांग के मद्देनजर चुनाव आयोग इतनी बड़ी संख्या में बलों की तैनाती कर रहा है। राज्य में छह जून तक फोर्स रहेगी यानी नतीजे घोषित होने के दो दिन बाद तक फोर्स रहेगी। 2021 के विधानसभा चुनावों की यादें अभी भी ताजा हैं। उस वक्त वोटिंग बंगाल में एक के बाद एक हिंसा के आरोप लग रहे थे। विपक्ष का आरोप है कि मतदान खत्म होने पार्टी कार्यकताओं पर हमले हुए थे। कलकत्ता हाई कोर्ट में केस भी दायर किया गया था। हाईकोर्ट ने चुनाव बाद हिंसा की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया था। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव और नगरपालिका चुनाव में भी जमकर हिंसा हुई थी। चुनाव के दौरान हिंसा को ध्यान में रखते हुए इस बार राज्य में सर्वाधिक संख्या में केंद्रीय बल की तैनाती की गई थी। अब चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल राज्य में रहेंगे।

पटना और नोएडा में एसी में ब्लास्ट के बाद घर में लगी आग, बाल-बाल बची जान

एजेंसी/नई दिल्ली

पटना सिटी के काटी फैक्ट्री रोड में शुक्रवार देर शाम एक घर में अचानक एयर कंडीशन में ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट होते ही पूरे घर में धुआं भर गया और आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। घंटों मशक्कत के बाद आग काबू पाया। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि घर में सिर्फ एक बुजुर्ग महिला रहती हैं। इनके दो बेटे विदेश में रहते हैं। एसी में ब्लास्ट होने के बाद कमरे में धुआं फैल गया था। रेस्क्यू कर उसे बाहर निकाला गया। आगजनी की घटना में लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

वहीं नोएडा के सेक्टर 63 स्थित एक ऑफिस में शुक्रवार को एसी में ब्लास्ट हो गया। एसी के फटने से बिल्डिंग में आग लग गई। आगजनी के कारण मौके पर कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसमें किसी के हताहत होने की सूचना फिलहाल नहीं है। इसी तरह की घटना गुरुवार को नोएडा के सेक्टर 100 स्थित लोटस बुलेवार्ड सोसाइटी में घटी थी, यहां भी एसी फट गया था। नोएडा फायर पुलिस के अधिकारी ने बताया कि इस गर्मी में 10 से 12 एसी फटने की सूचनाएं मिली हैं। घर से लेकर दफ्तरों तक में हादसे हुए हैं। बता दें कि नोएडा सहित देशभर में एसी से आग लगने की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी की वजह से बिजली की अधिकतम मांग रिकॉर्ड पर पहुंच गई है। गर्मी से राहत के लिए घरों व दफ्तरों में एयर कंडीशनर और कूलर का इस्तेमाल बढ़ने से बिजली की खपत बढ़ रही है। मगर यही एसी घर या दफ्तर में आग लगने का कारण भी बन रहे हैं।

25 मई को चाइल्ड पीजीआई आवासीय परिसर में एसी हुआ था ब्लास्ट: 25 मई को नोएडा के सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआई अस्पताल के आवासीय परिसर के आठवीं मंजिल पर फ्लैट में लगा ऐसी तेज धमाके के साथ ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद फ्लैट में आग लग गई। एसी में ब्लास्ट होने का कारण शॉट सर्किट बताया गया। इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। समय रहते गार्डों ने आग पर काबू पा लिया।

गर्मी और तार कमजोर होने की वजह से फाल्ट हो रहे: अधीक्षक अभियंता प्रथम संजीव कुमार वैश्य ने बताया कि कमजोर तार पर अधिक लोड होने से एसी के अंदर फाल्ट होने की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा गर्मी ज्यादा होने व कंप्रेशर छांव में नहीं होने की वजह से गर्म हो रहे हैं। यही कारण है इन दिनों ऐसी में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं।



ऐसे बरतें सावधानी

घर या दफ्तर की वायरिंग कराते समय हमेशा ब्रांडेड वायर डलवाएं। एसी बगैर स्टैबलाइजर के नहीं चलाएं।
एसी का कम्प्रेशर किसी छांव वाली जगह पर लगवाएं।
गर्मी की शुरूआत में ही एसी की सर्विस जरूर कराएं।
अगर एसी से किसी तरह की आवाज आए या स्पार्क करे तो तुरंत जांच कराएं।
एसी को लगातार न चलाएं, कोशिश करें कि 5-6 घंटे एसी चलाने के बाद उसे कुछ देर बंद कर दें।

दक्षिण पश्चिम मानसून छह दिन पहले पश्चिम बंगाल पहुंचा, होने लगी बारिश

एजेंसी/कोलकाता

दक्षिण पश्चिम मानसून छह दिन पहले शुक्रवार को पश्चिम बंगाल पहुंच गया है। जिसके कारण यहां बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि मानसून ने इस क्षेत्र के कई हिस्सों को अपनी जद मे ले लिया है। मानसून के पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में 5 जून और राज्य के दक्षिणी हिस्से में लगभग 9 जून तक पहुंचने का अनुमान था। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मानसून के राज्य में जल्दी पहुंचने का कारण रेमल साइक्लोन हो सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी बंगाल के उप हिमालयी क्षेत्र के कूचबिहार, जलपैगुरी, अलीपुरद्वार, कलिम्पोंग और दार्जिलिंग जिलों में अगले पांच दिनों में भारी बारिश की संभावना है। शुक्रवार को उत्तरी बंगाल के जिन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा बारिश हुई उनमें अलीपुरद्वार , जलपैगुरी, कूच बिहार आदि हैं।

पटना में बैंक के लॉकर से दो करोड़ रुपए का सोना गायब, संदेह के घेरे में मैनेजर से लेकर सफाई कर्मी

केटी न्यूज/पटना

शेखपुरा में बैंक के लॉकर में करीब दो करोड़ रुपए का सोना गायब होने के बाद हड़कंप मच गया है। दो करोड़ का सोना गायब होने के इस मामले में बैंक मैनेजर से लेकर सफाई कर्मी तक संदेह के घेरे में हैं। पुलिस ने इस मामले में मैनेजर समेत कई कर्मियों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। दरअसल, पूरा मामला शहर के पटेल चौक स्थित इलाहाबाद बैंक की शाखा का है। बताया जा रहा है कि चेवाड़ा के करंडे गांव निवासी बैंक ग्राहक ने बैंक से गोल्ड लोन लिया था और करीब दो करोड़ रुपए का सोना बैंक के लॉकर में रखा गया था। तीन दिन पहले उन्होंने लोन के पैसे चुका दिए और सोना वापस लेने के लिए बैंक के चक्कर लगा रहे थे। बैंक कर्मियों द्वार उन्हें लॉकर की चाबी नहीं दी जा रही थी और कोई न को बहाना बनाकर उन्हें वापस भेज दिया जा रहा था। परेशान शख्स ने इस बात की जानकारी बैंक के उच्च अधिकारियों को दी। अपना सोना वापस लेने के लिए शख्स गुरुवार को भी दिनभर बैंक के बाहर बैठा रहा। परेशान होकर उसने नगर थाना को मामले की जानकारी दी। देर शाम बैंक के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और छानबीन की। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बैंक के मैनेजर समेत अन्य कर्मियों को हिरासत में ले लिया। इस घटना के बाद से बैंक में बैंकिंग कार्य पूरी तरह से ठप हो गए हैं। पुलिस पूरे मामले के छानबीन में जुटी है और जल्द ही सोना बरामद कर लेने का भरोसा दिलाया है।



27 मार्च को ब्रज भूमि से किया था चुनावी कार्यक्रम का आगाज, पंजाब में रैलियों से समापन

उप्र के कप्तान योगी ने 61 दिन में लगाया दोहरा शतक

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कप्तान योगी आदित्यनाथ ने महज 61 दिन के भीतर 204 चुनावी कार्यक्रम किए। 27 मार्च को मथुरा से प्रबुद्ध सम्मेलन के जरिए भाजपा से मिले चुनावी दायित्व का आगाज करने वाले योगी आदित्यनाथ ने 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन और 13 रोड शो कर राजग प्रत्याशियों के लिए पसीना बहाया। उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ अपने राज्य की वाराणसी संसदीय सीट से सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा लखनऊ से सांसद-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नामांकन में भी शामिल हुए। मतदाताओं ने मोदी के सारथी योगी आदित्यनाथ पर यकीन किया, जिसका परिणाम रहा कि हर रैली में लाखों की संख्या में पहुंचे मतदाताओं ने उन्हें सिर आंखों पर बैठाया। यही नहीं, योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के सभी 80 लोकसभा सीटों के साथ ही 12 राज्य व दो केंद्रशासित प्रदेशों में भी 'कमल के कमाल' की अपील की।



योगी ने की 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन और 13 रोड शो: योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च को ब्रज भूमि में हेमा मालिनी के पक्ष में प्रबुद्ध सम्मेलन कर चुनावी कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद तापमान 47-48 भी पहुंचा तो भी योगी की इच्छाशक्ति को डिगा न सका। उत्तर प्रदेश से भाजपा, सुभासपा, रालोद व अपना दल एस के सभी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगा। ढाई महीने के चुनावी कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने 61 दिन प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कुल 204 चुनावी कार्यक्रम किए। इनमें से 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन, 13 रोड शो के अलावा अधिवक्ता सम्मेलन, नारी सम्मेलन, कार्यकर्ता सम्मेलन, नामांकन समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत की।

पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी समेत कई नामचीनों के लिए भी संभाला मोर्चा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी समेत कुल 12 केंद्रीय मंत्रियों के लिए योगी आदित्यनाथ ने यूपी में मोर्चा संभाला। इसके अलावा भाजपा के कई राष्ट्रीय पदाधिकारियों के पक्ष में भी उनकी लोकसभा सीटों पर प्रचार करने पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नामांकन के साथ ही अधिवक्ता सम्मेलन, लोकसभा संचालन समिति की बैठक, नारी वंदन संवाद, जनसभा समेत कई कार्यक्रमों का सीएम योगी ने नेतृत्व किया तो वहीं रक्षा मंत्री के नामांकन से लेकर जनसभा तक की कमान भी संभाली।

सदी का सबसे लंबा चुनाव बना लोकसभा 2024, 80 दिन में पुरे होंगे 7 चरणों के मतदान

- वर्ष 2019 में कुल 73 दिनों में लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया हुई थी पूरी

केटी न्यूज/पटना

18वीं लोकसभा का चुनाव सदी का सबसे लंबा चुनाव बन गया है। जो सात चरणों में सम्पन्न हो रहा है। भीषण गर्मी में इतने दिनों तक चलने वाले इस लोकसभा चुनाव को हमेशा याद रखा जाएगा। इस बार बिहार समेत देश भर में अबतक छह चरणों का मतदान हो चुका है। इसके बाद में अब 1 जून को आखिरी चरण का मतदान का होना है। इसके बाद अब बिहार में आखिरी चरण में 8 सीटों पर मतदान होना है। दरअसल, भीषण सियासी तथा आसमानी गर्मी वाला वर्तमान संसदीय चुनाव कुल 80 दिनों में चार जून को पूर्ण होगा। अंतिम चरण तक आते-आते यह आम लोगों के साथ-साथ नेताओं के लिए भी थकाऊ और बोझिल होने लगा है। हालांकि, लोकतंत्र का यह महापर्व पहली बार वोट करने वाले समेत तमाम मतदाताओं के लिए अवश्य ही एक बेहतर तथा यादगार पल बनकर उभरा है। लेकिन इस बार का लोकसभा चुनाव अपने आप में एक नई कहानी कह रहा है। सात चरणों में लोकसभा चुनाव को लेकर



80 दिनों के बीच नामांकन, नामांकन पत्रों की जांच, नामांकन पत्र की वापसी एवं मतदान सहित चुनाव प्रचार की प्रक्रियाएं पूरी की गयी। 16 मार्च को लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई थी। अंतिम चरण का चुनाव प्रचार 30 मई को समाप्त हुआ और मतदान एक जून को होगा। सभी चरणों के मतगणना तथा चुनाव परिणामों की घोषणा के साथ 4 जून को चुनाव की प्रक्रिया पूर्ण होगी। कल यानी एक जून को आखिरी और सातवें चरण का मतदान है। ऐसे में यह चुनाव सदी का सबसे लंबा लोकसभा चुनाव होने वाला है। मालूम हो कि इससे पहले वर्ष 2019 में कुल 73 दिनों में लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इस वर्ष भी बिहार में सात चरणों में चुनाव हुआ था। वर्ष 2019 में 11 मार्च को चुनाव की घोषणा हुई थी। चार सीटों पर 11 अप्रैल को, पांच-पांच सीटों पर 18 अप्रैल, 23 अप्रैल, 29 अप्रैल व 6 मई और 8-8 सीटों पर 12 मई तथा 19 मई को मतदान हुआ था। 23 मई को मतगणना हुई थी। इसके पहले 2014 में 71 दिनों में चुनावी प्रक्रिया पूरी की गयी थी। चुनाव 7 अप्रैल से 12 मई के बीच हुए थे। मतदान प्रकिया 7 अप्रैल से 12 मई तक हुआ। 16 मई को मतगणना के साथ ही चुनाव प्रक्रिया पूरी हो गयी। बिहार में छह चरण में जबकि देश भर में 9 चरणों में संसदीय चुनाव हुआ था। वर्ष 2009 में कुल 74 दिनों में चुनाव प्रक्रियाएं पूरी की गयी थी। बिहार में चार चरणों में चुनाव हुआ था। 2004 में 73 दिनों में चुनाव प्रक्रियाएं पूरी हुई थी। 29 फरवरी को चुनाव की घोषणा हुई थी। 13 मई को मतगणना के साथ प्रकियाएं पूरी की गयी थी। आपको बताते चलें कि, देश में पहली लोकसभा गठन के लिए 1 नवंबर, 1951 को पहली अधिसूचना जारी की गयी थी। 29 नवंबर तक विभिन्न तिथियों में अधिसूचना जारी की गयी। मतदान दो से 25 जनवरी 1952 के बीच 17 चरणों में हुआ था। अपवाद स्वरूप पंजाब, बिलासपुर, कोचिन एवं त्रावणकोर में अक्टूबर 1951 तथा हिमाचल प्रदेश के लिए 10 सितंबर 1951 को ही अधिसूचना

तीन लाख का इनामी प्रमोद यादव पुलिस एनकाउंटर में ढेर

केटी न्यूज/मधेपुरा

पूर्णिया और कोसी कमिश्नरी का कुख्यात और तीन लाख के इनामी अपराधी प्रमोद यादव को एसटीएफ ने शुक्रवार को एनकाउंटर में मार गिराया। प्रमोद के पास से कारबाईन और दो पिस्टल भी बरामद हुए। एनकाउंटर पूर्णिया मधेपुरा बॉर्डर पर बिहारीगंज थाना के सिनुरिया गांव के पास किया गया। पूर्णिया एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने बताया कि प्रमोद यादव पर पूर्णिया-मधेपुरा समेत कई जिले में एक दर्जन से अधिक सगीन अपराध दर्ज हैं। पूर्णिया जिले के बडहरा थाना में छह, धमदाहा थाना में एक , मधेपुरा जिला के बिहारीगंज थाना में पांच और मधेपुरा जिला के पुरैनी थाना में एक केस दर्ज है। उन्होंने कहा कि एसटीएफ को सूचना मिली थी कि प्रमोद यादव पूर्णिया बिहारीगंज बॉर्डर के पास एक मचान पर सोया हुआ है। सिविल ड्रेस में एसटीएफ की टीम मौके पर पहुंची तब प्रमोद यादव ने फायरिंग शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों तरफ से हुई फायरिंग में प्रमोद यादव मारा गया। यह पुलिस की बढ़ी सफलता है।

बाइक सवार अपनी मां के साथ अपने गांव से पटना जा रहे थे नेउरा के पास हुआ भयंकर हादसा

पटना में ट्रक ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचला, लोगों ने किया जमकर हंगामा

- प्रदर्शन कर रहे लोग मुआवजा की मांग को लेकर अड़े थे
- पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया
- घटना के बाद ट्रक ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया



केटी न्यूज/पटना

पटना के नेउरा में शुक्रवार को एक ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना से नाराज लोगों ने पटना-बिहटा मार्ग को जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोग मुआवजा की मांग करने लगे। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर कई थाना की पुलिस पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम खत्म करने का प्रयास करने लगे। इस बीच गुस्साए लोगों और ग्रामीणों के बीच काफी देर तक विवाद होता रहा। बाद में पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। ट्रक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहे। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दी है और मामले की छानबीन शुरू कर दिया है। घटना की पुष्टि करते हुए नेउरा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि मौके से फरार हुए ट्रक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे लगा रहे थे। इससे कुछ देर तक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से ठप्प हो गई थी। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। बताया जा रहा है कि सुरैया निवासी सोहन कुमार (32) अपनी मां कांति देवी के साथ मोटरसाइकिल से अपने गांव से पटना जा रहे थे। नेउरागंज के नजदीक पीछे से तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने दोनों को कुचल डाला। इस हादसा में दोनों मां-बेटे की मौत मौके पर ही हो गई। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण उग्र हो गए और सड़क पर उतर आए। ग्रामीणों ने पटना-बिहटा मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। सड़क पर प्रदर्शन कर रहे लोग स्थानीय थाना और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे लगा रहे थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस मार्ग पर गाड़ी की रफ्तार काफी तेज होती है, जिस पर अंकुश लगाने में प्रशासन पूरी तरह असफल साबित हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग के दोनों तरफ काफी घनी आबादी है। लोग इस मार्ग से आवागमन करते हैं और ऐसे में तेज रफ्तार गाड़ियों के शिकार आए दिन ग्रामीण हुआ करते हैं। ग्रामीणों ने घटना में मृतक मां-बेटे के परिजनों को मुआवजा की मांग की है। वहीं सड़क पर आने के कारण जाम की स्थिति पैदा हो गई थी। जब लोग सड़क से हटे। तब पुलिस को जाम से हटाने के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़े। वहीं सड़क जाम में फंसे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी में लोग अपने परिवार के साथ परेशान हो गये थे।

खगड़िया न्यायालय ने पॉक्सो एक्ट में एक दोषी को 20 की सुनाई सजा

खगड़िया। खगड़िया व्यवहार न्यायालय ने चित्रगुप्त नगर थाना कांड 309/19 में आरोपी अलौली थाना क्षेत्र के झखरा निवासी रमेश प्रसाद के बेटे राकेश कुमार सिंह को 20 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही एक लाख 20 हजार का जुमार्ना भी लगाया गया है। एडीजे-6 सह अनन्य विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट अतुल कुमार पाठक की कोर्ट ने आरोपी को दोषी मानते हुए धारा 363 आईपीसी के तहत सात वर्ष की सजा और 20 हजार जुर्माना, धारा 376 (3) आईपीसी में 20 वर्ष की सजा के साथ 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जबकि पॉक्सो एक्ट-4 में 20 वर्ष की सजा और 50 हजार रुपये जुमार्ना लगाया है। जानकारी के मुताबिक, चित्रगुप्त नगर थाना कांड संख्या 309/19 में राकेश कुमार सिंह पर आरोप है कि उसने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसला कर गायब किया और करीब तीन माह तक दुष्कर्म किया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में सात गवाहों को पेश किया गया था। घटना बीते वर्ष 27 फरवरी 2019 की बताई जा रही है। कोर्ट ने अपने आदेश में सभी सजा एक साथ चलाने का आदेश दिया है।

सीवान में पुलिस टीम पर हमला, दरोगा समेत छह घायल

- घटना जीबी नहर तरवारा थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार एव उड़ियान टोला गांव में हुई

केटी न्यूज/सीवान

सीवान में पुलिस टीम पर हमला हुआ है। इसमें दरोगा समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घटना जीबी नहर तरवारा थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार एव उड़ियान टोला गांव की है। बताया जा रहा है कि एक गांव की कुछ लड़कियों पर पड़ोसी गांव के कुछ लड़के फब्तियां कसते थे। विरोध करने पर छेड़खानी भी करते थे। इसी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते यह विवाद बढ़ गया। दोनों ओर से जमकर ईंट-पत्थर चले। इसमें पांच लोग घायल हो गए। इतना ही नहीं पुलिस जब इन लोगों को समझाने गई तो इन लोगों ने पुलिस पर भी पथराव कर दिया। पुलिस बल की तैनाती कर दी गई पथराव में दरोगा अविनाश कुमार घायल हो गए। इसके बाद वरीय पदाधिकारी के आदेश पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। पुलिस बल को देखते ही उपद्रवी फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। सीवान एसपी अमितेश कुमार ने बताया कि दो गांव के झगड़े की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। ग्रामीणों में हमले में एक दरोगा घायल हो गए हैं। मामले की जांच की जा रही है। अभी स्थिति नियंत्रण में हैं। बताया जा रहा है कि जीबी नहर तरवारा थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार एवं उड़ियान टोला गांव में गुरुवार को खूब चले ईंट-पत्थर चलने लगे। एक गांव के लोगों का आरोप है कि जब भी कोई लड़कियां इस गांव उधर जाती हैं तो कुछ लड़के उनपर फब्तियां कसते रहते हैं और छेड़खानी करते हैं। इसकी शिकायत जब लड़कियों ने घर आकर अपने परिजनों से कि तो उनलोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस द्वारा कोई कदम नही उठाया गया। तभी जैसे ही दूसरे गांव के लड़के इन गांव में पहुंचे तो ग्रामीणों ने हमला कर दिया। दोनों ओर से मारपीट होने लगी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। दोनों ओर से ईंट-पत्थर चले लगे। इसमें दोनों ओर से पांच लोग घायल हो गए।

केके पाठक ने लंबी छुट्टी पर जाने का किया फैसला, शिक्षकों की छुट्टी से नाराज बताए जाते हैं नीतीश कुमार

केटी न्यूज/पटना



शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने एक बार फिर से लंबी छुट्टी के लिए आवेदन दिया है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि आगामी 3 जून से 30 जून तक केके पाठक छुट्टी पर रहेंगे। वहीं, उनके अचानक छुट्टी पर जाने के फैसले को स्कूलों में टाइमिंग विवाद और शिक्षकों की छुट्टी से जोड़ा जा रहा है। बता दें कि बीते दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में 8 जून तक स्कूलों को पूर्णतः बंद करने का आदेश दिया था, लेकिन केके पाठक ने आदेश को संशोधित कर शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी थी। अधिकारिक सूत्र बताते हैं कि इस पूरे मामले में सीएम नीतीश केके पाठक से बेहद नाराज हैं। इसी बीच केके पाठक ने लीव के लिए आवेदन दे दिया है। बता दें कि माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव भी आज रिटायर हो रहे हैं। केके पाठक की अनुशंसा पर भी सरकार ने एक्सटेंशन नहीं दिया। बता दें कि कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव, केके पाठक के काफी भरीसेमंद अधिकारी हैं, लेकिन उनको एक्टेंशन नहीं मिलना भी एक कारण हो सकता है। केके पाठक के अचानक लंबी छुट्टी पर जाने से सवाल उठने लगा है कि क्या केके पाठक फिर शिक्षा विभाग लौटेंगे या विभाग से सरकार उनकी विदाई कर देगी.बता दें कि बिहार में भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश पर सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया गया था। सीएम नीतीश के निर्देश पर इस संबंध में मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने आदेश पत्र जारी किया था। लेकिन, बाद में खबर आई कि इस आदेश पत्र में कुछ संशोधन किया गया और यह केवल बच्चों के स्कूल नहीं आने के लिए ही लागू किया गया। शिक्षकों को कोई राहत नहीं दी गई है और उन्हें अनिवार्य रूप से स्कूल आने के लिए कहा गया। कहा गया कि शिक्षक पहले की तरह स्कूल आएंगे और रोज अधिकारी भी स्कूलों का इंस्पेक्शन करेंगे। इस बीच शिक्षकों को छुट्टी नहीं दिये जाने को लेकर शिक्षकों में आक्रोश बढ़ गया। शिक्षक संघ की ओर से कहा गया कि क्या हीट वेव से शिक्षक प्रभावित नहीं होंगे। अगर स्कूलों में बच्चे नहीं तो फिर शिक्षकों को बुलाने की क्या जरूरत है। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिक्षकों को भी राहत देने की मांग की थी। अब जब केके पाठक अचानक छुट्टी पर चले गए हैं तो अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है।

फुलवरिया डैम में नहा रहे छह दोस्तों में एक दोस्त डूबा, खोज जारी

नवादा। नवादा के फुलवरिया डैम में एक युवक के डूबने का मामला सामने आया है। पुलिस और गोताखोरों की मदद से शव को ढूंढा जा रहा है। बताया जाता है कि रजौली बाजार के प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय के समीप के रजवरिया टोला के 6 युवक फुलवरिया डैम में स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान ही पिंटू राजवंशी का 18 वर्षीय पुत्र फंटूश कुमार गहरे पानी में डूब गया, जबकि साथ रहे अन्य दोस्त डैम से बाहर निकल आए। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना के बाद रजौली के सीओ गुफरान मजहरी और थानाध्यक्ष राजेश कुमार फुलवरिया डैम दलबल के साथ पहुंचे। डूबे हुए युवक की तलाश की जा रही है। फंटूस के साथ राजू कुमार पिता सुरेंद्र राजवंशी उम्र 19 वर्ष, ऋतिक कुमार पिता बबलू राजवंशी उम्र 18 वर्ष, विक्रम कुमार पिता गोरे लाल राजवंशी उम्र 18 वर्ष, मनदीप कुमार पिता कारू राजवंशी उम्र 18 वर्ष, नीतीश कुमार पिता रंजीत राजवंशी सहित अन्य दोस्त उसके साथ गये थे।

भागलपुर में बदमाशों ने किराना दुकान संचालक पर सरेआम मारी गोली

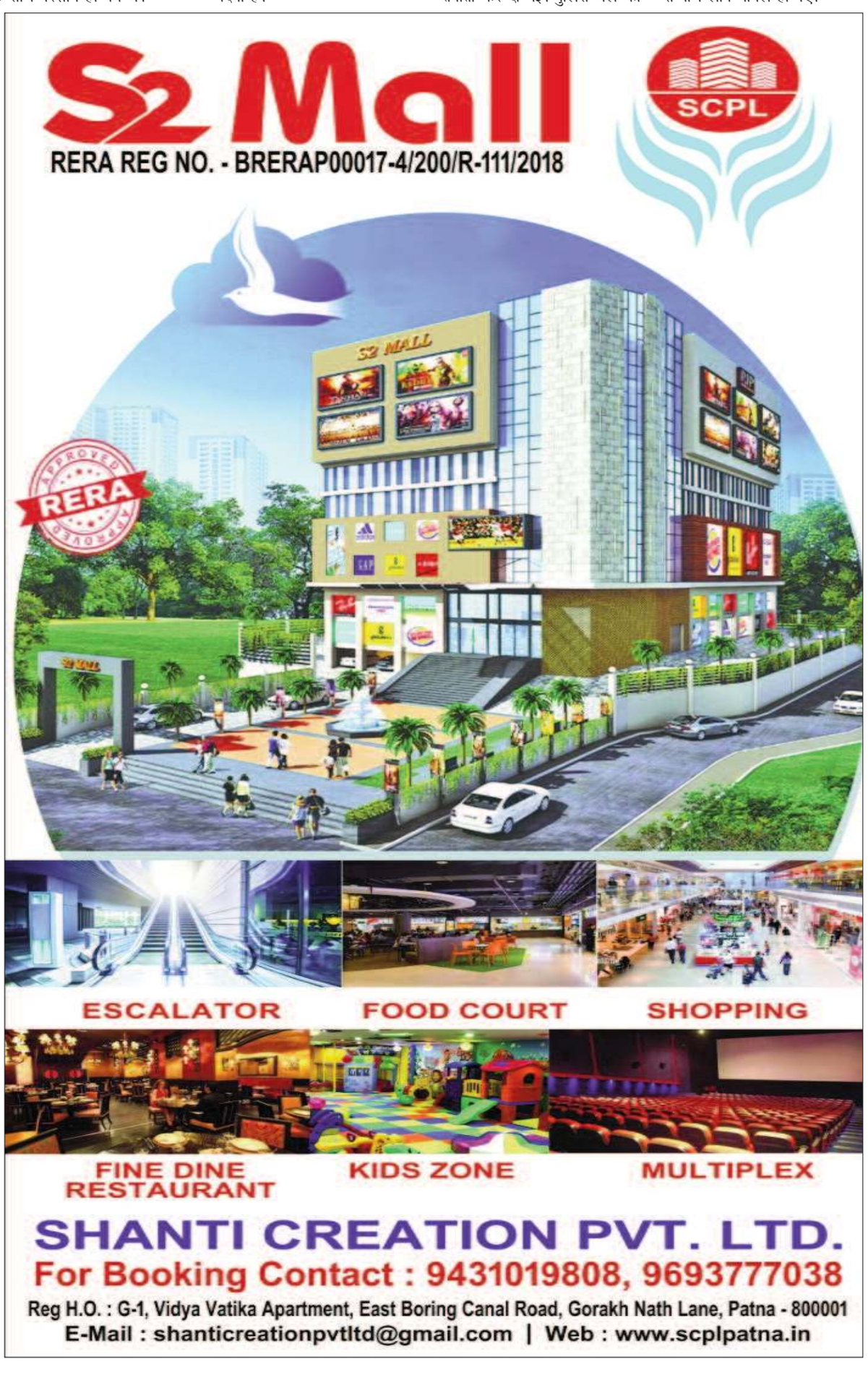
भागलपुर। भागलपुर के सुलतानगंज थाना क्षेत्र में बदमाशों ने एक युवक को दिनदहाड़े गोली मार दी। घायल युवक की पहचान नवादा गांव निवासी स्व. सरयू मंडल के बेटे रितेश मंडल के तौर पर हुई है। जानकारी के मुताबिक, युवक घर से किसी काम के लिए बाहर निकला था। तभी घात लगाए बदमाशों ने उस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में एक गोली घायल के सीने और कंधे के बीच जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने वहां चार राउंड फायरिंग की है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। वहीं, घायल को स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से आनन-फानन में रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे मायागंज रेफर कर दिया।

गर्मी से राहत: तय समय से दो दिन पहले बिहार में हो सकती है मानसून की एंट्री

केटी न्यूज/पटना



बिहार में भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण त्राहिमाम की स्थिति हो गई है। राज्य में गर्मी और लू से अबतक कई लोगों की जान चली गई है। इसी बीच एक राहत भरी खबर आ रही है। मौसम विभाग ने बिहार में मानसून की एंट्री का डेट बता दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार में तय समय से दो-तीन दिन पहले मानसून की एंट्री होगी। दरअसल, मौसम विभाग ने केरल में 1 जून को मानसून के दस्तक देने की संभावना जताई थी लेकिन संभावित तारीख से दो दिन पहले ही यानी 30 मई को ही दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरल और पूर्वोत्तर भारत में दस्तक दे दी है। मौसम विभाग ने संभावना जताई थी कि बिहार में मानसून की एंट्री 15 जून को होगा हालांकि अब इसको लेकर नया अपडेट आया है। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि जिस तरह से केरल में मानसून ने दो दिन पहले ही दस्तक दी है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो बिहार में भी तय समय से दो दिन पहले ही मानसून की एंट्री हो जाएगी। मौसम विभाग की मानें तो मानसून की एंट्री से पहले राज्य में प्री मानसून की बारिश होगी। केरल में दस्तक देने के बाद मानसून नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में दो तीन दिन बाद आता है। फिलहाल मानसून तेजी से आगे की ओर बढ़ रहा है। अगले 24 घंटे के भीतर इसके कर्नाटक और तमिलनाडु में प्रवेश करने की संभावना है। बिहार में मानसून के आगमन की तारीख 15 जून है। हालांकि जिस रफ्तार से मानसून आगे बढ़ रहा है, परिस्थितियां अगर ठीक रहीं तो इससे दो दिन पहले ही मानसून की बिहार में एंट्री हो जाएगी। मानसून की एंट्री के बाद मौसम की तल्खी में कमी आने की संभावना व्यक्त की जा रही है।



1941 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण वोटिंग कराने के लिए पोलिंग दल रवाना, सुरक्षा के लिए कड़े इंतेजामात

मतदान आज, सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगी पोलिंग

केटी न्यूज/बक्सर

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में शनिवार को बक्सर संसदीय क्षेत्र के छह विधान सभाओं में मतदान होगा। इसके लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली है। इस क्रम में जिले के कुल 1941 मतदान केंद्रों पर कुल 1913488 वोटर अपने अपने प्रत्याशियों को जीताने के लिए मतों का प्रयोग करेंगे। इसके लिए शहरी क्षेत्र में 254 और ग्रामीण इलाकों में 1687 मतदान बनाए गए हैं। वहीं, मतदाताओं की बात करें तो संसदीय क्षेत्र के 1000116 पुरुष और 913354 महिलाओं के साथ साथ थर्ड जेंडर के कुल 17 मतदाताएं वोट करेंगे।

वहीं, जिले में भयमुक्त और शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए जिलाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक ने बक्सर व डुमरांव अनुमंडल के डिस्पैच सेंटर्स का भ्रमण किया और पोलिंग पार्टियों को दिशा निदेर्या दिया। जिलाधिकारी और एसपी ने संयुक्त रूप से इटाढ़ी प्रखंड अंतर्गत बैरी उच्च विद्यालय में 202-राजपुर विधान सभा क्षेत्र के डिस्पैच सेंटर एवं बक्सर प्रखंड अंतर्गत मध्य एवं उच्च विद्यालय चुरामानपुर में अवस्थित 200-बक्सर विधान सभा क्षेत्र के डिस्पैच सेंटर का भ्रमण किया। जहां उन्होंने उपस्थित सेक्टर, जोनल, सुपरजोनल दंडाधिकारियों को संबोधित किया। सभी मतदान दल के कर्मियों को निर्देशित किया कि चेक लिस्ट से मिलान करते हुए मतदान सामग्री प्राप्त करें। साथ ही, पार्टी मिलान करते हुए पुलिस पदाधिकारी के साथ संपर्क स्थापित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि हरहाल में 31 मई को ईवीएम, वीवी पैट एवं स्पेशल पैकेट के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं बल की सुरक्षा में अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुरक्षित पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।

मतदान शुरू होने से पूर्व अनिवार्य रूप से कर लेंगे मॉक पोल : जिलाधिकारी ने कहा कि एक जून को निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार एक जून को सुबह सात बजे अनिवार्य रूप से बूथों पर मतदान शुरू कर लिया जाए। इससे पूर्व मॉक पोल की प्रक्रिया एवं मॉक पोल का डाटा डिलीशिन निश्चित रूप से करना सुनिश्चित करेंगे। सभी सेक्टर पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी मतदान दल अपने अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर ससमय पहुंच गए हैं। जोनल दंडाधिकारी को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्र में सतत भ्रमणशील रहकर शांतिपूर्ण, स्वच्छ निर्वाचन संपन्न कराए जाने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई करेंगे। सुपर जोनल दंडाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने-अपने संबंधित विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान हेतु सभी जोनल दंडाधिकारी एवं सेक्टर पदाधिकारी से लगातार संपर्क में रहेंगे एवं किसी प्रकार की समस्या का तुरंत निराकरण करेंगे। सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता की सुविधा के लिए छाया, शेड, पेयजल, पंखा, पंक्ति में लगे मतदाताओं के लिए अलग से कमरे की व्यवस्था आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।



पुलिस नहीं जांच करेगी किसी का पहचान पत्र : डीएम



डुमरांव। निर्भिक होकर बूथ पर मतदान करने के लिए जाए और दूसरे को भी इसके लिए उत्प्रेरित करें। गर्भवती महिला मतदाता हो या बुजुर्ग सभी के लिए बूथ पर विशेष व्यवस्था रहेगी। बूथ पर सरकारी किसी भी फोटो युक्त प्रमाण पत्र के साथ मतदान करने के लिए जा सकते हैं। उक्त बातें राज हाईस्कूल चुनाव डिस्पैच सेंटर पर कर्मियों को ब्रीफिंग करते हुए डीएम अंशुल अग्रवाल ने कही। उन्होंने साफ शब्दों में कहा की पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए रहेगी न की आपका को परिचय पत्र जांच करेगी। पुलिस या अन्य कोई भीतर में किसी मतदाता से भी बात नहीं कर सकती है। बाहर कतारबद्ध मतदताओं के जरूरत पड़ने पर पुलिस उनकी सहायता कर सकती है।

डीएम ने बताया कि सभी केन्द्रों पर गर्मी को देखते हुए पानी औँर ओआरएस मौजूद रहेगा। स्वास्थ्य कर्मी भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा की वोटर स्लीप के लिए कोई परेशानी नहीं होगी। किसी भी सरकारी पहचान पत्र लेकर आप मतदान करने के लिए बूथ पर जा सकते हैं। पुलिस या कोई भी मतदान केन्द्र के भीतर नहीं प्रवेश करेगा और नहीं किसी से बात करेगा। किसी को काई बात करनी होगी तो बाहर के कतार में खड़े मतदाता से बात कर सकता है। उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मी भी मतदान केन्द्र के भीतर नहीं जा सकते और नहीं किसी से बात कर सकते हैं।

डीएम-एसपी ने डुमरांव डीके कॉलेज व +2 राज उच्च विद्यालय का किया दौरा

वहीं, जिलाधिकारी व एसपी डुमरांव प्रखण्ड अंतर्गत +2 राज उच्च विद्यालय में अवस्थित 201-डुमरांव विधान सभा के डिस्पैच सेंटर एवं डीके कॉलेज डुमराँव में अविस्थत 199-ब्रह्मपुर विधान सभा के डिस्पैच सेंटर का संयुक्त रूप से मतदान कर्मी/पुलिस पदाधिकारी/सेक्टर पदाधिकारी को ब्रीफिंग किया। सभी मतदान दल के कर्मियों को निर्देशित किया गया कि चेक लिस्ट से मिलान करते हुए मतदान सामग्री प्राप्त करेंगे। साथ ही पार्टी मिलान करते हुए पुलिस पदाधिकारी के साथ सम्पर्क स्थापित करेंगे। साथ ही, प्रचंड गर्मी को देखते हुए मतदान कर्मी को निर्देश दिया कि ईवीएम एवं वीवी पैट को सुव्यवस्थित तरीके से तिरपाल से ढक कर मतदान केन्द्र कर ले जाना सुनिश्चित करेंगे। सेक्टर पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अपने सम्बद्ध मतदान केन्द्र के मतदान दलों से सम्पर्क में रहेंगे एवं आवश्यक सहयोग करेंगे। साथ ही, सभी सेक्टर पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी मतदान दल अपने-अपने निर्धारित मतदान केन्द्रों पर ससमय पहुंच गए है।

मतदान केन्द्रों पर पारा मेडिकल टीम की सुविधा उपलब्ध, तैनात रहेंगे स्वास्थ्य कर्मी

अधिकारियों ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर पारा मेडिकल टीम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मतदान समाप्ति के पश्चात इस्तेमाल नहीं हुए ईवीएम को ओल्ड वेयरहाउस में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। जोनल दण्डाधिकारी को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्र में सतत भ्रमणशील रहकर शांतिपूर्ण, स्वच्छ निर्वाचन सम्पन्न कराए जाने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई करेंगे। सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाता की सुविधा के लिए छाया, शेड, पेयजल, पंखा, पंक्ति में लगे मतदाताओं के लिए अलग से कमरे की व्यवस्था आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सभी मतदान केन्द्रों पर पारा मेडिकल टीम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मतदान प्रक्रिया के उपरांत पोल्ड ईवीएम को बाजार समिति में बने संग्रहण स्थल पर ससमय सुरक्षित जमा कराने हेतु सभी मतदान कर्मी को निर्देश दिया गया। पुलिस पदाधिकारी एवं मतदान कर्मियों को आपस में समन्वय करते हुए मतदान को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक मतदान की प्रक्रिया को पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

आज 14 उम्मीदवारों में से वोटरों को अपना सांसद चुनने की बारी



डुमरांव। लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण में शनिवार को जिले के मतदाता वोट डालेंगे। बक्सर, संसदीय क्षेत्र से इस बार कुल 14 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। एनडीए समर्थित बीजेपी उम्मीदवार मिथिलेश तिवारी, राजद उम्मीदवार सुधाकर सिंह, बसपा से अनिल कुमार, बहुजन मुक्ति पार्टी से राजू सिंह, जागरूक जनता पार्टी से हेमलता तो निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पूर्व आईपीएस आनंद मिश्र, पूर्व मंत्री ददन पहलवान, अखिलेश कुमार पांडेय, निरंजन राय, भगवान सिंह यादव, राम स्वरूप चौहान, सुधाकर मिश्रा, सुनील कुमार दुबे शामिल है। लोकसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने का पूरा दारोमदार युवा व महिला वोटरों पर रहेगा। लोकसभा क्षेत्र में चुनाव की सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। निर्धारित समय पर मतदानकर्मी और सुरक्षा बल बूथों पर पहुंच गए हैं। लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए दिव्यांग व गर्भवती मतदाताओं को बूथ तक लाने और वोटिंग के बाद फिर वापस घर तक छोड़ने की व्यवस्था की गई है। शुक्रवार को मतदान कर्मी डिस्पैच सेंटर से ईवीएम व मतदान सामग्री को लेकर बूथ की ओर रवाना हो रहे थे। बक्सर लोकसभा क्षेत्र में 19 लाख 23 हजार 164 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 10 लाख 6 हजार 224 है जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 9 लाख 16 हजार 923 है। इसके अलावा 17 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। जिनके लिए 1941 मतदान केंद्र बनाया गया है।

मतदान के लिए ईपिक के अलावा अन्य फोटोयुक्त 12 दस्तावेज मान्य



यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, परंतु उसके पास किसी वजह से मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है तो भी वह वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे। इसके के लिए निर्वाचन शाखा ने 12 वैकल्पिक पहचान दस्तावेज की मान्यता दी है। जिसमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पास्टपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज (केंद्र व राज्य सरकार), लोक उपक्रम, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों के लिए जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसद, विधायक व एमएलसी को जारी किए गये आधिकारिक पहचान पत्र व भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है।

खेतों में लगे मक्कों की रखवाली के लिए गए युवक की संदेहास्पद मौत

केटी न्यूज/सिमरी



स्थानीय थाना क्षेत्र के काजीपुर गांव के नीलामी मोड़ स्थित बघार में एक 35 वर्षीय युवक की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर युवक की शव को अपने कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

हालांकि पुलिस युवक की मौत के मामले में कुछ भी बताने से गुरुराज कर रही है। घटना की पुष्टि करते हुए पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के बारे में वास्तविक जानकारी हो पाएगी। मृतक युवक काजीपुर गांव निवासी भोला यादव का पुत्र विनोद यादव बताया जाता है।

जानकारी के अनुसार मृतक सुबह दस बजे के करीब घर से खाना खाने के पश्चात मक्के की खेत की रखवाली करने के लिए बघार में गया हुआ था। कि शाम शाम के समय परिजनों को सूचना मिली कि विनोद यादव मक्के के खेत के किनारे बेसुध पड़ा हुआ है। सूचना मिलते हैं परिजन भागे भागे मक्के की खेत पर पहुंचे। तो देखा कि मृतक मक्के के खेत के समीप मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। वहीं परिजनों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दिया। सूचना मिलते हैं पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद युवक शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इधर घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। घटना के बाद गांव का माहौल गमगीन हो गया। वही मामले में पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के बारे में कुछ कहा जा सकता है।

बंद ईसीजी मशीन एवं साफ-सफाई पर भड़के डीएम, सीएस को किया शो-कॉज

केटी न्यूज/बक्सर

सदर अस्पताल के निरीक्षण करने पहुंचे डीएम अंशुल अग्रवाल को अस्पताल के समुचित सफाई व्यवस्था अस्त-व्यस्त के साथ ईसीजी मशीन के बन्द रहने पर सिविल सर्जन से स्पष्टीकरण की मांग की है। डीएम अंशुल अग्रवाल जिले में प्रचंड गर्मी एवं उष्ण लहर को देखते हुए सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे। जहा हीट वेव को लेकर आवश्यक प्रबंध का जायजा लिया।

हीट वेव को देखते हुए उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि सभी चिकित्सक, जीवन रक्षक दवाओं के साथ अलर्ट मोड में रहना होगा। वही वे हीट वेव को लेकर सदर अस्पताल में चिन्हित कमरे का निरीक्षण किया गया एवं कमरे में पर्याप्त वेंटीलेशन, पंखा, ओआरएस, दवाई की व्यवस्था आदि व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। साथ ही सिविल सर्जन को निर्देशित करते हुए कहा सदर अस्पताल बक्सर, अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव एवं सभी सीएचसी व पीएचसी पर हीट वेव से निपटने हेतु सभी प्रकार के आवश्यक दवाइयों को रखवाए जाय, ताकि जरूरत पर मरीजों को तत्काल इलाज की सुविधा मिल सके। जिला पदाधिकारी ने अपर समाहर्ता को निर्देशित किया कि समय-समय पर अस्पताल प्रबंधन का निरीक्षण करते रहेंगे एवं निरीक्षण प्रतिवेदन समर्पित करेंगे। वहीं, निरीक्षण के क्रम में अस्पताल में समुचित साफ सफाई का अभाव पाया गया एवं ईसीजी मशीन कार्यरत नहीं पाया गया। जिसपर वह भड़क गए। उन्होंने पहले इस संबंध में पूछताछ की बाद में सिविल सर्जन को शो-कॉज किया।

बिजली की चपेट में आने से एक की मौत

केटी न्यूज/केसठ



बिजली विभाग की लापरवाही से एक वृद्ध और और एक किशोर की मृत्यु होने का मामला प्रकाश में आया है। प्रखंड के केसठ गांव स्थित दक्षिण डेरा के पश्चिम बधार में शुक्रवार को एक किशोर अचानक बिजलौ के करंटे की चपेट में आ गया। परिजनों ने आनन फानन में अस्पताल ले गए।जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं एक वृद्ध गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जानकारी के अनुसार केसठ गांव स्थित दक्षिण डेरा निवासी शिरंग सिंह के पुत्र मनु कुमार आम के पेड़ पर चढ़कर आम में तोड़ रहा था।

इसी दौरान अचानक ग्यारह हजार वोल्ट बिजली कौ करंट के चपेट में आ गया। जिसके स्पर्श होते ही शरीर में करंटे प्रवाहित होने लगी। वहे करंटे की चपेट में आकर चिल्लाने और छटपटाने लगा। पेड़ पर ही लुढ़क गया। उसके आवाज सुनकर नीचे बैठे किशोर के बाबा राम कृपाल यादव पेड़ पर चढ़कर युवक के बचाने के दौरान बिजली करंट की चपेट में आ गए। जिसे गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। तब तक किशोर मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों एवं परिजनों ने दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं वृद्ध की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

नावानगर पुलिस ने मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया। वहीं युवक के मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की मां प्रेमी देवी का रो रोकर बुरा हाल है। नावानगर थानाध्यक्ष नंदु कुमार ने बताया कि बिजली के करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया गया है।घटना की जांच की जा रही है। वही डुमरांव विधायक अजीत कुमार, मुखिया अरविंद कुमार सिंह उर्फ गामा पहलवान ने घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया और उचित मुआवजा दिलाने को लेकर आश्वासन भी दिया।

ग्रामीणों से बताया कि आम के पेड़ से बार बार 11 हजार की बिजली का तार संपर्क में आता है और पेड़ में बिजली प्रवाहित होने लगती है। ग्रामीणों ने बताया की बिजली विभाग को कई बार इसकी सूचना दी गई है लेकिन उनके द्वारा कोई सुध नहीं लिए गया।

अनुमंडलीय अस्पताल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम, कर्मियों ने ली शपथ

तंबाकू से स्वयं के साथ अपने आसपास के लोगों को भी रखें दूर

केटी न्यूज/डुमरांव



अनुमंडलीय अस्पताल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों ने एक कार्यक्रम का आयोजन कर तंबाकू नहीं पीने की शपथ लिया। सभी ने शपथ लेते हुए अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इससे दूर रहने की बात कही। कार्यक्रम का उद्घाटन अस्पताल के डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि तंबाकू पीना शरीर के लिए काफी हानिकारक है। अपने तो बचे ही परिवार और आसपास के लोगों को भी इससे दूर रखें।

मौके पर माजूद डॉ. सजनी प्रिया, डॉ. लोकेश कुमार, डॉ. सुमित सौरव सहित अन्य ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा के सेवन से घर परिवार बर्बाद हो जाता है। कई तरह की बीमारियों की चपेट में नशा सेवन करने वाला आ जाता है। इससे लोगों को दूर ही रहना चाहिए। डॉक्टरों ने लोगों को समझाते हुए कहा कि बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बच्चे सही रास्ते पर जाएंगे तो उनकी आपकी और उनकी जिंदगी खुशहाल होगी। कुछ बच्चे इसके आदी होते हैं, वैसे बच्चों को बुरी संगत से दूर रखना चाहिए।

इसका सेवन स्वास्थ के लिए हानिकारक

इस दौरान डॉ. गिरीश कुमार सिंह ने बताया कि हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाकर लोगों तक तम्बाकू का सेवन न करने का सन्देश पहुंचाया जाता है। इस मौके पर उन्होंने बताया कि तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। युवा, मजदूर वर्ग व ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी धूम्रपान जैसे- बीड़ी, सिगरेट, का उपयोग करतीं हैं। जिसके कारण फेफड़े, गले, दांत, प्रभावित होते हैं। वहीं लोगों को इन चीजों की लत भी हो जाती है। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन करने वाली महिला या पुरुषों में टीबी होने का खतरा 3 गुना ज्यादा होता है। टीबी से होने वाली मृत्यु भी 3 से 4 गुना अधिक होती है। तंबाकू सेवन से कैंसर के साथ ही टीबी की बीमारी होने की संभावना ज्यादा रहती है।

तंबाकू पदार्थों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विज्ञापन पर 01 से 05 वर्ष तक की कैद एवं 1000 से 5000 रुपए तक का जुमार्ना देय है।18 वर्ष से कम आयु वर्ग के अवयस्कों को तंबाकू पदार्थ बेचने पर 200 रुपए तक का जुमार्ना लग सकता है। बिना चित्रित या पैकेट के 85% भाग पर मुख्य रूप से न छपे वैधानिक चेतावनी के तंबाकू पदार्थ बेचने के जुर्म में 2 से 5 साल की कैद और 1000 से 10000 तक जुमार्ना भी लगाया जा सकता है।

पॉक्सो एक्ट में दोषी शिक्षक को 4 साल की सजा के साथ अर्थदंड

केटी न्यूज/बक्सर



जिला व्यवहार न्यायालय ने शुक्रवार को पॉक्सो एक्ट के मामले में एक शिक्षक को सजा सुनाई है। शिक्षक पर छात्रा के साथ दुष्कर्म और छेड़खानी के प्रयास का आरोप था। मामला जैसे ही न्यायालय में पहुंचा, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विशेष पास्को न्यायाधीश मनकामेश्वर प्रसाद चौबे ने साक्ष्य और गवाहों को सुनने के बाद नतीजे पर पहुंच सजा सुनाई। आरोपी पर दोष सिद्ध होने के बाद उन्होंने उस पर चार साल की सजा के साथ अर्थ दंड भी लगाया है। वहीं, कोर्ट के इस फैसले के बाद पीड़ित छात्रा के परिजनों ने न्यायाधीश को धन्यवाद कहा है। इस संबंध में विशेष लोक अभियोजक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना 3 मई 2019 की है। जिसमें पीड़िता के पिता ने राजपुर के देवढ़िया गांव निवासी सुरेश चंद राम के बेटे दौलत अनोखा पर अपनी बच्ची के साथ छेड़खानी और दुष्कर्म का प्रयास करने का आरोप लगाया था। राजपुर थाना में मामला दर्ज होने के बाद उस पर कार्रवाई शुरू की गई।

काराकाट लोकसभा सीट पर मुकाबला हुआ दिलचस्प, तीसरे कोण ने प्रत्याशियों की बढ़ाई धड़कनें

- काराकाट से एनडीए की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, महागठबंधन से राजाराम सिंह, निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह और AIMIM प्रत्याशी प्रियंका चौधरी कि भाग्य का होना है फैसला
- करीब 18 लाख 81 हजार 191 मतदाता दिग्गजों के भाग्य का करेंगे फैसला

केटी न्यूज/काराकाट

सातवें और आखिरी चरण के लिए मतदान आज



काराकाट लोकसभा सीट के लिए मतदान है। इससे पहले चुनाव प्रचार में काराकाट सीट सबसे अलग और खास दिखा जहां एक से बढ़ कर एक नेता व मंत्री अपने अपने पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में विशाल जनसभा और रोड शो किया। इस समय काराकाट की सीट बिहार की सबसे हॉट सीट बन गई है। जहां इस चुनावी रण में सभी प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। अंतिम चरण के मतदान में काराकाट से एनडीए की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, महागठबंधन से राजाराम सिंह, निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह और AIMIM प्रत्याशी प्रियंका चौधरी कि भाग्य का फैसला होना है। करीब 18 लाख 81 हजार 191 मतदाता इन दिग्गजों के भाग्य का फैसला करेंगे। जिसमे काराकाट प्रखंड के 1 लाख 64 हजार 5 सौ 16 मतदाता भी शामिल हैं।

बिहार की सबसे हॉट सीट बनी काराकाट: बिहार में अंतिम चरण में सबसे हॉट सीट काराकाट में वोटिंग होगी, जहां काराकाट सीट पर बिहार के साथ साथ पूरा देश कि नजरें टिकी हैं। तीसरे कोण ने इस सीट के मुकाबले को रोचक बना दिया है। यह तीसरा कोण जीतने की क्षमता भले ही न रखता हो, लेकिन हार में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। अंतिम चरण में सबसे रोचक लड़ाई काराकाट में दिख रही। यही कारण है कि अंतिम समय तक एनडीए और इंडिया अलायंस के उम्मीदवार पूरी ताकत लगाकर चुनाव प्रचार में जुटे रहे।

110 बूथों पर की गई है शेड की व्यवस्था

बढ़ी हुई गर्मी को देखते हुए चुनाव आयोग की तरफ से 110 बूथों पर शेड और 175 मतदान केंद्रों पर पीने के पानी और और ओआरएस की व्यवस्था की गई है। काराकाट प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मतदाताओं की सुविधा को देखते हुए कई तरह व्यवस्था की गई है। मतदाताओं को सीधी धूप का सामना न करना पड़े इसके लिए व्यापक शेड और फर्स्ट एड की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा सभी पोलिंग बूथों पर दिव्यांगों के लिए भी अलग से व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है।

काराकाट प्रखंड में बनाए गए हैं 175 बूथे

चुनाव आयोग की तरफ से काराकाट लोकसभा सीट अंतर्गत काराकाट प्रखंड में कुल 175 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इसके लिए बाहरी सुरक्षा बलों से साथ करीब 5 हजार सुरक्षा कर्मी को तैनात कर दिया गया है। जिसमे बाहरी सुरक्षा बलों की 5 टुकड़ियों के साथ बिहार पुलिस के हजारों जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। 175 पोलिंग बूथ तैयार किया गया है। जिसमे शहरी क्षेत्र में 13 और ग्रामीण क्षेत्रों में 162 बूथ बनाए गए हैं। इसके अलावा अंतिम चरण के मतदान के दौरान 120 बूथों पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध होगी।

आरा लोकसभा सीट के लिए वोटिंग आज, बनाए गए हैं 2249 पोलिंग स्टेशन

21 लाख 64 हजार 958 मतदाता आज करेंगे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

- आरा में सातवें व अंतिम चरण के मतदान के लिए डिस्पैच सेंटर से पोलिंग पार्टियां रवाना
- शांति एवं निष्पक्ष चुनाव को लेकर पुलिस-प्रशासन मुस्तैद

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में सातवें व अंतिम चरण का मतदान 1 जून को है। भोजपुर के विभिन्न डिस्पैच सेंटर से पोलिंग पार्टियां शुक्रवार को रवाना हुई। पोलिंग पार्टियों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी महेंद्र कुमार की उपस्थिति में रवाना किया गया। उन्होंने डिस्पैच सेंटर पर बने पंडाल का निरीक्षण कर हेल्प डेस्क पर तैनात अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। ताकि पोलिंग पार्टियों को किसी भी तरह की असुविधा नही हो। बता दें कि चुनाव के दौरान वोटर कार्ड नहीं मिलने के कारण कई मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाते हैं। लोकतंत्र के इस महापर्व में यह भी मतदाता वोट डालने से वंचित नहीं रहे। इसको लेकर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में मतदाता वोटर कार्ड नहीं रहने की स्थिति में अन्य 12 विकल्प में कोई एक पहचान पत्र दिखाकर मतदान कर सकेंगे।

वोटर कार्ड नहीं रहने की स्थिति में भी कर सकेंगे मतदान



यादव और राजपूत मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा

आरा लोकसभा क्षेत्र में कुल सात विधानसभा सीटें हैं। इसमें आरा, बड़हरा, संदेश, अगिआंव, तरारी, जगदीशपुर और शाहपुर शामिल हैं। आरा लोकसभा में कुल 21,64,958 लाख वोटर हैं जिसमें 11,51099 पुरुष तथा 10,13826 महिला मतदाता हैं। ट्रांसजेंडर संख्या 33 कुल सेवा मतदाता 17925 हैं। जिले में कुल 2249 पोलिंग स्टेशन बनाए गए है। भोजपुर जिले में यादव और राजपूत मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा है। जिले में लगभग 3 लाख 50 हजार यादव हैं। इन्हें आरजेडी का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है। हालांकि ये अब कुछ हद तक जेडीयू और बीजेपी में भी बंटते रहे हैं। जिले में पासवान जाति के मतदाताओं की संख्या 50 हजार के आसपास बताई जाती है। ये सीधे तौर पर लोजपा और भाजपा और कुछ महा गठबंधन के साथ जुड़े हैं। यहां चंद्रवंशी समाज के वोटरों की संख्या भी 50 हजार के करीब है। इसमें ज्यादातर महागठबंधन के साथ हैं। बाकी अतिपिछड़ा वोट पांच लाख से ऊपर है। ये वोट सीधे तौर पर दोनों प्रत्याशियों के साथ है, लेकिन यहां भी भाजपा कुछ ज्यादा सेंधमारी कर सकती है। जिले में राजनीतिक रूप से भूमिहार जाति सबसे ज्यादा सक्रिय है। इनकी संख्या लगभग एक लाख 15 हजार है। उनका भी वोट चुनाव में निर्णायक साबित होता है। अगर भूमिहार वोटरों की बात करें तो कुछ बुजुर्ग लोग जो पुराने कांग्रेसी हैं वो महागठबंधन प्रत्याशी को वोट करते हैं। अन्यथा 85 प्रतिशत भूमिहार समाज का वोट भाजपा को मिलता रहा है।

राजपूत जाति के लगभग तीन लाख मतदाता

राजपूत जाति से आने वालों की संख्या लगभग तीन लाख के आसपास है। इनके वोट सीधे तौर पर भाजपा प्रत्याशी को मिल सकते हैं। कुछ वोट कांग्रेस और महागठबंधन के प्रत्याशी को भी मिल सकते हैं। भाजपा के सांसद आरके सिंह इसी राजपूत जाति से आते हैं। आरा लोकसभा क्षेत्र में ब्राह्मण जाति के लगभग 70 हजार से ज्यादा वोट हैं जो सीधे तौर पर भाजपा के साथ जा सकते हैं। आरा लोकसभा में कुशवाहा वोटरों की संख्या एक लाख से अधिक है। सामाजिक समीकरण की बात करें तो इन्हें कई भागों में बांटा जा सकता है। इसमें ज्यादा सेंधमारी भाकपा माले कर ले तो यह बड़ी बात नहीं होगी। पवन सिंह के निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर काराकाट से लड़ने के कारण कुशवाहा समाज भाजपा से नाराज है जिसका सीधा फायदा माले को मिलेगा। भोजपुर जिले में मुस्लिम समुदाय की आबादी 1 लाख 25 हजार है। यहां मुस्लिम मतदाताओं की बात करें तो ये सीधे तौर पर भाकपा माले प्रत्याशी के साथ जाएंगे लेकिन 2019 के चुनाव में मुस्लिमों का वोट भाजपा को भी गया था। जिले में अति पिछड़ा वर्ग से लोहार, कुम्हार, बढ़ई, सुनार, कहार, मल्लाह कुछ ऐसी जातियां हैं जो कई क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। जिले में कुर्मी कोइरी-मांझी, वोट भी बहुत मायने रखने वाला है।

तपती धूप के बीच मतदान कर्मी गंतव्य स्थल की ओर रवाना

बिक्रमगंज। मतदान कार्य में लगे मतदान कर्मियों ने झोरे बोरे के साथ चिलचिलाती धूप में पिकअप गाड़ी के ट्रालियों पर खड़े होकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। लोकतंत्र का महापर्व है और अपनी जिम्मेवारियों को निभाने के लिए सरकार के हर हुकुम का पालन जो करना है। चाहे उन्हें ट्रॉली में लादकर भेजा जाए या पैदल भेजा जाए, जाना तो पड़ेगा। शुक्रवार को दिनभर विभिन्न वाहनों से गुजरते हुए मतदान कर्मियों को कड़ी धूप में खुले आसमान में ट्रालियों पर खड़े होकर जाते हुए देखा गया। मालूम हो कि भीषण गर्मी के कारण कितने कर्मियों की मौत भी हो चुकी है इसके बावजूद इनको इस तरह से मतदान कार्य में लगाना कहां तक उचित और न्याय संगत है? यह एक विचारणीय प्रश्न है। जिनके कंधे पर लोकतंत्र के महापर्व की जिम्मेवारी सौंपी जाती है। उनके लिए इस तरह की व्यवस्था प्रशासनिक विफलता का एक संकेत भी है। सरकार बनाने के लिए सरकारी कर्मियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाना भी प्रशासन की जिम्मेवारी है। लेकिन इस मामले में सरकार और प्रशासन बिल्कुल बेपरवाह दिखाई दी। एक तरफ मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को इस बार अभूतपूर्व सुविधा प्रशासन के द्वारा दी गई है। जबकि इसके दारोमदर कर्मियों को बेपरवाह रखना कितनी बड़ी विफलता है यह सोचनीय है।

एक नजर

फांसी लगाकर महिला ने दे दी जान

नसरीगंज। कछवां थाना अंतर्गत ग्राम कछवां में फांसी लगाने से एक महिला की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर शाम कछवां थाना अंतर्गत ग्राम कछवां में महिला शबाना खातून उम्र 38 वर्ष पति शहरे आलम की मृत्यु फांसी लगाने से हो गई। ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना मृतिका के मायके वालों को दी गई। मिली सूचना पर मृतिका के मायके वाले उनके घर पहुंचे। मृतिका के मायके वालों ने फर्श पर पड़े शव को देख दहाड़ मार कर रोने लगे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच जायजा लेते हुए शव को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि मृतिका के शव को परिजनों के समक्ष कानूनी कार्रवाई करते हुए सदर अस्पताल सासाराम भेजकर पोस्टमार्टम कराने के उपरांत परिजनों को सुपुर्द कर दी गई है । थानाध्यक्ष ने बताया कि मायके वालों का आरोप है कि मेरी पुत्री की जान ली गई है, जबकि वहीं ससुराल वालों का कहना है कि मृतिका खुद से ही फांसी लगाई है। उन्होंने कहा कि घटित घटना के मामले में किसी के द्वारा कोई आवेदन नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि मृतिका का पति बाहर रहता है। बताया कि मृतिका के पांच बच्चे हैं । मृतिका की शादी मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार वर्ष 2007 में कछवां थाना अंतर्गत ग्राम कछवां निवासी शहरे आलम के साथ हुई थी। मृतिका शबाना खातून जिला औरंगाबाद थाना मदनपुर क्षेत्र के साकिन वार गांव की रहने वाली बताई जाती है ।

बलथरी गांव के पास बुखार से पीड़ित मतदान कर्मी मूर्छित होकर बाइक से गिरा, रेफर

दिनारा। कोचस थाना क्षेत्र के बलथरी गांव के समीप शुक्रवार को मतदान कार्य के लिए दिनारा जा रहे एक मतदान कर्मी बाइक से मूर्छित होकर गिर पड़ा । जिसे जिसे ग्रामीणों ने स्थानीय सीएससी में भर्ती कराया । जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया । घटना के संबंध में बताया जाता है कि राजपुर प्रखंड में कार्यपालक सहायक के पद पर कार्यरत चंद्रकांत भारती ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए दिनारा जा रहे थे की सासाराम चौसा पथ में बलथरी गांव के समीप बाइक से अचानक मूर्छित होकर गिर पड़े । प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर तुषार कुमार ने बताया कि कार्यपालक सहायक के सिर में गंभीर चोटे आई हैं। जो तेज बुखार से पीड़ित था। गंभीर स्थिति देखते हुए इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

घर में खाना बना रही महिला की करंट लगने से गई जान

केटी न्यूज/आरा

धोबहां थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर गांव में शुक्रवार को खाना बनाने के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मुंह से झाग निकलते देख उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों द्वारा करंट लगने से मौत होने की बात कही जा रही है। मृत महिला इंग्लिशपुर गांव निवासी उमेश यादव की 35 वर्षीया पत्नी सुनीता देवी थी। उमेश यादव ने बताया कि उनकी पत्नी रसोईघर में हीटर पर खाना बना रही थी। उस समय वह घर में अकेली थी। उसी दौरान उसे करंट लग गया। कुछ देर बाद उनका बेटा रसोईघर में गया तो, देखा कि उसकी मां जमीन पर पड़ी बेहोश पड़ी है और मुंह से झाग निकल रहा है। उसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। बताया जाता है कि महिला के दो पुत्र करण यादव और रोहित यादव है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है।

सड़क किनारे मिला अधेड़ व्यक्ति का शव

आरा। बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर पीरो थाना क्षेत्र के देवचंदा मोड़ के समीप शुक्रवार की दोपहर 50 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शव सड़क किनारे पड़ा था। मृतक के गर्दन और चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। हालांकि मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मौत का कारण भी स्पष्ट नहीं हो सका है। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस मृतक की पहचान और मौत कै कारणों की छानबीन में जुट गई है।

आपसी विवाद में अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या

केटी न्यूज/जहानाबाद



घोसी थाना क्षेत्र साहोबिगहा पुरनका टोला गांव निवासी 68 वर्षीय रामजी यादव नामक एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का एक मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार वह गुरुवार की शाम पशु चराने के लिए नदी के किनारे गया था लेकिन जब देर शाम तक घर नहीं लौटा तो उनके परिवारवाले को अनहोनी की आशंका होने लगी। काफी खोजबीन करने लगा देर रात्रि तक मृतक व्यक्ति का कोई अता-पता नहीं चला।

शुक्रवार को सुबह जब गांव के कुछ लोग नदी के किनारे गए तो देखा की हरदास राम भवन गांव समीप इस व्यक्ति का शव पड़ा हुआ था, इस घटना की सूचना उसके परिवार जनों को दिया गया परिवारजन दौड़े दौड़े घटनास्थल पर पहुंचे और इस घटना की सूचना स्थानीय थाने के पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया है इसके परिजन का आरोप है कि हरदासपुर गांव के कुछ किसान के मूंग के खेत में मृतक व्यक्ति का पशु चला गया इसी को लेकर उन लोगों द्वारा लाठी डंडे से मारकर इसकी हत्या कर दी गई है। ,एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति की हत्या की सूचना मिली है पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव कब्जे में ले लिया है। उसके परिजन द्वारा हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। मृतक व्यक्ति के शरीर पर निशान भी मिले हैं लेकिन हत्या कैसे हुई है। हत्या का कारण क्या है। सभी बिंदु पर पुलिस जांच कर रही है। जांच के बाद ही घटना के बारे में स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। वहीं स्थानीय विधायक रामबली सिंह यादव घटनास्थल पर पहुंचकर इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह से इसकी हत्या की गई है। यह काफी निंदनीय है। पुलिस प्रशासन से मांग किया है कि निष्पक्ष रूप से इसकी जांच कराई जाए। जो भी इस घटना में शामिल है उसे कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए दोषियों को सजा दिया जाए एवं निर्दोष को नहीं फसाया जाए।

लू लगने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत, मचा कोहराम

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के मुंजी पंचायत अंतर्गत अधौरा गांव में एक 55 वर्षीय दीनानाथ चौबे पिता स्वर्गीय योगेश्वर चौबे की लू लगने से मौत हो गई। इस घटना से गरीब परिवार बेसहारा हो गया है। रो रो कर परिजनों का हाल बेहाल है। बता दे कि दिनानाथ चौबे की चार लड़की और दो लड़के हैं। वह मंदिर में पूजा करके अपने बाल बच्चों का पालन पोषण करते थे। मुंजी पंचायत के मुखिया अजय प्रताप सिंह ने कहा कहा कि 3000 कबीर अंतोष्ठी योजना से दिया गया है। लेकिन उनकी स्थिति इतनी कमजोर है कि अगर सरकारी सहायता राशि नहीं मिला तो परिवार दाने-दाने को मोहताज हो जाएगा।



भोजपुर में आसमान से बरसती आग और गर्म हवा बनी जानलेवा, भय का माहौल

हीट वेव का कहर... मतदान कर्मी सहित दो लोगों की मौत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में आसमान से बरसती आग के बीच शरीर झुलसाने वाली गर्म हवा और भीषण गर्मी का कहर जारी है। जिले में दूसरे दिन भी लोगों के मरने का सिलसिला जारी रहा। भीषण गर्मी (हिटवेव) की चपेट में आने से शुक्रवार को मतदान कर्मी सहित दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस द्वारा दोनों शव का पोस्टमार्टम भी कराया गया है। इधर, बड़हरा निवासी एक दारोगा की मुंगेर में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चरपोखरी प्रखंड के बगही गांव स्थित बूथ संख्या 159 पर शुक्रवार को एक पोलिंग अधिकारी की मौत हो गई। मृत कर्मी चौरी थाना क्षेत्र के डिलिया गांव निवासी 34 वर्षीय पुत्र सुदामा कुमार थे। वह सहार पीएचसी में चतुर्थवर्गीय कर्मी थे। उनकी ड्यूटी बगही गांव स्थित मतदान केंद्र पर लगी थी। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हरिगांव गांव में दरवाजे पर बैठे एक किसान की मौत हो गई। मृत किसान हरिगांव गांव निवासी स्व.राम नरेश चौबे के 63 वर्षीय पुत्र बृज भूषण चौबे थे। उनके दामाद ने बताया कि गुरुवार की देर शाम वह घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी हीट स्ट्रोक के कारण उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गयी। तब उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है। बता दें कि पिछले दो दिनों से जिले में झुलसा देने वाली गर्मी और हीटवेव चल रही थी। उसकी चपेट में आने से गुरुवार को काफी लोग बीमार पड़ गए थे। चुनाव ड्यूटी में लगे पांच कर्मियों सहित दस लोगों की मौत हो गई थी। दर्जन भर से अधिक लोगों का सदर अस्पताल सहित अन्य हॉस्पिटल में इलाज भी चल रहा है।

अचानक बिगड़ी तबीयत और मतदान कर्मी की चली गयी जान

चरपोखरी थाना क्षेत्र के बगही गांव स्थित बूथ पर शुक्रवार को हिटवेव की चपेट में आने से चुनावी ड्यूटी में तैनात एक कर्मी की मौत हो गई। मृतक चौरी थाना क्षेत्र के डिलिया गांव निवासी 34 वर्षीय सुदामा कुमार थे। सहार स्थित पीएचसी में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के पद पर कार्यरत सुदामा कुमार की ड्यूटी चरपोखरी प्रखंड के मझिआंव पंचायत के बगही मतदान केंद्र संख्या 159 पर पीठासीन-2 अधिकारी के रूप में लगी थी। बताया जा रहा है कि तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसके बाद मतदान केंद्र पर उपस्थित कर्मियों द्वारा पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गयी। चरपोखरी सीएचसी से एंबुलेंस भेज उन्हें तत्काल अस्पताल लाया गया। वहां डॉक्टर द्वारा कर्मी को मृत घोषित कर दिया गया। इधर, कर्मी की अचानक मौत होने से अन्य कर्मियों में हीटवेव को लेकर भय का माहौल बना हुआ है।

बड़हरा के ट्रैफिक दारोगा की हीट वेव से मुंगेर में मौत

बड़हरा थाना क्षेत्र के चातर गांव के ट्राफिक दरोगा ददन प्रसाद सिंह की हीटवेव की चपेट में आने से मुंगेर में मौत हो गई है। उनका शव शुक्रवार को पटना स्थित उनके आवास पर लाया गया। इधर, मौत की खबर से दारोगा के घर में कोहराम मच गया। परिजनों द्वारा पुलिस विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया की दारोगा गुरुवार को ट्राफिक ड्यूटी में तैनात थे। उसी दरम्यान उनको शरीर में बेचैनी होने लगी। उसके बाद पुलिस द्वारा उनको पुलिस लाइन लाया गया। वहां बाथरूम जाने के क्रम में चक्कर आने के बाद गिर कर बेहोश हो गए। उसके बाद इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उनकी मौत हो गई।

बलिया के पचरुखिया घाट पर पांच किशोर डूबे, तीन का शव बरामद

♦ पचरुखिया ट्यूशन पढ़ने गए हुए थे पांचों किशोर

केटी न्यूज / बलिया

हल्दी थाना क्षेत्र के गंगा नदी के काली मंदिर के सामने पचरूखिया घाट पर शुक्रवार को नहाते वक्त पांच किशोर डूब गये। इसकी सूचना मिलते ही इलाके में हड़कम्प मच गया। सैकड़ों लोगों गंगा घाट पर पहुँच गए। ग्रामीणों ने तीन किशोरों के शव को बरामद किया। जबकि दो की तलाश अब भी जारी है। मृतक किशोरों की शिनाख्त रेवती थाना क्षेत्र के पियरौटा निवासी रवि राम 14 वर्ष पुत्र दिलीप राम, सनी राम 15 वर्ष पुत्र वीरेन्द्र राम तथा रेवती थाना के अचलगढ़ निवासी सिंटू कुमार 13 वर्ष पुत्र जितेंद्र राम के रूप में की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस व ग्रामीण तीन किशोर की तलाश में लगे हुए हैं। पुलिस ने तीनों शवो को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। शव को देखते ही परिजन दहाड़े मार कर रोने लगे। वहीं गंगा घाट पर पांचों किशोरों के कपड़े, एक मोबाइल और साइकिल को पुलिस ने बरामद किया।

बताया जा रहा है कि रेवती थाना क्षेत्र के पियरौटा गांव निवासी रवि कुमार राम पुत्र दिलीप राम, सनी कुमार राम पुत्र वीरेंद्र राम, निर्मल कुमार पुत्र शिवचंद चोपड़ा, अभिषेक कुमार पुत्र लक्ष्मण प्रसाद राम व रेवती थाना क्षेत्र के ही अचलगढ़ गांव



निवासी सिंटू कुमार पुत्र जितेंद्र राम शुक्रवार की सुबह करीब नौ बजे अपने घर से ट्यूशन पढ़ने पचरुखिया के लिए निकले थे। इसी बीच पांचों किशोर हल्दी थाना क्षेत्र के पचरुखिया काली मंदिर के सामने गंगा घाट पर स्नान करने के लिए पहुंचे। जहां पर पांचों अपना साइकिल, मोबाइल, कपड़ा उतार कर गंगा नदी में स्नान करने लगे। इसी बीच पहले से ही गंगा घाट पर स्थान कर रहे छोटे-छोटे दो बच्चों ने किशोरों को डूबते देख चिल्लाना शुरू किया और सड़क के किनारे बैठे लोगों को किशोरों की डूबने की बात बताई। यह बात धीरे-धीरे जंगल में आग की तरह फैल गयी। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया, जो जहां था वहीं से दौड़कर गंगा नदी के पचरुखिया काली मंदिर घाट पर पहुंचा, जहां पर स्थानीय मछुआरों की मदद से रवि व सन्नी के शव को गंगा नदी के पानी से बाहर निकाला। कुछ देर बाद सिंटू कुमार का भी शव बरामद हुआ। वही दो किशोरों की तलाश समाचार लिखे जाने तक जारी था।

एक नजर

बहुजन समाज पार्टी, आवामी पिछड़ा पार्टी सहित एक अन्य को तृतीय लेखा मिलान में प्रतिभाग न करने पर नोटिस

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत प्रत्याशियों हेतु लेखा मिलान के लिए निर्धारित तिथियां क्रमशः 21, 25 एवं 30 मई को लेखा मिलान के दौरान आवामी पिछड़ा पार्टी द्वारा प्रतिभाग न करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुनः नोटिस जारी की है। ज्ञातव्य है कि आवामी पिछड़ा पार्टी के प्रत्याशी इस्माइल अंसारी द्वारा प्रथम एवं द्वितीय लेखा मिलान में प्रतिभा न करने पर वाहन अनुमति सहित कई अन्य अनुमतियों को निरस्त करते हुए रिटर्निंग ऑफिसर ने 30 मई को तृतीय लेखा मिलान में समस्त व्ययों के साथ-साथ लेखा मिलान हेतु निर्देशित किया था। परंतु संबंधित प्रत्याशी द्वारा तृतीय लेखा मिलान में भी प्रतिभाग नहीं किया गया, और न ही अपना जवाब दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस संबंध में तीन दिन के अंदर जवाब प्रस्तुत न करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 171 झ के अंतर्गत कार्रवाई करने की चेतावनी दी। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी बाल कृष्ण चौहान को भी तृतीय लेखा परीक्षण में अपना लेखा 48 घंटे के अंदर प्रस्तुत न करने तथा नोटिस का जवाब न देने पर सुसंगत नियमों के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके अलावा एक अन्य प्रत्याशी वीरेंद्र, राष्ट्रीय जनतांत्रिक भारत विकास पार्टी को भी तृतीय लेखा मिलान के दौरान व्यय लेखा रजिस्टर में विसंगति पाए जाने पर नोटिस जारी करते हुए 48 घंटे के अंदर जवाब न मिलने पर सुसंगत नियमों के तहत निर्धारित कार्रवाई की चेतावनी जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गई।

लोकसभा चुनाव में जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों की अहम भूमिका : डीएम

गाजीपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में आज जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों की बैठक स्वामी सहजानन्द पीजी कालेज के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को अपने पदीय दायित्व को बहुत गम्भीरता एवं सजगता से लेते हुए कार्य करने का निर्देश दिया तथा छोटी से छोटी बात को भी गम्भीरता से लेने को कहा। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी पार्टी के लिए पक्ष या विपक्ष में नहीं बोलना है न ही कोई कमेंट करना है। कौन जीत रहा है, कौन हार रहा है। सामने वाले को यह महसूस होना चाहिए कि आप निष्पक्ष कार्य कर रहे हैं। लॉ एवं आर्डर का पालन अवश्य करना/कराना है। इसके लिए आपको मजिस्ट्रेट का पावर दिया गया है। सभी अधिकारी अपने-अपने मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर लें। यदि कहीं भी अनावश्यक समाग्री, मलवा है तो सम्बन्धित एआरओ को सूचित कर हटवाने का निर्देश दिया। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को अपने-अपने क्षेत्रों के वीएलओ के नाम व मोबाइल नं0 अवश्य रखें जिससे आवश्यकता पड़ने पर उसका सदुपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि पूरे निर्वाचन की प्रक्रिया में सेक्टर मजिस्ट्रेट का महत्वपूर्ण कार्य होता है। कोई मतदान कार्मिक मतदान के दौरान बीमार पड़ता है, तो तत्काल उसकी सूचना एआरओ को देते हुए उसका उपचार कराया जाए। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाए की वेवकास्टिंग वाले बूथों पर मतदान के दिन प्रातः 05 बजे से मतदान समाप्ति तक किसी भी दशा में कैमरा बंद न होने पाये। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रकिया को सम्पादित करने हेतु निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो इस हेतु आप का पद सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। कोई ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं करेंगे जिससे आपकी निष्पक्षता उजागर हो। भारत निर्वाचन आयोग के सभी आदेशों का शत- प्रतिशत पालन करते हुए कार्य करें। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों के कार्य के विषय में जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी बुकलेट का अध्ययन अवश्यक कर लिया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, अपर जिलाधिकारी वि0रा0/उप जिला निर्वाचन अधिकारी, एआरओ सदर एवं जंगीपुर, डिप्टी कलेक्टर सालिक राम, परियोजना निदेशक राजेश यादव, सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव : माननीय भी करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

गाजीपुर। 75 -गाजीपुर लोकसभा चुनाव क्षेत्र का मतदान शनिवार एक जून को है। इस लोकसभा क्षेत्र में रहने वाले माननीय भी अपना मतदान करेंगे। जिसमें कुछ खास लोगों का मतदान उनके पैतृक गांव में होगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय अपने पैतृक निवास सैदपुर विधानसभा के पक्खनपुर मतदेय स्थल पर अपना मतदान करेंगे। इसी क्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. संगीता बलवंत अपने ससुराल के पैतृक गांव जमानिया में मतदान करेंगी। विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल अपने पैतृक गांव सैदपुर विधानसभा के तेतारपुर बूथ पर अपना वोट डालेंगे। साथ ही लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय अपने पैतृक गांव सिखड़ी बूथ पर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा अपने पैतृक गांव मोहनपुर में अपना मत डालेंगे। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्ण बिहारी राय अपने पैतृक गांव में अपना मत डालेंगे। इसी प्रकार समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार एवं वर्तमान बसपा सांसद अफजाल अंसारी अपने पैतृक गांव यूसुफपुर में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। पूर्व विधायक सिबगतुल्ला अंसारी एवं मुहम्मदाबाद विधानसभा के वर्तमान विधायक मन्नू अंसारी भी यूसुफपुर में अपना मत डालेंगे। सपा के वरिष्ठ नेता एवं जमानिया विधायक ओम प्रकाश सिंह अपने गांव सेवराई में मत डालेंगे। इसके साथ ही गाजीपुर सदर विधायक जैयकिशुन शाहू दुल्लहपुर जलालाबाद में वोट डालेंगे। पूर्व सांसद राधेमोहन सिंह सैदपुर के करमपुर में अपना मत डालेंगे। पूर्व मंत्री विजय मिश्रा शहर के टेढ़ी बाजार में मतदान करेंगे।जंगीपुर विधायक वीरेंद्र यादव सदर ब्लाक के जैदपुरा में मत डालेंगे, पूर्व विधायक अमिताभ अली दुबे शहर के बूथ पर अपना वोट डालेंगे।

खबरें फटाफट

कोर्ट ने आरोपी को सुनाई तीन साल के कारावास की सजा

बलिया। जानलेवा हत्या के प्रयास के मामले में सिविल कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने एक आरोपी को शुक्रवार की दोपहर तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 20 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। आरोपी का नाम मन्नू यादव पुत्र मुन्ना यादव निवासी बहदुरा थाना मनियर है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2017 में मनियर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 20 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया।

कलेक्ट्रेट सभागार में कंट्रोल रूम स्थापित

गाजीपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 को सकुशल निष्पक्ष निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के लिए कंट्रोल रूम कलेक्ट्रेट सभागार में बनाया गया है। जिसका दूरभाष नं0 373- जखनियां विधानसभा 0548- 2970771, 374- सैदपुर विधान सभा 0548- 2970772, 375- सदर विधान सभा 0548- 2970773, 376- जंगीपुर विधानसभा 0548- 2970779, 377- जहूराबाद विधानसभा 0548- 2970770, 378- मुहम्मदाबाद विधानसभा 0548- 2970778, 379- जमानियां विधानसभा 0548- 2970776, कंट्रोल रूम (1950) 0548- 2220211 है।

पॉक्सो एक्ट के आरोपी को दस वर्ष की सजा

बलिया। छेड़खानी व पॉक्सो एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को शुक्रवार की दोपहर दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। आरोपी का नाम विशाल सिंह पुत्र शंकर सिंह निवासी धनौती थाना सुखपुरा है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2019 में सुखपुरा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करने के उपरांत अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को शुक्रवार की दोपहर दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

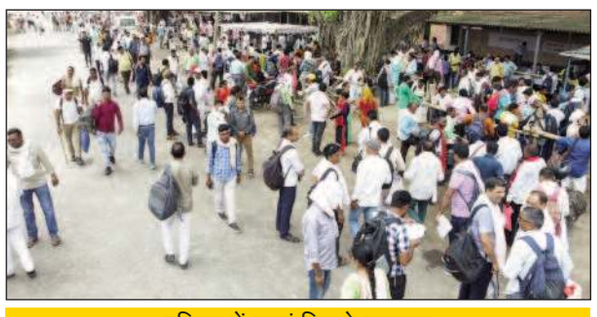
पोलिंग पार्टियां रवाना, 2600 बूथों पर होगा मतदान, तैनात रहेंगे अर्द्ध सैनिक बल के जवान

25 लाख 24 हजार 441 मतदाता आज करेंगे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

केटी न्यूज/ बलिया

बलिया समेत तीन लोकसभा क्षेत्रों को समेटे जिले के 2606 बूथों पर एक जून को होने वाले मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां शुक्रवार सुबह से रवाना होने लगीं। जिला निर्वाचन अधिकारी रवींद्र कुमार और ओजस्वी राज ने कलेक्ट्रेट व कृषि उत्पादन मंडी समिति तिखमपुर में जाकर रवानगी का जायजा लिया। बलिया लोकसभा क्षेत्र में जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र फेफना, बलिया नगर व बैरिया आते हैं। इसमें गाजीपुर के मोहम्मदाबाद और जहूराबाद भी शामिल है। इस लोकसभा के लिए प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 1923645 मतदाता करेंगे।

जबकि सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र में जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र बेल्थरारोड, सिकंदरपुर व बांसडीह आते हैं। इसके अलावा देवरिया का भाटपाररानी और सलेमपुर भी शामिल है। 1776982 वोटर सलेमपुर से लड़ रहे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। जबकि घोसी लोकसभा क्षेत्र में बलिया जिले की सिर्फ एक विधानसभा सीट रसड़ा शामिल है। यहां के 366495 मतदाता घोसी का सांसद चुनने में भागीदार होंगे। बलिया जनपद के कुल 25,24,441 मतदाताओं के वोट



बलिया में कहां कितने मतदाता

बलिया लोकसभा	
फेफना	330157
बलिया नगर	366659
बैरिया	368040
जहूराबाद	423482
मोहम्मदाबाद	435307
कुल	1923645
घोसी लोकसभा	
रसड़ा	366495
सलेमपुर लोकसभा	
बेल्थरारोड	370650
सिकंदरपुर	309738
बांसडीह	412702
भाटपाररानी	341805
सलेमपुर	342087
कुल	1776982



को ईवीएम में डलवाने के लिए पोलिंग पार्टियां एक-एक कर रवाना होने लगीं। फेफना, रसड़ा और बलिया नगर के मतदान कर्मी कलेक्ट्रेट से और बेल्थरारोड, सिकंदरपुर और बांसडीह के मतदान कर्मी कृषि उत्पादन समिति मंडी तिखमपुर से निर्धारित वाहनों में बैठकर मतदेय स्थलों के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने गर्मी को ध्यान में रखते हुए मतदानकर्मियों को जरूरी सलाह भी दी।

लोकतंत्र का महापर्व आज, मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां बूथों की ओर रवाना

♦ 18.43 लाख मतदाता करेंगे 10 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

♦ 1005 संवेदनशील मतदेय स्थल पर होगी वेबकास्टिंग

केटी न्यूज/चंदौली

जिले में अंतिम चरण में एक जून को होने वाले लोकतंत्र के महापर्व को लेकर निर्वाचन से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिसके मद्देनजर शुक्रवार को पोलिंग पार्टियां नवीन मंडी से रवाना की जा रही हैं। चंदौली संसदीय क्षेत्र में 18 लाख 43196 मतदाता हैं, जिममें 855475 महिलाएं जबकि 987671 पुरुष और थर्ड जेंडर के 50 मतदाता शामिल हैं। शांतिपूर्ण निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिए पूरे संसदीय क्षेत्र को 23 जोन और 139 सेक्टर में बांटा गया है। इसके साथ ही 1005 संवेदनशील मतदेय स्थल की वेबकास्टिंग कराई जायेगी। बताते चलें कि जिले में कुल मतदान केंद्र 981 और मतदेय स्थल (बूथ) 1868 हैं. जिसके लिए शुक्रवार को नवीन मंडी 1868 पोलिंग पार्टियां रवाना की गईं। सुबह से ही पीठासीन अधिकारी व मतदान कार्मिक ईवीएम, वी वी पैड,आवश्यक सामग्री लेने के लिए विधानसभा वार लाइन में लगे रहे. जिसके बाद मतदान कार्मिक ईवीएम , वीवीपैड व आवश्यक स्टेनशनरी सामग्री का मिलान करते नजर आये।

जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी फुंडे ने बताया कि पोलिंग पार्टियां मतदेय स्थलों के लिए रवाना की जा रही हैं। ईवीएम को ट्रैक करने के लिए गाड़ियों की ट्रैकिंग जीपीएस व पोलिंग ऑफिसर के मोबाइल में ऐप द्वारा की जायेगी। गर्मी को देखते हुए पोलिंग पार्टियों को ऐहतियात बरतने के निर्देश दिये गए हैं। तेज गर्मी के कारण मतदान केंद्रों पर भी छाया के लिए टेंट के साथ ही कूलर भी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा में पांच मॉडल बूथ और एक पिंक बूथ बनाया गया है. दिव्यांग ,वृद्ध , बीमारी से ग्रसित और धात्री महिलाओं को मतदान करने में वरीयता दी जायेगी. उन्होंने जनपद के मतदाताओं से कल अपने मताधिकार का प्रयोग करने के साथ ही अपने संबंधियों से वोट से दिलवाने की अपील की।

ईवीएम व स्टेशनरी लेकर पोलिंग पार्टियों की मतदान केंद्रों के लिए रवानगी शुरू

केटी न्यूज / गाजीपुर

गाजीपुर लोकसभा व बलिया लोकसभा के दो विधानसभाओं में चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियां ईवीएम मशीन स्टेशनरी लेकर सुरक्षा व्यवस्था के साथ मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो रही है। गाजीपुर लोकसभा के जखनियां विधानसभा के लिए आईटीआई मैदान, सैदपुर विधानसभा के लिए पीजी कालेज गोराबाजार, गाजीपुर सदर के लिए न्यू स्टेडियम गोराबाजार, जंगीपुर के लिए न्यू स्टेडियम आरटीआई मैदान, जमानियां के लिए राजकीय पालिटेक्निक कालेज रौजा और बलिया लोकसभा के दो विधानसभा जहूराबाद के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कालेज, मुहम्मदाबाद के लिए रामलीला मैदान से मतदानकर्मी ईवीएम, स्टेशनरी और वाहन का लेकर मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो रही हैं।



जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने बताया कि मतदान शांतिपूर्वक और निष्पक्ष कराने के लिए हर संभव व्यवस्था की गयी है। मतदान के लिए 12900 कर्मी लगाए गये हैं। भारी संख्या में पैरामिलिट्री फोर्स, पीएससी, और बाहर से पुलिस के जवान सुरक्षा में तैनात किये गये हैं। जनपद की पुलिस का मतदान केंद्रों के अंदर ड्यूटी नहीं लगाया गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए पानी, ओआरएस, और चिकित्सकों की टीम तैनात की गयी है।

निष्पक्ष शांतिपूर्ण सकुशल मतदान करने हेतु प्रशासन प्रतिबद्ध

केटी न्यूज / मऊ



लोकसभा सामान्य निर्वाचन, 2024 के दृष्टिगत सातवें एवं अंतिम चरण में निर्वाचन क्षेत्र 70 घोसी में कल होने वाले मतदान के दृष्टिगत आज कलेक्ट्रेट परिसर से समस्त 913मतदान केंद्रों के (1762) मतदेय स्थलो के लिए पोलिंग पार्टिया 4:00 बजे तक प्रस्थान कर गई। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण मिश्र ने बताया कि लोकसभा क्षेत्र घोसी में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज समस्त पोलिंग पार्टिया समय से अपने निर्धारित मतदेय स्थलों हेतु प्रस्थान कर चुकी हैं एवं कल होने वाले मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सफल भी होगी। उन्होंने जनपद के समस्त मतदाताओं से कल होने वाले मतदान प्रक्रिया में बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग करने की अपील कि जिससे निर्वाचन क्षेत्र घोसी में मतदान प्रतिशत में अपेक्षित वृद्धि हो सके।

गर्मी का प्रकोप : नवीन मंडी परिसर में कर्मचारियों की हालत खराब होने पर मचा हड़कंप

बूथों पर रवाना होने से पहले ही 22 कार्मिकों की हालत बिगड़ी

केटी न्यूज/चंदौली

जनपद में बढ़े तापमान के कारण चुनावी ड्यूटी करने आए कर्मचारियों की हालत शुक्रवार को मुख्यालय के नवीन मंडी परिसर में पोलिंग पार्टी के रवाना होने से पहले ही बिगड़ गई। कर्मचारियों की हालत खराब होने पर हड़कंप मच गया,लेकिन जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फूंडे ने हालत बिगड़ने वाले कर्मचारियों को हाल जाना और उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। इसमें 19 लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। वहीं तीन की हालत गंभीर होने पर



चिकित्सक ने वाराणसी रेफर कर दिया।

सातवें चरण का मतदान शनिवार को एक जून को जनपद में होगा। इसके लिए नवीन मंडी परिसर में चुनावी ड्यूटी करने आए कर्मचारियों को मतदान केंद्र के लिए रवाना होना था, लेकिन भीषण गर्मी होने के कारण 22 लोगों की हालत बिगड़ गई। इसके बाद अफरा तफरी का माहौल हो गया, लेकिन जिलाधिकारी ने सभी कर्मचारियों को उपचार के लिए पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां 19 कर्मचारियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं तीन की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने वाराणसी रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में बिजनौर के देवेंद्र 31, बिहार के सुबोध 38, गया के योगेंद्र 50, चकिया के राजेश तिवारी 61, रोहनिया के जावेद खान 47, पहाड़िया के सुशील कुमार 35, बिजनौर के वीरेंद्र शाक्य 60, मऊ के राज नारायण 58, वाराणसी के अविनाश 42, जौनपुर के रिजवान 38, मऊ के रामनारायन 58,चंदौली कैलाशपुरी के अनीता 40, अपर्णा तिवारी 45, गाजीपुर की सावित्री 55, झांसी की बाला बिंद 55,चंदौली के सराहु 62, मुगलसराय के मनीष 41, चंदौली महादेव प्रसाद, शिवपुर के अश्वनी 59 वर्ष शामिल है। वही चंदौली के सोनइडीह कौशल तिवारी 45, रवि नगर के इंद्रजीत 38 और वाराणसी के शिवकुमार दुबे 40 वर्ष को वाराणसी रेफर कर दिया गया।चिकित्सक डा. संजय कुमार ने कहा कि 19 कर्मचारियों का इलाज चल रहा है और तीन को वाराणसी रेफर कर दिया गया है।

पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

केटी न्यूज / गाजीपुर

लोकसभा सामान्य निर्वाचन - 2024 को सकुशल व निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने पोलिंग पार्टी रवानगी स्थले का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर कार्यो से अवगत होते हुए मतदान सामाग्री वितरण प्रणाली की जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आज 373-जखनियां (अजा) हेतु, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), 374-सैदपुर (अजा) के लिए पीजी कालेज गोराबाजार, 375-गाजीपुर, न्यू स्टेडियम ग्राउंड (आरटीआई), 376- जंगीपुर हेतु न्यू स्टेडियम ग्राउंड (आरटीआई), 377-जहूराबाद हेतु , स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, 378-मोहम्मदाबाद हेतु, रामलीला मैदान, लंका, एवं` 379-जमानियां हेतु, राजकीय पालिटेक्निक कालेज` का स्थलीय निरीक्षण किया।

01 जून को सातवे एवं अंतिम चरण का मतदान होना है। मतदान प्रातः 07 बजे से सायं 06 बजे तक होगा। इस हेतु आज जनपद के विभिन्न स्थानों से विधान सभावार पोलिंग पार्टियो की रवानगी हो रही है। पूर्वान्ह 10 बजे तक लगभग 50 प्रतिशत पीठासीन अपनी-अपनी मतदान समाग्रियो प्राप्त कर अपना हस्ताक्षण कर चुके है। उन्होने बताया कि मतदान कराये जाने हेतु लगभग 12900 मतदान कार्मिको को लगाया गया साथ ही रिजर्व कार्मिको को भी रखा गया है। सुरक्षा के दृष्टिगत पैरामिलिट्री व अन्य जिलो से आयी हुई स्टेट पुलिस की तैनाती की गयी है जिनकी ड्यूटी रवानगी स्थल पर ही चस्पा है वही से अपने-अपने टीम के साथ ड्यूटी स्थलो पर प्रस्थान करेगे। सभी सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट अपने-अपने सेक्टर /जोन से सम्बन्धित पोलिंग पार्टियां की रवानगी करायेगें। सभी क्रिटिकल बूथो पर सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम है 1472 ऐसे बूथ है जहां वेबकाटिंग कराया जायेगा, इन बूथो पर मतदान निर्वाचन आयोग की निगरानी होगा। उन्होने बताया कि मौसम बेहद गर्म है इस हेतु डिस्पैच सेंटरों पर पेयजल एवं ओआरएस की पर्याप्त उपलब्धता है तथा गर्मी से बचाव के लिए कार्मिकों प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षित भी किया गया है रवानगी स्थलो पर मेडिकल टीम भी एक्टिव मोड पर है।

वाराणसी सहित चंदौली, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज (सोनभद्र), घोसी (मऊ), और सलेमपुर में आज मतदान

महापर्व : बूथों पर रवाना हुई पोलिंग पार्टियां कड़ी सुरक्षा के बीच अंतिम चरण के वोट देंगे लोग

- 19,97,577 वोटर करेगें मोदी के भाग्य का फैसला
- गमछा, टोपी और दुपट्टे का सहारा लेकर कर्मचारी धूप से बचते दिखे

केटी न्यूज/वाराणसी

लोकसभा चुनाव को लेकर वाराणसी सहित चंदौली, मिजार्पुर, रॉबर्ट्सगंज (सोनभद्र), घोसी (मऊ), और सलेमपुर में तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। शुक्रवार को इन जिलों के लिए सभी पोलिंग पार्टियां अपने-अपने कार्यस्थल को रवाना हो गईं। सभी जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने मतदाता कार्यस्थल और बूथों का निरीक्षण भी कर लिया। शनिवार की सुबह छह बजे से मतदान प्रक्रिया आरम्भ हो जाएगी। पोलिंग पार्टियां भीषण गर्मी और तपन वाली धूप के बीच पसीना पोछते दिखे। कई महिलाकर्मी अपने बच्चे के साथ भी आई हुईं थी। लिस्ट की मिलान के बाद सभी कर्मचारी अपने-अपने बूथों के लिए रवाना हो जाएंगे। मतदान स्थल पर कई महिला कर्मचारी अपने बच्चे के साथ पहुंची। भीषण गर्मी वे पंखे की हवा से राहत पाने की कोशिश की रही थीं। मतदान स्थल पर कर्मचारियों ने लिस्ट में अपना-अपना नाम खोजा। नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की गई। धूप और भीषण गर्मी में पसीना पोछते मतदान स्थल पर पहुंचे कर्मचारी। महिला कर्मियों की भी रही उपस्थिति। गमछा, टोपी और दुपट्टे का सहारा लेकर कर्मचारी धूप से बचते दिखे। स्थलों पर कूलर आदि की भी व्यवस्था की गई थी। मतदान केंद्रों पर विशेष सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी और पुलिस प्रशासन के लोग काफी सजग रहे। सभी कर्मियों की जांच के बाद ही अंदर प्रवेश दिया जा रहा था। मतदान केंद्रों पर धूप से बचने के लिए कर्मचारी छांव देखकर वहीं ठहर जा रहे थे। बुजुर्ग कर्मियों के साथ युवा भी दिखे। मतदान के लिए जिन लोगों की ड्यूटी पहली बार लगी थी, वे सीनियर से सलाह ले रहे थे।







820 मॉर्डन बूथ रिकार्ड मतदान कराने के लिए घर-घर जाएगी बुलावा टोली

केटी न्यूज/वाराणसी

वाराणसी में एक जून को होने वाले मतदान के लिए जिले में 820 मॉडल बूथ बनाए गए हैं। इनमें नगर निगम ने 12 और वीडीए ने 10 बूथ बनाया है। इनके अलावा अन्य विभाग भी मॉडल बूथ तैयार कर रहे हैं। इन बूथ के एंट्री पॉइंट पर भव्य गेट बनेगा। मतदान स्थल पर सेल्फी पॉइंट, पीने के लिए पानी का मटका, डस्टबिन, नींबू-पानी आदि व्यवस्थाएं होंगी। वाराणसी में वोटिंग प्रतिशत को बढ़ने के लिए बुलावा टोली गठित की गई है। हर टोली में 10 लोग रहेंगे। एक टोली बनायी गई है जो क्षेत्रवार घूम-घूम कर लोगों को मतदान करने के लिए बुलाएगा। लोगों को बताया जा रहा कि आप लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपने राष्ट्र धर्म को निभाएं। सीडीओ हिमांशु नागपाल ने बताया कि वाराणसी में इस बार कुल 19,97,577 वोटर हैं। जिसमें महिलाओं की संख्या 9,13,692 है और पुरुषों की 10,83,750 है। वहीं फर्स्ट टाइम वोटर 37,226 है। शहर में कुल मतदेय स्थल 1909 और मतदान केंद्रों की संख्या 660 है। चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए 127 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 18 जोनल मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। शहर में इस बार 100 वर्ष से अधिक उम्र वाले मतदाता की संख्या 67 है।

मॉडल मतदान केंद्रों पर होगी बेहतर व्यवस्था



लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिला प्रशासन ने 26 माध्यमिक और 120 बेसिक स्कूलों को मॉडल मतदान केंद्र के रूप में चुना गया है। मॉडल मतदान केंद्रों को अंतिम रूप दिया जा रहा हैं। मॉडल मतदान केंद्रों पर टेंट लगाने के साथ ही बिजली लाइन, पंखा, बल्ब आदि को चेक कर दुरुस्त किया गया। मॉडल मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए खास इंतजाम करने का निर्देश दिया गया है।

नगर आयुक्त ने किया वृहद पोलिंग बूथों का निरीक्षण

नगर आयुक्त ने नगर निगम के द्वारा बूथों पर एएमएफ के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यो का निरीक्षण किया। प्रॉपर टेंट की व्यवस्था, कुर्सी टेबल की व्यवस्था कलर एवं पंखे की व्यवस्था प्रॉपर रैंप बने हुए हैं कि नहीं लोगों को पीने की पानी की व्यवस्था हेतु कैम्फर लगाए जाने शौचालय की समय.समय पर सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए गए।

नगर निगम मॉडल बूथ के बाहर बिछाएगा रेड कार्पेट

नगर निगम के द्वारा बारह बूथों को माडल बूथ बनाया जा रहा है, जहां पर मुख्य रूप से सभी सुविधायें उपलब्ध होंगी, जिसमें धूप से बचाव के लिए शेड बनाया गया है, रेड कार्पेट बिछाया जा रहा है। आकर्षक गेट लगाया गया है।

एक जून को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

केटी न्यूज/ सोनभद्र

सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीट पर 1 जून को मतदान होना है। मतदान के लिए सोनभद्र के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज लोढ़ी से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जा रहा है। इस दौरान राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज लोढ़ी में बनाए गए शिविर से मतदान कार्मिकों को मतदान सामग्री इत्यादि प्रदान की गई। जिसे लेकर वह मतदान केंद्रों की तरफ रवाना हो रहे है। इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह भी मौजूद रहे। जिन्होंने पोलिंग पार्टियों के रवाना स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र विजय सिंह ने बताया कि पूरे जिले में 17 लाख से भी अधिक मतदाता हैं। जिनके लिए 1514 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी के लिए केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियों रवाना की जा रही हैं। सभी को मतदान सामग्री प्रदान की गई है। इसके अलावा छाया और पानी का इंतजाम किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से उन्हें सामग्री और दवाइयां प्रदान की गई हैं। जिससे मतदान कार्मिकों को सुविधा रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि दुद्धी विधानसभा के लिए उपचुनाव भी होना है। इसके लिए मतदान कार्यक्रम को अलग से सामग्री प्रदान की जा रही है।



एक नजर

संदिग्ध परिस्थितियों में दो सिक्योरिटी गार्ड की मौत

सोनभद्र। सोनभद्र के अनपरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो सुरक्षाकर्मियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों एक ही कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत थे। दोनों अलग अलग स्थानों पर तैनात थे। प्रथम पाली की ड्यूटी करने के पश्चात घर जाने के लिए निकले थे। तभी रास्ते में ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ऊर्जा ताप निजी कंपनी में तैनात जयराम यादव पुत्र इंद्रदेव यादव अनपरा डिबुलगंज में किराये के मकान में रहते थे। अनपरा क्षेत्र की एक निजी कंपनी में सुरक्षाकर्मी के पथ पर तैनात थे। बताया जा रहा ड्यूटी से घर अपने कमरे पर जाने के दौरान वह गश्त खाकर गिरने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ड्यूटी कर अपने घर जा रहा था। कमरे के पास डिबुलगंज में दूकान के समीप लगे हैंडपंप से पानी पीकर बंद दुकान के सामने धूप से बचने के लिए रुका और गिर पड़ा। जब स्थानीय लोगों ने देखा तो सोचा नशे में हो सकता है। घंटों बाद भी नहीं उठा तो लोग उठाने गए। इस दौरान देखा तो उसका शरीर अक-ड़ गया था।

मतदान को लेकर आज बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए प्रशासन ने किया बदलाव

वाराणसी । वाराणसी में लोकसभा चुनाव की तैयारियां लगभग पूर्ण हो गई हैं। आमजन की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कई तरह के बदलाव भी किए गए है। इस बीच काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन की ओर से बाबा के दर्शन को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किया गया है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, लोकसभा चुनाव के अंतर्गत शनिवार को श्रीकाशी विश्वनाथ धाम स्थित गेट नंबर एक (ढूंढीराज गणेश) एवं गेट नंबर दो (सरस्वती द्वार) पर मतदान बूथ होने के कारण प्रवेश बंद रहेगा। बताया गया है कि उपरोक्त के दृष्टिगत मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने हेतु गेट नंबर चार का प्रयोग किया जाए।

दीपदान कर मतदान की अपील, लोगों को वोट देने की दिलाई शपथ

मिर्जापुर। मिर्जापुर के नारायणपुर विकास खंड में घाट किनारे कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। वहीं लोगों से वोट डालने की अपील की गई। साहित्य संत घाट किला के पास गंगा तट पर लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने की अपील की गई। दीप दान कर मतदाता करने के लिए जागरूक किया। खंड विकास अधिकारी ने लोगों से कहा कि मतदान हमारा अधिकार है। हम सभी को इसमें हिस्सा लेना चाहिए। लोगों को वोट देने की शपथ दिलाई। समूह की महिलाओं, ग्राम रोजगार सेवक एवं कार्यालय स्टाफ आदि ने गंगा तट पर दीपदान कर मतदान के लिए प्रेरित किया। इस दौरान समूह की महिलाओं को उपस्थित लोगों ने स्लोगन के माध्यम से कहा कि सारे काम छोड़ दो पहले वोट दो। इस दौरान श्यामु यादव लेखाकर, पंकज वर्मा, बिरजू, सुरेंद्र, आशीष, चंदन, शिवानंद, छोटे लाल, बाबू नंदन सिंह, रामप्रताप सिंह, जुगनू संतोष, संतोष राम आदि मौजूद रहे।

दामाद ने सोते समय रेता ससुर का गला, मौत

आजमगढ़ । आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र के उदियावां गांव में एक दामाद ने अपने साथियों के साथ मिलकर ससुर की गला काटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद वह मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उदियावां गांव निवासी उदयराज राजभर (55) बीती रात में अपने नाती के साथ सो रहे थे। रात लगभग 11.30 बजे उनका दामाद महेंद्र राजभर भुईली की तरफ से आया। उसने अपने चार साथियों के साथ मिलकर पहले उनका मुंह दबाया फिर गला रेत दिया। बगल में सो रहे नाती पर जब खून के छींटे पड़े तो उसकी नींद खुल गई और वह शोर मचाते हुए घर के अंदर भागा। उसने कहा कि मौसा ने नाना को मार दिया। तभी हत्यारे भुईली गांव की तरफ भाग लिए। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई और रात में ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुबह उदयराज के भाई धर्मराज ने दामाद महेंद्र ग्राम कोहडे. थाना पवई के खिलाफ तहरीर बरदह थाना में दिया। अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस छानबीन में लगी है।

करंट की चपेट में आने से बालिका की मौत

सोनभद्र। अमवार चौकी क्षेत्र के गोहड़ा गांव में बिजली करंट की चपेट में आने से बालिका की मौत हो गई। बोर्ड से चार्जर निकालते समय वह करंट की चपेट में आई। अमवार चौकी इंचार्ज मनोज सिंह ने बताया कि सुनीता कुमारी (13) पुत्री प्रेम निवासी गोहड़ अपने घर में बुधवार की देर रात करीब 9 बजे बिजली के बोर्ड से चार्जर निकालने गई थी। बोर्ड में नंगा तार होने की वजह से वह करंट की चपेट में आ गई। इससे उसकी मौत हो गई। घटना से घरवालों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हलाला के नाम पर मुस्लिम महिला का दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

केटी न्यूज/जौनपुर

नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के उमर खां बड़ी मस्जिद एक व्यक्ति ने पहले अपनी पत्नी को तीन बार तलाक दिया फिर अपने भाई से हलाला के नाम पर दुष्कर्म करवाया। केंद्र सरकार भले ही मुस्लिम महिलाओं के लिए कानून बना दिया है। लेकिन अभी भी मुस्लिम समाज के कुछ लोग महिलाओं का शोषण वह उनका उत्पीड़न करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

ऐसी ही एक घटना नगर के मोहल्ला उमर खां बड़ी मस्जिद के पास की प्रकाश में आई है। जिसमें शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा का रवैया सख्त होते हुए कड़ी कार्रवाई की गई है। आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र नूरपुर गांव की रहने वाली की पुत्री की शादी मुस्लिम रीति रिवाज से अबूहुरैरा उर्फ फैसल पुत्र रियासुद्दीन के साथ 24 अप्रैल 2024 को हुई थी। शादी में विदाई के समय उपहार स्वरूप सामान व नगदी दिया गया था। मायके से मिले हुए सामानों से ससुराल के लोग संतुष्ट नहीं थें। सास चंदा नंद शमा जेठानी राबिया जेठ सद्दाम और देवरा मुसलीन व पति अबूहुरैरा द्वारा दहेज न मिलने पर उसे तीन बार तलाक तलाक तलाक कर-के तलाक दे दिया। इस बात पर आसपास व रिश्तेदारों के समझने के बाद भी ससुराल के लोग तरह-तरह से षड्यंत्र करके हलाला कराने दबाव बनाने लगें। इसी बीच ससुराल के लोगों ने साजिश करके देवर मुरस्लीन से मेरी इच्छा के विरूद्ध जबरदस्ती हलाला के नाम पर मेरा दुष्कर्म कराया।





आईएफडब्लूज के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित, बोले वक्ता

चुनौतियों को दरकिनार कर सिंह गर्जना की तरह चलती रहेगी कलम

- हिन्दी पत्रकारिता कल भी समृद्ध थी आज भी समृद्ध है और आगे भी समृद्ध रहेगी प्रो डॉ. मनोज मिश्र

केटी न्यूज/जौनपुर

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन सम्बद्ध (आईएफडब्लूजे)के तत्वावधान में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पत्रकार भवन/सामुदायिक सभागार में 30 मई हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर हिंदी पत्रकारिता की वर्तमान चुनौतियां, विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोक सेवा आयोग के सदस्य और बीएचयू के प्रोफेसर डॉ. आरएन त्रिपाठी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप मे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डॉ मनोज मिश्र मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुटीर महाविद्यालय चक्के के पूर्व प्राचार्य प्रो डा रमेश मणि त्रिपाठी ने किया। संचालन यूनियन के अध्यक्ष विजय प्रकाश मिश्र ने किया उन्होंने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके पूर्व अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष रमेश मणि त्रिपाठी मुख्य अतिथि प्रोफेसर आरएन त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि डॉक्टर मनोज मिश्रा को अंगवस्त्रम और प्रतीक चिन्ह संस्था की ओर से प्रदान करके सम्मानित किया गया। हिंदी पत्रकारिता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि पत्रकारों की कलम सिंह गर्जना की तरह चलती रहेगी तो कोई भी चुनौती सामने नहीं टिकेगी चुनौतियों का तापमान संवेदनशील पत्रकारिता का मुकाबला नहीं कर सकता संवेदनशील लेखनी ही हर परिस्थिति में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है उन्होंने कहा कि जेहन में शीघ्र समाने वाले शब्द ही समाज में स्वीकार्य है। गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे पत्रकारों ने स्वाधीनता आंदोलन में अपना अमिट योगदान दिया और समाज में अपने युग धर्म और अपनी जीवंतता साबित किया, भारत की आत्मा हिंदी में बसती है। यह ध्रुव सत्य है।



विशिष्ट अतिथि प्रो डॉ. मनोज मिश्र ने कहा कि आजादी की लड़ाई में बलिदान देने वालों में अधिकांश पत्रकार थे उन्होंने अपनी सार्थकता और जीवंतता साबित किया हिंदी पत्रकारिता के समक्ष पहले भी चुनौती थी और आज भी चुनौती हैं और आगे भी रहेंगी इससे घबराना नहीं है। हम पहले भी समृद्ध थे आज भी हैं आगे भी रहेंगे हिंदी पत्रकारिता का कोई विकल्प नहीं है। कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व प्राचार्य प्रो डां रमेश मणि त्रिपाठी ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि लगभग 200 साल बाद भी देश के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तंड और पंडित जुगुल किशोर शुक्ला की चर्चा परिचर्चा के साथ 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाना यह साबित करता है कि हिंदी पत्रकारिता के सामने कोई चुनौती नहीं टिकेगी भविष्य उज्जवल है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में लड़ने से निखार आता है। हिंदी पढ़ने वाले पूरी दुनिया में है।

समारोह को यूनियन के उपाध्यक्ष संपादक आदर्श कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि पंडित जुगुल किशोर शुक्ल ने उदंत मार्तंड के माध्यम से जो अलख हिंदी पत्रकारिता की जलाई वह 198 वर्ष बाद भी जाज्वल्यमान है। चुनौतियां ही आगे बढ़ाने में प्रेरणा देती हैं यही हमारा संबल है।

सुभाषितम्

अगर हम विफलता से शिक्षा प्राप्त करते हैं तो वह सफलता ही है। मैल्कम फोर्ब्स

नये एवं विकसित भारत की बड़ी बाधा है भ्रष्टाचार

- ललित गर्ग



लोकसभा के पांचवें चरण के चुनाव होने शेष रहे हैं, सबकी नजरें चुनाव परिणामों पर लगी हैं। ये चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि नये भारत, विकसित भारत एवं समृद्ध भारत की तस्वीर कब कहां होगी। भ्रष्टाचार एवं उससे उपजे हादसों ने चुनाव के दौरान ही ऐसे वीभत्स दृश्य उपस्थित किये, जो चुनावी मुद्दा न बनना एवं राजनेताओं के बीच इसकी चर्चा न होना, दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि हमारी सत्ता-नीति अभी भी विकसित भारत के सपने को आकार देने के लिये तैयार नहीं दिख रही है। पुणे पोर्श कार एक्सीडेंट ने भ्रष्टाचार की इतनी पर्तें खोली हैं कि उसमें न्यायालय, पुलिस, राजनेता, डाक्टर सभी अपना जमीर खोते हुए दिखाई दिये हैं। इसी तरह राजकोट एवं दिल्ली की अग्निकांडों ने प्रशासन एवं व्यवसाय में पसरे भ्रष्टाचार की काली पर्तों को उजागर किया है। इस तरह अग्निकांड हो चाहे होटल, गेम जोन या मॉल, सुरक्षा इंतजामों, प्रशासनिक जिम्मेदारी एवं ईमानदारी की खुलकर धज्जियां उड़ती रहेंगी या पुणे की तरह सब बिकते रहेंगे तो विकसित भारत का सपना कैसे आकार लेगा? एक धनी करोड़ी पिता ने अपने बेटे के अपराध पर पर्दा डालने एवं उसे बचाने के लिये किसको नहीं खरीदा। कैसे जनता की रक्षा होगी एवं उसे न्याय मिलेगा, जब सब बिकने के लिये तैयार बैठे हैं। बेबी केयर अस्पताल हो या राजकोट का गेम जोन का हादसा- किसी की जान की कीमत कागज के चंद टुकड़े कैसे हो सकती है? न्यायालय भी ऐसे मामलों में संज्ञान लेकर शुरुआत तो करता है, लेकिन वह शुरुआत अंजाम तक नहीं पहुंच पाती। हादसे की आंच ठंडी पड़ी नहीं कि मिलीभगत का खेल फिर शुरू हो जाता है। संबंधित अधिकारी भी आंख मूंदकर सो जाते हैं और फिर किसी हादसे के बाद ही उनकी कुंभकर्णी नींद खुलती है। इन ज्वलंत एवं अहं हादसों में कैसे भारत की तकदीर एवं तस्वीर बदलेगी? भ्रष्टाचार और घोटालों के इस घटाटोप मौसम में ऐसा कुछ भी कह पाना मुश्किल हो गया है, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो चुनावी जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, भ्रष्टों का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे सब कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही चुनाव, हादसे एवं भ्रष्टता के मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे चुनावों के तहत तथाकथित नेता द्वारा हजारों जुमलों में किसी समाज व्यवस्था को बहलाया जा सकता है, लेकिन पूरे सच में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का सही समय चुनाव है या ऐसे वीभत्स हादसे एवं भ्रष्टता की अंधी गलियां। भारत दुनिया का गुरु बनने एवं तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, दुनिया भारत के आध्यात्मिक अनुभवों से मोहित है और यह एक पक्की बात है कि धर्म को लेकर जैसा काम भारत में हुआ, वैसा कहीं नहीं हुआ और पिछले दशक में उसे और जीवंतता मिली। लेकिन यह एकांगी महानता है, क्योंकि दुनिया में तरक्की के पैमाने भौतिक हैं और उस मामले में भारत की ताकत सदियों पहले खत्म हो गई थी, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्यात्म के साथ उसी भौतिक ताकत को बढ़ा रहे हैं। जहां तक ईमानदारी, निष्ठा और सत्य जैसे मूल्यों का सवाल है, वे कितने हमारी जिंदगी में हैं इसका पता करप्शन के आंकड़ों एवं बार-बार होने वाले हादसों से लग जाता है। हाल के सालों में जानकारी और मीडिया ने यह बात फैला दी है कि भारतीय इसलिए दुनिया में अनूठे हैं कि वे कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन हमारे देश में ऐसे राजनेता हैं जो दुश्मन देशों की तरफदारी करते हुए लोगों के दिलों को जीतने की जुगाड़ में लगे हैं। ऐसे भी राजनेता हैं जो भ्रष्टाचार मुक्ति का नारा देते हुए कहते हैं कि आप हमें वोट देंगे तो हमारा जेल जाना रुक सकता है। यानी खुले आम अपने भ्रष्टाचार एवं घोटालों में भी जन-समर्थन मांग रहे हैं। स्वार्थ एवं राजनीति कीचड़ के चलते एक मामूली-से दिखने वाले व्यक्ति ने अब सिलेब्रिटी स्टेटस एवं सफल राजनेता होने की गरिमा को हासिल कर लिया है, और यह है जुगाड़ एवं जनता को गुमराह करने की कला। मैसेज यह है कि जरूरत पड़ने पर हमारे राजनेता किसी भी तरह काम निकाल लेते हैं। अब इस सोच का क्या किया जाए? बात नये भारत एवं विकसित भारत की है, अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, पर उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही अन्य कहीं हो। पुणे, राजकोट और दिल्ली के मामले इकलौते ऐसे प्रकरण नहीं, जिनमें सरकारी तंत्र को जवाबदेही से दूर रखने की कोशिश की गई हो। इस तरह के मामले रह-रहकर होते ही रहते हैं और उनमें बड़ी संख्या में लोग जान गंवाते हैं अथवा घायल होते हैं, लेकिन नियामक तंत्र के उन लोगों को कभी भी कठघरे में नहीं खड़ा किया जाता, जिनकी अनदेखी और लापरवाही के चलते जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं। इसका उदाहरण है मुंबई में एक विशालकाय होर्डिंग गिरने से कई लोगों की मौत। यह विशालकाय होर्डिंग अवैध रूप से था, लेकिन किसी को इसका कुछ नहीं आ रहा था। जब यह गिर गया और उसमें कई लोगों की जान चली गई तो सरकारी तंत्र ने उससे अपना पल्ला झाड़ लिया। होर्डिंग लगाने वाला तो गिरफ्तार हो गया, इसी तरह गेम जोन एवं बेबी केयर अस्पताल के मालिक भी सलाखों के पीछे आ गये, लेकिन क्या विभाग एवं सरकार के किसी अधिकारी-कर्मचारी को गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं समझी गई। कोई नहीं जानता कि क्यों? दिल्ली के ग्यारह सौ से अधिक अस्पतालों में मात्र 190 के पास एनओसी है, यह प्रशासन तंत्र अंधेर नहीं तो क्या है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र एवं एक बड़ी आबादी वाला देश है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारी तंत्र की लापरवाही एवं भ्रष्टता से रह-रहकर हादसे होते रहें और उनमें बड़ी संख्या में लोग मारे जाते रहें। दुर्भाग्य से अपने देश में यही हो रहा है। जब कोई बड़ी घटना घट जाती है और उसमें अधिक संख्या में लोग मारे जाते हैं तो शोक संवेदनाओं का तांता लग जाता है और तत्काल कार्रवाई करने के नाम पर उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उन्हीं कारणों से वैसी ही घटना फिर सामने आती है, जैसी पहले हो चुकी होती है, इसका मतलब प्रशासन अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह ठीक से नहीं कर रहा है और व्यवसायी प्रशासन की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाते हुए मौत के सौदागर बने रहते हैं। यही कारण है कि न तो हादसे कम हो रहे हैं और न ही उनमें जान गंवाने वालों की संख्या में कमी आ रही है। हादसे दुनिया में हर कहीं होते हैं, लेकिन विकसित और विकासशील देश कम से कम उनसे सबक लेते हैं और ऐसी व्यवस्था करते हैं, जिससे बार-बार एक जैसे कारणों से हादसे न हों।

लोकसभा चुनाव 2024 रहा मोदी बनाम जनता

- रचना जैन

लोकसभा चुनाव 2024 इस मोड़ पर पहुंच जाएगा, इसका अंदेशा किसी को भी नहीं था। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नहीं जानते थे कि उन्हें जनता की इस तरह की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। चुनाव प्रचार के मुद्दों को देखें और विश्लेषण करें तो पाएंगे कि 2024 का लोकसभा चुनाव पूंजीपति बनाम समाजवाद के नाम पर लड़ा गया है। भारत की 60 फीसदी से अधिक जनता 5 किलो राशन पर गुजारा करने के लिए मजबूर है। बावजूद इसके सरकार उनका मखौल उड़ा रही है। भाजपा के नेता कहते हैं महंगाई-महंगाई कुछ नहीं है। महंगाई भी विकास का पैमाना है। जैसे विकास हो रहा है वैसे ही महंगाई भी बढ़ेगी। लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी। हकीकत में देखें तो पिछले 10 वर्षों में आमदनी तो बढ़ी नहीं, महंगाई और बेरोजगारी जरूर बढ़ गई। किसानों ने, छात्रों ने एवं अन्य लोगों ने न्याय के लिए आंदोलन किये तो उनकी सरकार ने नहीं सुनी। उल्टा उनसे यह कह दिया गया कि अमीर यदि अमीर हो रहे हैं तो सरकार क्या उन्हें गरीब बना दे। सरकार ने यह कहकर गरीबों को और भी गरीब हो रहे थे उनके घाव में नमक छिड़का। धर्म के नाम पर भारतीय जनता पार्टी और पूंजीपतियों ने उन्हें एक महामानव के रूप में पेश किया था। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पहले तो धर्म-अभिमान की बनाई गई। लगातार 10 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद प्रधानमंत्री अब स्वयंभू ईश्वर मानने जैसा व्यक्तित्व करते देखे गए हैं। इसका अहसास उन्हें भी संभवतः हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी यह भूल गई कि भूखे पेट भजन ना होय गोपाला। पिछले 10 वर्षों से धर्म के नाम पर जिस धर्म का पाठ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से किया था जो वादे इन सालों में तो पूरे नहीं हुए, वह वही जनता जिसने उन्हें सिंहासन पर बैठाया था वही सड़कों पर उनके खिलाफ खड़ी हो रही है। इंडिया गठबंधन के बैनर में सारे राज्यों में विपक्षी दलों की रैली और चुनावी सभा में जिस तरह की भीड़ उमड़ी है उससे एहसास हो रहा है कि 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी बनाम जनता के बीच आकर टिक गया है। स्वदेशी जागरण मंच के नाम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन और भाजपा के नेता वैश्विक व्यापार संधि का विरोध कर रहे थे। विदेशी निवेश के खिलाफ आंदोलन चला रहे थे। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की बात कर रहे थे। स्वदेशी जागरण मंच के पोस्टर के माध्यम से भारत में घूम-घूम कर स्वदेशी का प्रचार कर रहे थे। सुषमा स्वराज और उमा भारती जैसी तेज तर्रार महिला नेत्री सारे देश में विदेशी निवेश का विरोध कर रही थीं। उमा भारती ने तो रिटेल व्यवसाय में यदि विदेशी निवेश की अनुमति दी गई तो वह अपने हाथ कटवा लेंगी और आत्मदाह कर लेंगी, इस तरह के बयान देकर आंदोलन किया था। 2004 से 2014 के 10 साल में कांग्रेस की मनमोहन सरकार विदेशी निवेशकों को लेकर कोई निर्णय नहीं कर पाई थी, जिस कारण अमेरिका के पूंजीपतियों ने मनमोहन सिंह को हटाने के लिए कुचक्र रचा। ऐसे-ऐसे काल्पनिक आरोप लगाए गए जो 10 साल में मोदी सरकार भी प्रमाणित नहीं कर पाई। अदालत में भी आरोपियों को क्लीन चिट मिल गई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूंजीपतियों ने अपना प्रतिनिधि बनाकर प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया। प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने पहला निर्णय सभी सेक्टर में 100 फीसदी विदेशी निवेश की अनुमति देने का किया। रक्षा और मीडिया क्षेत्र को भी इससे बाहर नहीं रखा गया। मुकेश अंबानी ने मीडिया में निवेश करके पहले मीडिया पर कब्जा किया। शुरू के 5 साल में सरकार और पूंजीपतियों ने मीडिया को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया। पिछले 10 सालों में यदि किसी का भला हुआ है तो वो मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी समूह का हुआ है।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं, पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के कटोरे में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला यह खाने योग्य कहां रह जाएगा, यह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह सेवा-भाव की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

ध्यान और अंतर्ध्यान के बीच देश

- राकेश अचल



इस देश में कुछ भी हो या न हो लेकिन नौटंकी जरूर होती है। आजकल देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ध्यान को लेकर समूचा विपक्ष और हमारे जैसे दिहाड़ी लेखक विचलित हैं। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। 74 साल का एक थका-हारा आदमी दो महीने के अथक श्रम के बाद यदि ध्यानस्थ हो गया है तो ,बवाल क्यों ? लेकिन बवाल की जड़ में खुद योगी नरेंद्र दामोदर मोदी हैं ,इसलिए जो हो रहा है वो होकर रहेगा। उसे टाला नहीं जा सकता। ध्यान कोई ऐसी चीज है कि जिस पर बहस की जाये। ध्यान भारतीय तकनीक है ,प्रामाणिक है। इसके ऊपर किसी का एकाधिकार नहीं है। कोई भी,कहीं भी ध्यानमग्न हो सकता है। ध्यानमग्न होने के लिए एकाग्रता और संकल्प की जरूरत है। ध्यान के लिए चीनी योगा मेट भी नहीं चाहिये। कैमरे तो बिलकुल नहीं चाहिए। ये सब चीजें ध्यानमग्न होने में बाधक होती हैं। ध्यान एकांत चाहता है। इसलिए ध्यान चाहे आप विवेकानंद स्मारक शिला पर जाकर करें या अपने घर की छत पर ,इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क तब पड़ता है जब आप इस ध्यान को आत्मशोधन के बजाय आत्मप्रचार का जरिया बनाने की कोशिश करते हैं। ध्यान केवल मनुष्य ही नहीं करता ,पशु-पक्षी भी करते हैं। ध्यान और योग की तमाम मुद्राएं हमने पशु-पक्षियों से ही सीखी हैं। बकासन बगुलों से सीखा,मयूरासन मोरों से, भुजंगासन सर्प से ,कुक्कुटासन मुर्गों से ,मंडूक आसन मेंढकों से ,शशकासन खरगोशों से ,मत्स्य आसन मछलियों से। ऐसे अनेक आसन हैं जो मनुष्य के अपने नहीं हैं। लेकिन मनुष्य इनसे सीखता है और अहसान नहीं मानता। ध्यान में भी यही बात है। मनुष्य की तरह बकासन भी बहुत चर्चित आसन है। बकासन या बकध्यान को लेकर लोग अक्सर परेशान हो जाते हैं ,क्योंकि इस ध्यान मुद्रा में बैठकर ही बगुला मछलियों का शिकार करता है। मकरासन में भी यही होता है। मगरमच्छ अपने शिकार से पहले काठ की तरह निश्चेत पड़ा रहता है। मेरा गोत्र समाधिया है इसलिए मैं थोड़ा-बहुत समाधि के बारे में भी जानता हूँ किन्तु इस विषय पर ज्यादा कुछ कहना नहीं चाहता। योग को लेकर कांग्रेस ने फूटी कौड़ी नहीं कमाई, लेकिन उनके अनुयायी कलियुग के सुयोग बाबा रामदेव आज हजारों करोड़ रुपए के आसामी बन गए हैं। वे योगाचार्य हैं या कारोबारी तय करना कठिन है। चूंकि जनता ने योग को बिकते देखा है इसलिए शायद उसे ध्यान के घातक विनाशी परिणामों की आशंका लगी हुयी है। चुनाव के लिए होने वाले अंतिम मतदान के पहले माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर मोदी के योग का सीधा प्रसारण इसीलिए विपक्ष को खतरनाक लगता है। हर युद्ध के पहले यानि नतीजे आने के पहले योग लगाने की अनंत कहानियां हैं। देव-असुर संग्राम में भी और राम-रावण संग्राम में भी। योग युद्ध में क्षीण हुई शक्ति को दोबारा वापस लौटा देता है। योग से आप सिद्धियां भी हासिल कर सकते हैं। इसीलिए योग और तप को भंग करने की चेष्टा,कुचेष्टा की जाती रही है। मोदी जी के ध्यान से विपक्ष का ध्यान भंग हो रहा है। लेकिन विपक्ष भूल जाता है कि ध्यानस्थ मोदी जी के मन में तीसरी बार पर और 400 सीटें जीतने के अलावा कुछ और है ही नहीं। 4 जून को उनकी इस अभीष्ट इच्छा पर जनादेश की मुहर लगना है। विपक्ष को भी जनादेश चाहिए। बेहतर हो कि विपक्ष के नेता भी देश के अलग-अलग हिस्सों में बैठकर मोदी जी की तरह ही ढोंग करते। यदि ढोंग से जनादेश प्रभावित हो सकते हैं तो विपक्ष को भी नहीं चूकना चाहिए। विपक्ष भूल जाता है कि मोदी जी अविनाशी हैं,गंगापुत्र हैं। ब्रम्हपुत्र हैं। वे ध्यान भी लगा सकते हैं और जब चाहें तब अंतर्ध्यान भी हो सकते हैं। वे नहीं मानते मैं साधक हैं। उन्होंने अपनी साधना को कभी पर्दे में नहीं रखा। उन्होंने कैमरे लगाकर देश और दुनिया को हमेशा दिखाया है। किसी राष्ट्र सेवक के जीवन में इतनी पारदर्शिता आपने और किसी देश में देखी है। गनीमत ये है कि माननीय ने हिमालय की अपनी गुफाओं से सीधे प्रसारण की अनुमति का अधिकार किसी को अब तक नहीं दिया। अन्यथा आप भी सब देख सकते थे जो असम्भव है। कोई माने या न माने लेकिन मैं माननीय मोदी जी को चमत्कारी मानता हूँ। वे सुख में ,दुःख में हमेशा विचलित रहते हैं। वे दिल्ली में विधानसभा चुनाव हारें या तेलंगाना में ,बंगाल में हारें या ओडिशा में ,बिहार में हारें या झारखण्ड में कभी उखिन नजर नहीं आये। वे अटल जी की कविता - हार में क्या जीत में ,किंचित नहीं भयभीत मैं के सिद्धांत पर चलते दिखाई देते हैं। वे सत्ता पाने के लिए ऑपरेशन लोटस या ऑपरेशन झाड़ू चला लेते हैं। वे रोजाना दो किलो गालियां खाकर बीतते हैं। गालियां न मिलें तो मुमकिन है कि वे बीमार हो जाएँ। आपको बता दूँ कि ध्यान के बाद अगला चरण अंतर्ध्यान होने का होता है। देश को ये नजारा देखना है तो 4 जून की तारीख पर नजर रखना होगी। मुमकिन है कि मोदी जी या तो खुद अंतर्ध्यान हो जाएँ और ये भी मुमकिन है कि अपने विरोधियों को ही अंतर्ध्यान करा दें। जानि न जाये मोदी जी की माया। मोदी जी को जादूगर भी कहा जा सकता है, क्योंकि ध्यान से अंतर्ध्यान होने की कला केवल सुरों के और असुरों के पास ही नहीं हमारे मोदी जी के पास भी है।

ओजोन परत क्षय के कारण भीषण गर्मी

- राजेश गोस्वामी

ओजोन परत समुद्र तल से 60 किमी. की ऊंचाई तक विरल सांद्रता वाली पर्तों में पाई जाती है। ओजोन गैस उस वायुमण्डल में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाती है ! ओजोन लेयर ऑक्सीजन गैस का ही एक रूप होता है ! जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु एक साथ जुड़ जाते हैं तो वे ओजोन का निर्माण करते हैं ! वायुमण्डल में ओजोन गैस का एक छाता सा आवरण पाया जाता है जिसे ओजोन परत या ओजोन मण्डल कह सकते हैं। वायुमण्डल की ऊंचाई 16 से 29 किलोमीटर तक मानी जाती है। तापक्रम तथा वायुमण्डल के कारण वायुमण्डल का परिवर्तन मण्डल, ओजोन मंडल, समताप मण्डल तथा बाह्य मण्डल उत्तरोत्तर विभाजन किया गया है। इसमें प्रमुख है ओजोन परत मण्डल जो ओजोन परत के नाम से जाना जाता है। यह परत पृथ्वी के धरातल से 20-30 किमी. की ऊंचाई पर यह ओजोन परत ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर बनती है। यह परत वायुमण्डल में बहुत कम है जिसका प्रतिशत मात्र 0.002 है। यह परत धरती के निकट होती तो इससे मानव के शरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ता जिससे मनुष्य अनेक रोगों से पीड़ित हो जाता। जहां यह परत धरती के निकट रहने से यह जीव जंतु आदमी सभी के लिए हानिकारक है, वहीं यह परत वायुमण्डल में ऊपर होने से मनुष्यों के लिए लाभदायक है। सूरज से निकलने वाली सबसे हानिकारक गैस है पैराबैंगनी किरण ! पैराबैंगनी किरणें न ही सिर्फ मनुष्य बल्कि जीव जंतुओं और वनस्पतियों के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। सूरज की नुकसानदेह किरणों से बचाने वाली हमारी जीवन रक्षक परत ओजोन बेहद पतली हो चुकी है। सूर्य की पराबैंगनी किरणों से धरती को बचाने वाली ओजोन परत में छेद हो चुका है, जब आर्कटिक के ऊपर ओजोन परत में इतना विशाल छिद्र देखा गया है, वैज्ञानिकों को कई तरह की चिंताएं सता रही हैं. ओजोन परत का अध्ययन करने वाले जेट प्रोपल्सन लैबोरेटरी कैलीफोर्निया के वैज्ञानिकों ने ताजा रिपोर्ट तैयार की है. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के सैटेलाइट्स से मिली तस्वीरों के आधार पर रिपोर्ट कहती है कि ओजोन परत पर उत्तरी अमेरिका के आकार जितना बड़ा छेद हो चुका है. इसका आकार 2.5 वर्ग किलोमीटर आंका गया है. वैज्ञानिक 1980 से ओजोन परत में हो रहे छिद्र का अध्ययन कर रहे हैं. हर साल ग्लोब के सबसे निचले हिस्से अंटार्कटिका में जाकर ओजोन परत पर नजर रखी जा रही है. रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों को आशंका है कि ओजोन परत का छेद फैलकर दक्षिणी अमेरिका तक पहुंच सकता है और भीषण गर्मी का कारण भी ओजोन लेयर में छेद होना है जी 20 शिखर सम्मेलन में इस पर चर्चा तो हुई लेकिन उसके उपाय नहीं ढूंढे गए। गर्मी से आलम ये कि सिर्फ राजधानी ही नहीं सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है जब हिमाचल जैसी ठंडी जगहों में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया तो चिंता का विषय है आखिर कहां जाएं गर्मी में दिल्ली का तापमान तो 52 डिग्री के पार चला गया बिहार के औरंगाबाद में हीट वेव से 17 लोगों की मौत हो गई वहीं बुधवार को भीषण गर्मी के कारण अलग-अलग स्कूलों में शिक्षक और बच्चे समेत 337 लोग बीमार पड़ गए थे। गुरुवार को 14 लोगों की मौत हो गई थी रोहतास और बेगूसराय जिलों में सर्वाधिक लू से आठ लोगों की मौत की खबर है।

आज का राशिफल

मेष – समस्याओं से भरा हो सकता है। आज ऑफिस में कई अधिकारियों से अनबन [illegible]

तुला – आज करियर और [illegible] में वृद्धि [illegible] और आर्थिक स्थिति में वृद्धि होगी।

वृषभ – यदि आप एक [illegible] जाते हैं तो आज [illegible] जीवन [illegible] पड़ेगा।

वृश्चिक – दिन आपके लिए [illegible] आज का दिन [illegible] स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन – आज आप थके से रह सकते हैं और आपको कोई नुकसान [illegible] की संभावना है।

धनु – आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपको [illegible] और भाग्य साथ देगा।

कर्क – किसी भी विरोधी को नजरअंदाज करें और शांत न रहें अपना काम कर पूरा करें।

मकर – [illegible] हो सकते हैं। आज ऑफिस में अधिकारियों से अनबन हो सकती है।

सिंह – [illegible] में नए अवसर [illegible] हुए होंगे। आज आप विचार [illegible]।

कुंभ – आज आपका दिन [illegible] आज चंद्रमा के शुभ प्रभाव से मानसिक शांति मिलेगी।

कन्या – आज आपको सफलता [illegible] आर्थिक [illegible] कार्य में भाग लेंगे।

मीन – आज सभी काम [illegible] आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा।

विशेष

नीतीश से एक नहीं संभल रहा, राबड़ी ने कहा मेरे सभी बच्चे अच्छे

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा, नीतीश कुमार एक बच्चे को नहीं संभाल पा रहे हैं। मेरे सभी बच्चे अच्छे हैं, सभी अच्छा कर रहे हैं। बिहार की राजनीति में इन दिनों लालू प्रसाद यादव के लड़के और लड़की लोकसभा के चुनाव मैदान में हैं। परिवारवाद को लेकर उन पर लगातार हमला किया जा रहा है। इसका जवाब अब राबड़ी देवी ने दिया है। उल्लेखनीय है, राबड़ी देवी के बच्चों की संख्या को लेकर बिहार और देश की राजनीति में हमेशा उनके ऊपर तंज कसा जाता है। इसका जवाब उन्होंने अब परिवारवाद से जोड़कर दे दिया है।

कभी भी ढह सकता है, शेयर बाजार

4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम आने हैं। परिणाम को लेकर जिस तरीके की अटकलों का दौर चल रहा है। उसको लेकर कहा जा रहा है, शेयर बाजार कभी भी ढह सकता है। चुनाव के पहले विदेशी निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकाल कर भाग रहे हैं। शेयर बाजार को थामने के लिए सरकार और देशी निवेशक पुरजोर लगा रहे हैं। इसके बाद भी पिछले 5 दिन से लगातार शेयर बाजार की गिरावट जारी है। यह कहा जा रहा है, मोदी सरकार को बहुमत मिलने वाला नहीं है। जिसके कारण विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। ऐसी स्थिति में लगभग 15 फीसदी की गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है। चुनाव परिणामों को लेकर यदि सबसे ज्यादा कोई चिंता में है, तो वह शेयर बाजार के निवेशक हैं।

कार्टून कोना

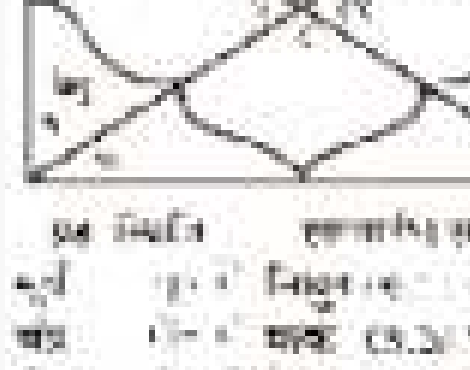


आज का इतिहास

1869: अमेरिका के 15 वें राष्ट्रपति जेम्स बुकानन का निधन हुआ. 1874: ईस्ट इंडिया कंपनी भंग कर दी गई. 1930: मुम्बई वीटी और पुणे के बीच पहली डीलक्स ट्रेन चली. 1932: [illegible] के राष्ट्रपति बने. 1964: भारत के बाहर [illegible] आरम्भ. 1970: [illegible] अधिनियम लागू हुआ. 1973: [illegible] ने तानाशाही समाप्त कर दी. 1989: प्रसिद्ध उद्योगपति [illegible] का निधन. 1996: [illegible] का निधन. 1996: [illegible] की राजधानी. 2004: [illegible] कोर्ट के [illegible] को 46 करोड़ रुपये [illegible] पर दिया जाने [illegible]. 2002: पाकिस्तान [illegible] सिंह को आई. एस. आई. ने अपना [illegible] की.

दैनिक पंचांग

01 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारम्भ समय	
सूर्य	[illegible]	मिथुन	[illegible]
चंद्र	[illegible]	कर्क	09.30 [illegible]
मंगल	[illegible]	सिंह	10.42 [illegible]
बुध	[illegible]	कन्या	12.54 [illegible]
गुरु	[illegible]	तुला	15.04 [illegible]
शुक्र	[illegible]	वृश्चिक	[illegible]
शनि	[illegible]	धनु	19.25 [illegible]
राहु	[illegible]	मकर	21.46 [illegible]
केतु	कन्या में	कुंभ	[illegible]
		मीन	[illegible]
		मेष	[illegible]
		वृष	[illegible]

राहुकाल [illegible] 12.30 बजे तक

विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946 [illegible]

शनि क्रांति [illegible] 22°28'

कलियुग संवत [illegible]

सृष्टि प्रारंभ संवत् [illegible]

वीरनिर्वाण संवत् 2550

हिजरी सन् 1445

महीना [illegible] तारीख 23

दिन का चौघड़िया: [illegible]

रात का चौघड़िया: [illegible]

[illegible]



कई मायनों में बेहद शुभ है शनि जयंती, ऐसे करें रवि पुत्र को प्रसन्न

शनि जयंती के दिन श्रद्धापूर्वक शनि की पूजा होती है। उन्हें तेल और उड़द जैसी चीजों का दान भी किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि उनकी पूजा करने से जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही कुंडली से अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त होता है, जो परिणाम उन्हें प्रसन्न करने के लिए कुछ ज्योतिष उपाय जानते हैं –

हिंदू धर्म में शनि देव की पूजा बहुत शुभ मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, उनकी पूजा करने से अशुभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में अन्याय का सामना नहीं करना पड़ता है। वे कर्मों के आधार पर सभी के साथ न्याय करते हैं, इसलिए उन्हें कर्मफल दाता भी कहा जाता है। शनि जयंती के दिन श्रद्धापूर्वक शनि की पूजा का विशेष महत्व है। इस बार शनि जयंती 6 जून, 2024 को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है, जो लोग इस दिन व्रत के साथ शनि पूजा की पूजा करते हैं उन्हें मनवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

शनि जयंती क्यों है इस बार खास?

शनि जयंती इस साल 6 जून को मनाई जा रही है। इस दिन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पड़ रही है। इस दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा इसी दिन वट सावित्री का पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में इन विशेष तिथि योग का एक साथ पड़ना बेहद ही शुभ संयोग माना जा रहा है, जिसके फलते शनि जयंती इस बार अपने आप में बेहद खास होने वाली है।

शनिदेव की ऐसे प्राप्त करें कृपा

ऐसी मान्यता है कि श्रावण शनि देव का जन्म इसी दिन और सर्वार्थ सिद्धि योग में ही हुआ था। ऐसे में शनि जयंती न्याय के देवता के जन्म का प्रतीक मानी जाती है। सुबह उठकर स्नान के बाद श्रावण शनि देव की विधि अनुसार पूजा करें। पीपल के वृक्ष पर जल जरूर चढ़ाएं।

इसके साथ ही शाम के समय उनके सामने और पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं। साथ ही सभी कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है।

पूजा की विधि

- प्रातः काल उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा स्थान की सफाई करें।
- किसी जरूरी के पास पर काले या नीले वस्त्र लेकर बिछाएं और उस पर शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- अब शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर के सामने तेल प्रज्वलित करें।
- अब शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर पर तेल, फूल माला और प्रसाद अर्पित करें। फिर इनके चरणों में काले उड़द और तिल चढ़ाएं। यथासंभव या षोडशोपचार पूजा करें।
- इसके शनि चालीसा का पाठ करें और व्रत का संकल्प लें।
- इसके बाद शनिदेव की आरती उतारें और प्रसाद का वितरण करें। शाम को भी चालीसा पाठ और आरती करें।



इस वर्ष वट सावित्री व्रत पर्व 6 जून, गुरुवार को मनाया जा रहा है। यह व्रत अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है। महिलाओं का वट सावित्री अमावस्या के दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। हिन्दू धर्म में वट सावित्री अमावस्या सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी से अमावस्या तक तथा ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तक करने का विधान है।

सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है वट सावित्री

मान्यता है कि वट सावित्री व्रत करने से पति दीर्घायु और परिवार में सुख शांति आती है। पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। इस व्रत में सरगह वृक्ष चारों ओर घूमकर सौभाग्य रिक्थों रूपी सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह ही वट या सरगह वृक्ष का भी विशेष महत्व है। इस व्रत को सभी प्रकार की स्त्रियां यानी कुमारी, विवाहिता, पुत्रवती, सुपुत्रा, विधवा आदि करती हैं। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं। आजकल अमावस्या को ही इस व्रत का नियोजन होता है। इस दिन वट (बड़, सरगह) का पूजन होता है।

पूजा विधि

- वट सावित्री अमावस्या के दिन प्रातः काल घर की सफाई कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करें।
- तत्पश्चात पवित्र जल का पूरे घर में छिड़काव करें।
- इसके बाद बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें।
- ब्रह्मा के पास पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें।
- इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें। इन टोकरियों को वटवृक्ष के नीचे ले जाकर रखें।
- इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें।
- अब निम्न श्लोक से सावित्री की अर्घ्य दें– अखिलव तौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते। पुत्रान पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोस्तुते।।
- तत्पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके वट की जड़ में पानी दें।
- इसके बाद निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें– यथा शाखाप्रशाखाभिर्विस्तृतोसि महीतले। तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मां सदा।।
- पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा फल का प्रयोग करें।
- जल से वटवृक्ष को सींचकर इसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर 3 बार परिक्रमा करें।
- वट के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें।
- भीगे हुए चनों का सत्तू निकालकर, नकद रुपए रखकर सासुजी के चरण स्पर्श करें।
- यदि सास यहां न हो तो सत्तू भिजवाकर उन तक पहुंचाएं।
- वट तथा सावित्री की पूजा के पश्चात प्रतिदिन पान, सिन्दूर तथा कुमकुम से सौभाग्यवती रूपी के पूजन का भी विधान है। यही सौभाग्य पिटारी के नाम से जानी जाती है। सौभाग्यवती स्त्रियों का भी पूजन होता है। कुछ महिलाएं केवल अमावस्या को एक दिन का ही व्रत रखती हैं।
- पूजा सामग्री पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें।
- अंत में निम्न संकल्प लेकर उपवास रखें मम वैधव्यादिसकलदोषपरिहारार्थं ब्रह्मसावित्रीप्रीत्यर्थं सत्यसावित्रीप्रीत्यर्थं च वटसावित्रीव्रतमहं करिष्ये।
- इस वट वृक्ष के नीचे सावित्री–सत्यवान की कथा को पढ़ने अथवा सुनने से मनोवांछित सुफल की प्राप्ति होती है।

वट सावित्री व्रत कब है, जानें तारीख, महत्व, शुभ मुहूर्त

इस साल 2024 में वट सावित्री व्रत 6 जून, गुरुवार के दिन है। वट सावित्री के दिन शनि अमावस्या या शनि जयंती भी है। वट सावित्री व्रत पर सुहागिनें अपने पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। वट सावित्री व्रत के दिन अगर शुभ मुहूर्त पर वट वृक्ष की पूजा की जाए, तो वैवाहिक जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

इस साल वट सावित्री व्रत 6 जून, गुरुवार के दिन है। वट सावित्री व्रत को सावित्री अमावस्या या वट पूर्णिमा भी कहा जाता है। वट सावित्री के दिन सुहागिनें अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। साथ ही अपने पति की कामयाबी और सुख-समृद्धि के लिए कामना भी करती हैं। वट सावित्री पर वट सावित्री के पूजा के साथ सत्यकाम और सावित्री की पूजा भी की जाती है। वट सावित्री के दिन ही शनि अमावस्या भी है। इसे शनि जयंती भी कहा जाता है। ऐसे में वट सावित्री का महत्व और भी बढ़ जाता है। अगर आपकी शनिदेव की विशेष कृपा पाना चाहते हैं, तो वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ के साथ पीपल के पेड़ की पूजा भी कर सकते हैं, इससे आपको शनि के नकारात्मक प्रभावों से मुक्ति मिलेगी।



वट सावित्री पूजन का शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 05 जून को शाम को 07 बजकर 54 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 6 जून को शाम 06 बजकर 07 मिनट पर होगी। इस कारण वट सावित्री 6 जून को ही मनाई जाएगी।

अमृत काल समय- 6 जून को सुबह 05.35 से लेकर सुबह 07.16 तक।

पूजन का शुभ मुहूर्त- 6 जून सुबह 08.56 से लेकर सुबह 10.37 तक।

पितरों को तर्पण करने का शुभ समय- दोपहर 12.46 से लेकर दोपहर 1.46 तक।



अपरा एकादशी व्रत से मिलता है अपार धन

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी अपरा एकादशी या अचला एकादशी के नाम से जानी जाती है। मान्यता है कि अपरा एकादशी व्रत रखने से मनुष्य को अपार सुविधा मिलती है। साथ ही मनुष्य को सारे पापों से मुक्ति मिल जाती है। आइये जानते हैं मुहूर्त और पौराणिक महत्व के बारे में अपरा एकादशी की तारीख और शुभ योग कौन से हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार अपरा एकादशी को बहुत शुभ माना जाता है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हरियाणा में इसे अचला एकादशी तो अविधवा में जलक्रीड़ा एकादशी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति को अपरिमित धन और यश की प्राप्ति होती है, इसके कारण इसे अपरा एकादशी कहा जाता है। साथ ही भगवान श्री कृष्ण ने राजा युधिष्ठिर से इसके महत्व में कहा था कि अपरा एकादशी व्रत को रखने वाला व्यक्ति पुण्य कर्मों के जरिए जग में बहुत प्रसिद्ध होता है। साथ ही गंगा स्नान करने के समान लाभ प्राप्त करता है। इसके अलावा अपरा एकादशी का व्रत सभी पापों को नष्ट करने वाली और पापों को क्षमा दिलाकर मोक्ष दिलाने वाली है। गृहस्थ के लिए अपरा एकादशी व्रत : रविवार 2 जून 2024

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी तिथि प्रारंभ: रविवार 02 जून 2024 को सुबह 05.04 बजे से

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी तिथि समाप्त: सोमवार 03 जून 2024 को सुबह 02.41 बजे

गृहस्थ के लिए अपरा एकादशी पारण का समय : सोमवार 3 जून 2024 सुबह 8.05 से 8.16 के बीच

पारण तिथि के दिन द्वादशी का समाप्त होने का समय: 3 जून सुबह 08.05 बजे से

वैष्णवजन के लिए अपरा एकादशी: सोमवार, 3 जून 2024

कब करना चाहिए अपरा एकादशी पारण

धार्मिक मान्यता के अनुसार अपरा एकादशी पारण एकादशी व्रत के अगले दिन सूर्योदय के बाद किया जाता है। वैसे तिथि पारण द्वादशी तिथि समाप्त होने से पहले करना जरूरी है। यदि द्वादशी तिथि के भीतर पारण न करना पाप करने के समान होता है। वहीं एकादशी व्रत का पारण हरि वासर (द्वादशी तिथि की पहली एक चौथाई अवधि) के दौरान भी नहीं करना चाहिए। व्रत तोड़ने के लिए सबसे उपयुक्त समय सुबह होता है। लेकिन कोई कारण है तो मध्याह्न के बाद पारण करना चाहिए।

इसके अलावा एकादशी व्रत लगातार दो दिनों के लिए होगा तो स्मार्त और परिवार जन को पहले दिन एकादशी व्रत करना चाहिए। वहीं दूसरे दिन वाली एकादशी यानी वैष्णव एकादशी को संन्यासियों, विधवाओं और मोक्ष प्राप्ति के इच्छुक श्रद्धालुओं को व्रत करना चाहिए।



शनि जयंती शनि देव की कृपा पाने का सबसे खास दिन है। अगर आप चाहते हैं कि शनि की असीम कृपा आप पर बनी रहे तो शनि जयंती के दिन ये 20 सरल उपाय आजमाएं और शनि देव से सुख-शांति का वरदान पाएं।

सरल उपाय शनिदेव को करेंगे प्रसन्न, सुख-शांति के लिए आजमाएं

इस वर्ष ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या तिथि 6 जून, गुरुवार को है।

- शनि देव को शहद को शत्रु की तरह बहुत प्रिय हैं अतः इस दिन शहद का सेवन नहीं करना चाहिए।
- शनि को तीखे के नकारात्मक भी कहते हैं इसलिए शनि जयंती पर तीखे को सेवन भी शनि अशुभ होते हैं।
- शनि जयंती पर अपराध रोगों से ग्रस्त व्यक्ति को कभी दुखी, भूखे के जूते चप्पल चुराने से शनि देव अशुभ होते हैं।
- शनि जयंती पर घर के बड़ा बुजुर्ग की सम्मान करें, क्योंकि शनि देव को वृद्धावस्था का कारक माना गया है, पिता घर में माता पिता व वृद्धजनों का सम्मान होता है उस घर से शनि देव बहुत प्रसन्न होते हैं तथा पिता घर में वृद्ध का अपमान होता है उस घर से रूठकर चले जाते हैं।
- शनिवार को तेल की वस्तुओं खरीदना चाहिए लेकिन शनि जयंती के दिन तेल की वस्तुओं नहीं करें, बल्कि तेल का दान अवश्य करें।
- इस दिन जहां को कोई वस्तु शनि मंदिर दान करनी चाहिए। हो वस्तु ऐसी हो जो मंदिर के किसी काम आ सके।
- शनि जयंती पर शनि मंदिर में पैदल ही ॐ भौ भौ शनैश्चराय का जाप करना चाहिए।
- शनि दोष के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं के लिए शनि जयंती के दिन श्रवण भोलेनाथ व हनुमान जी की पूजा एक साथ करनी चाहिए।
- शनि जयंती पर शनि चालीसा कथा, शनि चालीसा, शिव चालीसा, बजरंगबाण, हनुमान चालीसा व हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए।
- इस दिन शनि मंदिर से शनि यंत्र का पाठ या कवच अवश्य से धारण करना चाहिए।
- शनि को मनाने के लिए शनि जयंती बहुत फलदायी है। यह व्रत करने वाले पर शनिदेव की अपार कृपा होती है।
- शनि जयंती के अवसर पर श्रवण शिव का भस्म व शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए।
- इस दिन दशरथकृत शनि स्तोत्र का पाठ कम से कम 11 बार अवश्य करना चाहिए। इससे जीवन की परेशानियां और शनि के अशुभ प्रभाव से मिलने वाले बुरे फलों में कमी आती है।
- इसके अलावा इस दिन शनि चालीसा, शनिश्चरवक्रकृत ॥, शिव चालीसा का पाठ तथा शनि देव की आरती भी करनी चाहिए। इस दिन कथा, शिव जी की आरती और मंत्रों का जाप करने से शनि संबंधित दोषों से मुक्ति मिलती है।
- शनि जयंती पर मंदिर में जाकर पार्थिव शिवलिंग का तेल से अभिषेक करना चाहिए तथा मंदिर में तेल, उड़द और तिल का दान करना चाहिए।
- शनि जयंती पर महामृत्युंजय के जाप करने से विशेष फल मिलता है। अगर हो सके तो इस दिन महामृत्युंजय के जाप अवश्य करें।
- शनि जयंती पर भगवान भोलेनाथ को शक्कर का भोग लगाएं।
- शनि के अशुभ प्रभाव से बचाव के लिए शनि जयंती का दान होता है। यह व्रत करने वाले को इस दिन ब्रह्म काल में भगवान शिवशंकर की पूजा-अर्चना करनी चाहिए, तत्पश्चात शनि देव का पूजन करना चाहिए।
- इसके अलावा शिव जी का दूध, दही, घी, गंगाजल- गंगा जल, शहद से अभिषेक करना चाहिए।
- शनि जयंती के दिन निर्धन व्यक्ति को भोजन कराकर तथा सफाईकर्मी को शिवरात्रि का दान अवश्य दें।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल की घंटी बजते ही आप पहचान लेंगे मार्केटिंग कॉल, सरकार ने कर दी है व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल पर सर्विस और टूजनेवशनल कॉलस को पहचानना आम और आसान होगा। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन वाली 160 सीरीज से शुरू होने वाली इस नई सीरीज से



आम सर्विस कॉलस की पहचान में दिक्कत नहीं होगी। मौजूदा समय में प्रमोशनल/सर्विस ट्रांजैक्शन कॉलस के लिए टेलिमार्केटिंग कंपनियां 14 सीरीज का इस्तेमाल कर रही है। 10 डिजिट के नंबर वाली इस सीरीज का इस्तेमाल फ्रॉड करने वाले भी कर रहे हैं,जिससे आम सर्विस कॉल मिस हो जाती है। ऐसे में ग्राहकों में विश्वास बढ़ाने के लिए एक अलग नंबरों वाली सीरीज की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर आलोकआई, सेफी, आरआरडीए, पोस्टआरडी जैसे वित्तीय संस्थाओं से आने वाली कॉलस अब 160 नंबर से शुरू होंगी। इसके साथ ही किसी तरह के फ्रॉड होने का शक होने पर ग्राहक संचार साथी के पोर्टल पर भी रिपोर्ट कर सकते हैं।

सर्विस कॉल दरअसल वे कॉलस होती हैं, जिसमें मालवर किसी व्यक्ति को उसकी ओर से हुए किसी वित्तीय लेन-देन के बारे में जानकारी देता होता है ये प्रॉडक्ट क्रिकॉल इंफॉर्मेशन, सेफ्टी और सिक्योरिटी की जानकारी से जुड़ी होती है। ट्रांजैक्शनल कॉल, वे कॉलस हैं जो प्रमोशनल नहीं है और इनका मकसद भी एक समय सीमा के भीतर ग्राहक या अकाउंट होल्डर को जानकारी देना होता है। प्रमोशन कॉल वे कमर्शियल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें कॉल करने वाली कंपनियां ग्राहकों से इजाजत नहीं लेती है।

सोना 1968 रुपये हुआ सस्ता, ऑलटाइम हाई से चांदी 2687 रुपये फिसली

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में आज सोने की चमक जहां घटी है, वहीं चांदी ठंडी हो गई है। आईबीजेए के लेटेस्ट रेट के मुताबिक चांदी आज यानी शुक्रवार 31 मई को 880 रुपये प्रति किलो सस्ती होकर 91793 रुपये पर खुली। जबकि, 24 कैरेट सोना 139 रुपये प्रति 10 ग्राम चढ़कर 72254 रुपये पर



खुला। यानी चांदी के भाव 29 मई के 94280 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई से आज 2487 रुपये सस्ता है। जबकि, सोना 21 मई के 74222 रुपये के ऑल टाइम हाई से 1968 रुपये कम रेट पर मिल रहा है।

आज 23 कैरेट सोने का रेट जीएसटी के साथ 74421 रुपये प्रति 10 ग्राम का पड़ेगा। अन्य चार्जेज के साथ यह 81863 रुपये के करीब पड़ेगा। वहीं, 22 कैरेट सोने का भाव भी आज 139 रुपये चढ़कर 66185 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। जबकि, 22 कैरेट का भाव जीएसटी, ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ने के बाद 74987 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। 18 कैरेट गोल्ड का रेट भी आज 105 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 54191 रुपये पर पहुंच गया है।

मुद्रास्फीति के तय लक्ष्य के नजदीक आने से बढ़ेगी मांग, खाद्य कीमतें बढ़ा सकती हैं जोखिम

नई दिल्ली, एजेंसी। आलोकआई ने जारी सालाना रिपोर्ट में कहा, खाद्य कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी दिक्कतों जैसे विभिन्न जोखिमों के बावजूद खुदरा महंगाई के चालू वित्त वर्ष में घटकर 4.5 फीसदी पर आने की उम्मीद है। इसके तय लक्ष्य के नजदीक आने से खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग मांग में तेजी आएगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जिन्सों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अनिश्चित मौसमी घटनाओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, खाने-पीने की वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती कीमतों के कारण महंगाई पर जोखिम बना हुआ है। 2023-24 में कुल महंगाई बढ़ने में खाद्य वस्तुओं और सेवाओं का हिस्सेदारी बढ़कर 60.3 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई, जो एक साल पहले 46 फीसदी थी।

आलोकआई ने गुरुवारिवार को जारी सालाना रिपोर्ट में कहा, खाद्य कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी दिक्कतों जैसे विभिन्न जोखिमों के बावजूद खुदरा महंगाई के चालू वित्त वर्ष में घटकर 4.5 फीसदी पर आने की उम्मीद है। इसके तय लक्ष्य के



नजदीक आने से खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग मांग में तेजी आएगी।

खुदरा महंगाई अप्रैल, 2024 में घटकर 11 माह के निचले स्तर 4.83 फीसदी पर आ गई। यह आलोकआई के 2-6 फीसदी के तय दायरे में है। हालांकि, खाद्य महंगाई 8.52 प्रतिशत से बढ़कर 8.7 फीसदी पहुंच गई।

एमएसपी : डाबाद लागत पर 50 फीसदी न्यूनतम मुनाफा- 2023-24 के खरीफ और रबी सीजन में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) ने सभी फसलों के लिए उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50 फीसदी लाभ सुनिश्चित किया। खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में 5.3-10.4 फीसदी की वृद्धि की गई, जबकि रबी फसलों का एमएसपी 2.0-7.1 फीसदी बढ़ाया गया।

500 रुपये के 5.16 लाख नोट चलन में, हिस्सेदारी मार्च 2024 तक बढ़कर 86.5 फीसदी पहुंची

चलन में मौजूद कुल मुद्रा में 500 रुपये मूल्य के नोटों की हिस्सेदारी मार्च, 2024 तक बढ़कर 86.5 फीसदी पहुंच गई।एक साल पहले की समान अवधि में यह 77.1 फीसदी थी। इस दौरान 2,000 रुपये के नोटों की हिस्सेदारी 10.8 फीसदी से घटकर सिर्फ 0.2 फीसदी रह गई।

आरबीआई ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, पिछले साल मई में 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा के कारण500 के नोटों का चलन बढ़ा है।नहीं, 2,000 रुपये के नोटों के चलन में गिरावट आई है।रिपोर्ट में साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च, 2024 तक मूल्य के हिसाब से 500 रुपये के सभी नोटों का 5.16 लाख नोट चलन मौजूद थे।यह अवधि तक 10 रुपये के नोट 2.49 लाख संख्या के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

बैंक नोटों के मूल्य में 3.9 फीसदी बढ़ोतरी 2023-24 में चलन में मौजूद नोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 3.9 फीसदी व 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।पिछले वित्त वर्ष में वृद्धि क्रमशः 7.8 फीसदी व 4.4 फीसदी थी। मूल्य के लिहाज से चलन में मौजूद बैंक नोटों की संख्या में वृद्धि हाल के वर्षों में सबसे कम है। 2,000 के 26,000 से अधिक नकली नोट पकड़े गए।एक साल पहले 9,806 नकली नोट चिह्नित किए गए थे।

आधा हो जाएगा जोमैटो के शेयरों का भाव! एक्सपर्ट की भविष्यवाणी से सहमे निवेशक, 5 प्रतिशत लुढ़का दम



नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाले प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयरों की कीमतों में आज 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी की एक भविष्यवाणी की वजह से देखने को मिली है।

जोमैटो के शेयरों का भाव आज बीएसई में 178.95 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन खुलने के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत से अधिक लुढ़ककर 171.25 रुपये के लेवल पर आ गया। सोइसीसी-18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी का कहना है कि जोमैटो के शेयरों की कीमतों में आने वाले 12 महीनों में 46 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल सकती है। ब्रोकरेज हाउस इस अनुमान के पीछे की वजह इस सेक्टर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को मान रहे हैं। मैक्वेरी ने जोमैटो कांटासोट प्राइस घटाकर 96 रुपये किया है। ब्रोकरेज हाउस ने जोमैटो को 'रेटिंग दिया है। पहले यह 'न्यूट्रल' रेटिंग था। क्या दें, मैक्वेरी के अलावा 2 अन्य ब्रोकरेज हाउस ने भी 'सेल' टैग दिया है।

100 अरब क्लब में भारत की 8 कंपनियां

इंडोनेशिया की जीडीपी से ज्यादा है मार्केट कैप, पाकिस्तान के लिए एक ही काफी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की इकोनॉमी तेजी की रफ्तार से बढ़ रही है। इसके साथ ही देश में कंपनियों की वैल्यूएशन में भी तेजी दिखाई दे रही है। पिछले एक साल के दौरान तीन औद्योगिक घराने 100 अरब डॉलर क्लब में शामिल हुए हैं। इनमें मुकेश अंबानी की अगुवाई वाला भारती एयरटेल ग्रुप, आईसीआईसीआई बैंक और कुमार मंगलम बिड़ला की अगुवाई वाला आदित्य बिड़ला ग्रुप शामिल है। 100 अरब डॉलर क्लब में अब देश के आठ औद्योगिक घराने शामिल हो गए हैं। इनकी कंबाइंड मार्केट वैल्यू करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर है जो भारत के कुल मार्केट कैप का करीब 30 फीसदी है। यह इंडोनेशिया की जीडीपी से अधिक है। दुनिया के इस सबसे बड़े इस्लामी देश की जीडीपी 1,484 ट्रिलियन डॉलर है।

366 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ टाटा ग्रुप देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है। 150



साल पुराने इस ग्रुप का बिजनस नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक फैला है। इसका मार्केट कैप पाकिस्तान की जीडीपी से अधिक है। आईएमएफ के मुताबिक पाकिस्तान की जीडीपी करीब 338 अरब डॉलर है। पिछले एक साल में टाटा ग्रुप के मार्केट कैप में 36.6 फीसदी तेजी आई है। ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस देश की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। इसका मार्केट कैप 1,538,167.76 करोड़ रुपये है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर मुकेश अंबानी की अगुवाई वाला रिलायंस ग्रुप है। इसका मार्केट कैप पिछले एक साल के दौरान 29.4 फीसदी तेजी के साथ 267 अरब डॉलर पहुंच गया है। ग्रुप की होल्डिंग कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। इसका मार्केट कैप 1,940,661.82 करोड़ रुपये है। अंबानी 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ भारत और एशिया के सबसे अमीर शख्स हैं।

कौन-कौन हैं क्लब में

गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप 205 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ इस क्लब में तीसरे नंबर पर है। पिछले एक साल में ग्रुप के मार्केट कैप में 64.7 फीसदी तेजी आई है। एचडीएफसी ग्रुप 162 अरब डॉलर के साथ चौथे नंबर पर है। हालांकि पिछले एक साल में ग्रुप का मार्केट कैप 13.8 फीसदी गिरा है। भारती ग्रुप 125 अरब डॉलर की वैल्यूएशन के साथ पांचवें स्थान पर है। ग्रुप का मार्केट कैप पिछले एक साल में 163 फीसदी चढ़ा है। 120 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ एसबीआई इस क्लब में छठे स्थान पर है। पिछले एक साल में इसमें 79.1 प्रतिशत तेजी आई है। आईसीआईसीआई बैंक 114 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ इस क्लब में सातवें नंबर पर है। पिछले एक साल में इसका मार्केट कैप 18.1 प्रतिशत बढ़ा है। आदित्य बिड़ला ग्रुप 101 अरब डॉलर के साथ इस क्लब में आठवें नंबर पर है। पिछले एक साल में इसका मार्केट कैप 52.7 फीसदी बढ़ा है।

परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत चार वर्षों में 2.4 प्रतिशत घटकर 5.2 फीसदी पहुंची, बैंकों पर 86 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत पिछले चार वर्षों में 2.4 फीसदी घट गई है। हालांकि, उनकी भौतिक संपत्तियों में तेजी आई है। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2019-20 में परिवारों की सकलवित्तीय बचत ग्रॉस नेशनल डिसपोजेबल इनकम (जीएनडीआई) की तुलना में 11.4 फीसदी थी जो 2023-24 में घटकर 10.9 फीसदी रह गई। इसी दौरान शुद्ध वित्तीय बचत भी 7.6 फीसदी से घटकर 5.2 फीसदी पर आ गई।

रिपोर्ट के अनुसार, सकल वित्तीय बचत 2020-21 में 15.2 फीसदी रही जबकि 2021-22 में यह घटकर 10.9 फीसदी रह गई थी। शुद्ध वित्तीय बचत भी इसी दौरान 11.6 फीसदी से घटकर 7.2



फीसदी पर रह गई। भौतिक संपत्तियों में बचत 2019-20 में जीएनडीआई का 11 फीसदी रही जो 2020-21 में घटकर 10.6 फीसदी रह गई। 2021-22 में यह बढ़कर 12.4 फीसदी और पिछले वित्त वर्ष में 12.7 फीसदी पर पहुंच गई।

बैंकों पर 281 मामलों में 86 करोड़ जुर्माना- आरबीआई ने तमाम नियमों के उल्लंघन के मामले में 2023-24 में बैंकों पर 281 बार कार्रवाई की है। इसके एवज में 86.11 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। 16 बार सहकारी बैंकों पर हुई। इन पर जुर्माना 23.68 करोड़ रुपये लगा। निजी बैंकों पर 12 बार कार्रवाई हुई, लेकिन जुर्माने की रकम 24.90 करोड़ रुपये रही। सहकारी बैंकों पर 215 बार कार्रवाई की गई और 12 करोड़ का दंड लगाया गया। एनबीएफसी पर 22 कार्रवाई में 11.53 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा।

किसान क्रेडिट कार्ड का बकाया 10.9 प्रतिशत बढ़ा- संक्षिप्त किसान क्रेडिट कार्ड की कुल संख्या 2022-23 में 2.83 करोड़ थी, जो 2023-24 में बढ़कर 2.98 करोड़ पर पहुंच गई। इसी दौरान इस पर बकाया कर्ज 5.19 लाख करोड़ से 10.9 फीसदी बढ़कर 5.75 लाख करोड़ रुपये हो गई।

बैंकों में धोखाधड़ी के मामले ढाई गुना बढ़े, प्राइवेट में ऑनलाइन और पीएसयू में लोन संबंधी जालसाजी अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों से जुड़े धोखाधड़ी के मामले वित्त वर्ष (2023-24) में ढाई गुना से अधिक बढ़कर 36,075 रहे। हालांकि, इस दौरान धोखाधड़े वाली राशि 46.7 प्रतिशत घटकर 13,930 करोड़ रुपये रही। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान धोखाधड़ी के मामलों की संख्या 36,075 हो गई, जो एक साल पहले 13,564 थी।

वहीं, धोखाधड़ी में शामिल राशि 13,930 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 26,127 करोड़ रुपये थी। मूल्य के संदर्भ में पिछले वित्त वर्ष में हुई धोखाधड़ी में शामिल राशि 2022-23 में रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी का 94 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, संख्या के संदर्भ में धोखाधड़े मुख्य रूप से कार्ड/इंटरनेट जैसे डिजिटल भुगतान श्रेणी में हुई। वहीं, मूल्य के संदर्भ में, धोखाधड़े मुख्य रूप से कर्ज (अग्रिम श्रेणी) के मामले में रहे।

पिछले तीन साल में धोखाधड़े के मामलों के आकलन से पता चलता है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने सबसे ज्यादा धोखाधड़े के मामलों की सूचना दी। वहीं, धोखाधड़ी में शामिल राशि के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का योगदान पहले की तरह सबसे ज्यादा रहा। छोटी राशि के कार्ड/इंटरनेट धोखाधड़ी के मामले में निजी क्षेत्र के बैंकों में सबसे ज्यादा मामले आये। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में धोखाधड़े मुख्य रूप से कर्ज श्रेणी में रहे। इसके अलावा, 2022-23 और 2023-24 के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़े की घटनाओं का विश्लेषण करने से पता चलता है कि धोखाधड़ी की घटना की तारीख और उसका पता लगाने के बीच एक महत्वपूर्ण समय-अंतराल विद्यमान है। यानी फ्रॉड को पकड़ने में काफी समय लगता है।

आरबीआई के अनुसार, ऑनलाइन राशि चोरी या भेजने के लिए रियल टाइम वेरिफिकेशन लागू किया जा सकता है। इस संभावना को टटोला जा रहा है। इसका मकसद धोखाधड़ी पर अंकुश लगाना व भुगतान अनुभव को और बेहतर बनाना है। इस उद्देश्य को कर अधिनियम डिजिटल व्यक्तिगत सूचना संरक्षण कानून, 2023 के अनुपालन के तहत लागू किया जा सकता है। इसके जरिए राशि भेजने से पहले उसे पास करने वाले के नाम का रियल टाइम चेक सत्यापन किया जाएगा।

महज 3 करोड़ में बना स्टार्टअप, अनोखे रॉकेट को लॉन्च कर रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई के एक स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। इसने अंतरिक्ष क्षेत्र में दुनिया भर में अपना झंडा गाड़ दिया। इसके साथ, रॉकेटअग्निबान को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के श्रीहरिकोटा में अपने पहले निजी लॉन्चपैड से लॉन्च किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने भी बधाई दी। यह रॉकेट इसलिए भी खास है, क्योंकि यह गैस और लिक्विड फ्यूल के मिश्रण का उपयोग करने वाला पहला भारतीय रॉकेट है। आइए जानते हैं इस रॉकेट को बनाने वाले स्टार्टअप अग्निकुल और इसके फाउंडर्स के बारे में।

अग्निबान सबऑर्बिटल दुनिया का पहला सिंगल-पीस 3डी प्रिंटेड इंजन का उपयोग करने वाला रॉकेट है। इसे स्पेसटेक एम से डिजाइन किया गया है और इसे यहीं बनाया गया है। इसे सफल सबऑर्बिटल लॉन्च किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बधाई दी है। हालांकि कंपनी ने कुछदिन पहले ही अपने पहले रॉकेट के टेस्ट फ्लाइट को लॉन्च से कुछ सेकंड पहले रद्द कर दिया था। यह पिछले तीन महीनों में चौथा ऐसा रद्दीकरण था।

क्यों माना जा रहा है ऐतिहासिक– यह लॉन्च ऐतिहासिक इसलिए भी माना



जा रहा है क्योंकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अभी तक एक सेमी-क्रायोजेनिक इंजन को सफलतापूर्वक नहीं उड़ा पाया है, जिसमें ईंधन के रूप में तरल ऑक्सीजन और गैस के मिश्रण का उपयोग किया जाता है। तभी तो भारतीय अंतरिक्ष संघ (इसपा) के महानिदेशक एके भट्ट ने कल लॉन्च के बाद कहा था अग्निकुल ने आज जो हासिल किया है वह 1963 में थुम्बा लॉन्च स्टेशन से भारत द्वारा अपने पहले रॉकेट के लॉन्च के बाद से एक ऐतिहासिक उपलब्धि से कम नहीं है। यह भारत के फलते निजी अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक बहुत बड़ा उत्साहवर्धन और गर्व का क्षण है और यह भविष्य में हमारे लिए क्या रुकावट है इसको लिये एक इशारा है। हमारी हार्दिक बधाई इस पूरे अभियान के पीछे की टीम को और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं!

किसने बनाया है अग्निबान– अग्निबान सबऑर्बिटल को बनाने वाली कंपनी का नाम है अग्निकुल कॉसमॉस प्राइवेट लिमिटेड। यह एक स्टार्टअप है जिसकी स्थापना साल 2017 में श्रीनाथ रविचंद्रन और मोहन एलंगोवन द्वारा की गई थी। स्थापना के समय इसमें महज 3 करोड़ (2023 में 4.2 करोड़ या यूएस$30,000 के बराबर) की सीड फंडिंग की गई थी। इसे आईआईटी मद्रास के नेशनल सेंटर फॉर कंप्लायंस साइंसेज में स्थापित किया गया है।

अग्निकुल बनाने का क्या था उद्देश्य– श्रीनाथ रविचंद्रन ने पहले किए गए कई इंटरव्यू में कहा है कि अग्निकुल कॉसमॉस को स्थापना का उद्देश्य साल 2021 में अपना पहला रॉकेट विकसित करना और लॉन्च करना है। उन्होंने उसी समय तय कर लिया था जब रॉकेट बन जाएगा और सफल लॉन्च हो जाएगा, उसके बाद कंपनी 100 किलो तक के पेलोडलाइट को लॉन्च करने की फैसिलिटी भी डेवलप करना है। यह स्टार्टअप अब तक निवेशकों से 23.4 करोड़ (2023 में 28 करोड़ या यूएस 3.4 मिलियन के बराबर) जुटाने में कामयाब रहा। साल 2020 के अंत तक, कंपनी ने लगभग 4 मिलियन डॉलर जुटाए थे। जब पास में पर्याप्त पैसे आ गए थे, तो इसके बाद यह एडवांसजरी के लिए सौथे इसरो की ओर रुख किया था।

कौन है अग्निकुल के संस्थापक

अग्निकुल कॉसमॉस के संस्थापकों में चार लोगों का नाम आता है। वे हैं श्रीनाथ रविचंद्रन, मोहन एलंगोवन, सत्यनारायण चक्रवर्ती और जगदीश रतू। लेकिन इसके मुख्य कर्ता-धर्ता श्रीनाथ रविचंद्रन ही हैं।

कौन है श्रीनाथ रविचंद्रन

श्रीनाथ रविचंद्रन के पास इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में काम करने का 10 साल से भी ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने चेन्नई के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग गुंडी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया है। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में भी मास्टर डिग्री हासिल की। वह पहले बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप में ट्रेडिंग करते थे और बाद में एयरोस्पेस इंजीनियर बन गए।

मुकेश अंबानी अब नई सर्विस शुरू करने वाले हैं, बिगबास्केट, ब्लिंकिट, जेप्टो के छूटे पसीने!



नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं। यह देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसका बाजार पूंजीकरण 19,50,000 करोड़ है। फोर्ब्स के अनुसार, मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति 9,48,000 करोड़ है। वह उन्हें पहले का सबसे अमीर व्यक्ति बना देता है। 67 साल के अरबपति ने अपने कारोबारी साम्राज्य का विस्तार जारी रखा है। उनकी कंपनी रिलायंस पहले से ही दूरसंचार और अन्य क्षेत्रों में अग्रणी है। अब वह नियो मार्ट के जरिये क्विक कॉमर्स सर्विस शुरू करने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों में यह बात कही गई है।

इन दिग्गज कंपनियों को देगी चुनौती– इस सेक्टर में नियो मार्ट का मुकाबला ब्लिंकिट, बिगबास्केट, इंस्टामार्ट और जेप्टो जैसी सेवाओं से होगा। नियो मार्ट शुरुआती दौर में 7-8 शहरों में 30 मिनट में ग्रॉसरी डिलीवर करने की योजना बना रही है। बाद में इस सर्विस का 1,000 शहरों में विस्तार किया जाएगा। रिलायंस ने एक साल पहले अपनी 90 मिनट की ग्रॉसरी डिलीवरी सर्विस नियो मार्ट एक्सप्रेस को बंद कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

10 साल में दिल्ली जल बोर्ड को 73,000 करोड़ का घाटा, बांसुरी बोली- टैंकर माफिया के लिए किया गया दिल्ली में जल

नईदिल्ली, एजेंसी। एक तरफ जहां दिल्ली के लोगों में पानी के लिए मारामारी मची है वहीं, इसको लेकर सियासत भी गरमा गई है। दिल्ली की आप सरकार इस संकट का ठीकरा जहां हरियाणा के ऊपर थोप रही है वहीं, भाजपा कह रही है कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए आप सरकार ने जानबूझकर यह संकट पैदा किया है। भाजपा नेता और नई दिल्ली सीट से पार्टी की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज का कहना है कि आम आदमी पार्टी के कारण इस भीषण गर्मी में दिल्ली में भीषण जल संकट शुरू हो गया है। इसके लिए पूरी तरह से आप सरकार जिम्मेदार है। आप सरकार ने टैंकर माफिया को बढ़ावा देने के लिए ऐसा किया है, ताकि भ्रष्टाचार के पैसे से अपनी जेबें भरें। दिल्ली में कृत्रिम रूप से जल संकट पैदा किया जा रहा है, ताकि दिल्ली के लोग पानी के टैंकरों का सहारा लें और टैंकर माफिया पर निर्भर रहें। बांसुरी ने कहा कि 2013 में दिल्ली जल बोर्ड 600 करोड़ रुपये का मुनाफा कमा रहा था। अपनी एक दशक की सरकार में सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड को 73,000 करोड़ रुपये के घाटे में पहुंचा दिया है। बांसुरी ने कहा कि इसके लिए आम आदमी पार्टी की सरकार और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने बड़े-बड़े दावे किए थे। कहा था कि दिल्ली को मुफ्त पानी देंगे। आज दिल्ली की जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है। ये जो इन्होंने 2 हजार रुपये का पंक्चर लगाया है, यह कुछ और नहीं बल्कि आपने सिक्सपेन पर पर्दा डालने और लोगों को डायवर्ट करने की कोशिश है। बांसुरी ने कहा कि जब आप इस बात से अवगत थे कि दिल्ली में भीषण गर्मी पड़ेगी, पानी की किल्लत होगी, तो आपने तैयारी क्यों नहीं की। इससे पहले दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी दिल्ली में जारी जल संकट के आप सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इस संकट को केजरीवाल सरकार ने भ्रष्टाचार करने के लिए पैदा किया है। कहा कि दिल्ली में पानी की सप्लाई के लिए टैंकर बढ़ाए जाएंगे, जो सिर्फ कागजों पर ही दिखेंगे। हर टैंकर के चक्कर से जो पैसा बचेगा, उससे अधिकारी और आप के नेता मौज करेंगे।

यमुना एक्सप्रेसवे पर सफर करने वालों के लिए बुरी खबर, गाड़ियों में 5 जगह लगा सकेंगे नाइट्रोजन

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए भीषण गर्मी वाली खबर है। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तरभारत में प्रचंड गर्मी का कहर लगातार जारी है। गर्मी की तपिश का असर कारों के टायरों पर ज्यादा पड़ता है। तेज गति होने पर टायरों के फटने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में वाहनों के टायरों को फटने से रोकने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे पर टायरों में नाइट्रोजन गैस भरने के लिए नाइट्रोजन पॉइंट बनाए गए हैं, जहां कोई भी वाहन चालक टायर में नाइट्रोजन गैस भरवा सकता है। नाइट्रोजन सामान्य हवा के मुकाबले टायरों को ठंडा रखने में ज्यादा सक्षम है। यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसों को रोकने के लिए प्राधिकरण ने तैयारी की है। ग्रेटर नोएडा से आगरा तक एक्सप्रेसवे पर पांच जगह नाइट्रोजन पॉइंट बनाए गए हैं, जहां पर कोई भी वाहन चालक अपने वाहनों के टायरों में नाइट्रोजन भरवा सकता है ताकि सफर के दौरान वाहनों के टायर ठंडे रहें। यह प्लांट एक्सप्रेसवे पर प्रवेश पॉइंट, अंतिम प्लाइट व तीन टोल प्लाजा पर बनाए गए हैं। तेज वाहन चलाने से गाड़ी के टायर ज्यादा जल्दी गर्म हो जाते हैं और फट जाते हैं। ऐसे में हादसे की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा मुसाफिरों को ठंडे पानी के लिए वाटर कूलर भी लगाए गए हैं। ग्रेटर नोएडा से आगरा को जोड़ने वाले यमुना एक्सप्रेसवे की लंबाई 168 किलोमीटर है। गर्मियों में एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसों की संख्या बढ़ जाती है। अक्सर देखा गया है कि गर्मी के दिनों में यमुना एक्सप्रेसवे पर चलने वाले वाहनों के टायर फट जाते हैं और वाहन हादसे का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में एक्सप्रेसवे पर टायरों को ठंडा रखने के लिए नाइट्रोजन गैस भरने के लिए प्लाइट बनाए गए हैं। नाइट्रोजन गैस से कार के टायरों में प्रेशर सामान्य हवा के मुकाबले अच्छा रहता है। साधारण हवा के मुकाबले नाइट्रोजन गैस टायर में कम फैलती है, इस वजह से सड़क पर वाहन का संतुलन बना रहता है।

हमें पानी दिलवा दीजिए; दिल्ली में जल संकट पर आप सरकार दौड़ी सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में जल संकट को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अरविंद केजरीवाल की सरकार ने सर्वोच्च अदालत से मामले में दखल देने की गुहार करते हुए कहा है कि पड़ोसी राज्यों को अधिक पानी छोड़ने का निर्देश दिया जाए। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से पानी की भारी किल्लत है और दिल्ली सरकार का आरोप है कि यमुना में हरियाणा ने पानी की आपूर्ति कम कर दी है, जिसकी वजह से संकट उत्पन्न हुआ है। हीटवेव की स्थिति की वजह से शहर में पानी की मांग बहुत बढ़ गई है। पड़ोसी राज्य हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को एक महीने तक यमुना में अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश दिया जाए। सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पानी की आवश्यकता पूरी करने के लिए काम करना सबकी जिम्मेदारी है। इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी हरियाणा के भाजपा सरकार से एक महीने तक ज्यादा पानी भेजने की मांग की। वहीं, दिल्ली सरकार की मंत्री ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार ने जानबूझकर दिल्ली की तरफ आने वाले पानी में कमी कर दी है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने जल संकट के लिए केजरीवाल सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल



सरकार पर बरसते हुए कहा कि लिकेज की वजह से संकट है। उन्होंने कहा, मैं आंकड़े मैं साझा कर सकता हूं कि हरियाणा दिल्ली को 1049 क्यूसेक पानी दे रहा है। लेकिन यह लोग पानी के बर्बादी के नाम पर दो हजार रुपये का जुर्माना लगाकर टैंकर माफियाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। दिल्ली में करीब 53 फीसदी तक पानी इसलिए बर्बाद होता है। क्योंकि पानी की पाइप लाइन को दुरुस्त ठीक नहीं है। दिल्ली में काली जगहों पर पानी की लिकेज हो रही है लेकिन उस पर कोई काम नहीं होता है। भाजपा नेता बांसुरी स्वराज ने कहा दिल्ली सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कहा, आम आदमी पार्टी की सरकार ने जनबोर्ड संकट पैदा किया है। वह जल बोर्ड जो 2013 में 600 करोड़ के मुनाफे में था, वह 73 हजार करोड़ के घाटे में है। जवाब दे केजरीवाल सरकार। यह वह सरकार है जो वचन देती थी मुफ्त पानी का आज बूंद-बूंद के लिए दिल्ली तरस रही है। राजधानी में भीषण गर्मी के बीच लोगों को पानी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। शहर के कुछ हिस्सों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है तो लोगों को पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। कई इलाकों में दिन में एक बार तो कई इलाकों में 48 घंटे में एक बार ही पानी की आपूर्ति हो रही है। कई इलाके सिर्फ टैंकर पर निर्भर हैं। पानी की बर्बादी पर सरकार ने 2 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाने का ऐलान कर दिया है।

दिल्ली में पानी की किल्लत पर केजरीवाल ने तोड़ी चुप्पी, कहा- बीजेपी वाले दिलवा दें; दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में पिछले कई दिनों चल रहे जल संकट पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी में डिमांड ज्यादा और सप्लाई में कमी को जिम्मेदार बताया है। अरविंद केजरीवाल ने भाजपा से राजनीति ना करने की अपील करते हुए कहा है कि हरियाणा और यूपी सरकार से पानी दिलवा दें। इसके साथ ही उन्होंने मिलावटी को लेकर अपनी सरकार की पीठ थपथपाई और कहा कि वीक डिमांड के बावजूद भी किसी कटौती में है। चुनाव प्रचार के लिए 21 दिनों की अंतरिम जमानत पर जेल से निकले अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मौजूदा संकट को लेकर अपनी बात रखी।

हर साल रिन्यू होगा फायर एनओसी, आग बुझाने वाले उपकरणों का निरीक्षण; भवन सुरक्षा को एमसीडी ने जारी किए दिशानिर्देश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आग लगने की हालिया घटनाओं के मद्देनजर, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अपने भवनों की अग्नि सुरक्षा (फायर सेफ्टी) के लिए तत्काल सुरक्षात्मक (प्रिकॉशन) उपाय जारी किए हैं। नगर निगम ने कहा है कि ये उपाय अस्पतालों, डिस्पेंसरियों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों, मल्टी लेवल पार्किंग, जोनल ऑफिस और अन्य एमसीडी भवनों में अपनाए जाएंगे।

अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा दिशानिर्देशों को लागू करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें फायर फाइटिंग सिस्टम का निरीक्षण, इलेक्ट्रिक वायरिंग का ऑडिट, स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म और ऑटोमैटिक वाटर स्प्रिंकलर्स का इंस्टॉलेशन शामिल है। हाल ही में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए, एमसीडी ने अपने भवनों की अग्नि सुरक्षा के लिए तत्काल सुरक्षात्मक उपाय जारी किए हैं। ये उपाय अस्पतालों, डिस्पेंसरियों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों, मल्टी-लेवल पार्किंग, जोनल कार्यालयों और अन्य इमारतों में अपनाए जाएंगे, जहां बड़ी भीड़ होती है।

एमसीडी के निर्देश के अनुसार, बिजली निरीक्षण को नियमित रूप से फायर एक्सटिंग्यूशर, होजरील्स और अलार्म जैसे आग बुझाने वाले उपकरणों का निरीक्षण करना चाहिए। इसमें आग बुझाने वाले यंत्रों की एक्सपायरी डेट की जांच करना, होजरील्स खुलवा कर उनमें पर्याप्त पानी का दबाव है और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि फायर अलार्म चालू हैं और ठीक ढंग से सुनाई देते हैं।

निगम ने सभी फायर सेफ्टी उपकरणों के लिए एक रखरखाव रजिस्टर स्थापित करने के लिए भी कहा है। इसमें आग बुझाने वाले उपकरणों की हर महीने जांच और फायर अलार्म और होजरील्स की तीन महीने में जांच करना शामिल है। इमारत की बिजली खपत का मूल्यांकन करने के लिए हर दो साल में इलेक्ट्रिकल ऑडिट करने के लिए भी कहा है, खासकर आईसीयू जैसे हाई डिमांड वाले एरिया में। ऑक्सीजन टैंक या पाइप ऑक्सीजन वाले एरिया में ज्वलनशील निषेध की सख्त चेतावनी और स्मोट स्मोकिंग पर नियंत्रण लागू किया जाना चाहिए। निर्देश के मुताबिक, यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सभी अस्पतालों में, विशेष तौर पर पेडियाट्रिक रूम, लैबलेव और कॉमन एरिया में फायर स्मोक डिटेक्टर और फायर अलार्म स्थापित किए जाएं। अस्पताल निर्माण और फर्नीशिंग (खास-खस्ता) में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों की पहचान की जानी चाहिए। इसमें प्रयोग होने वाली ज्वलनशील सामग्रियों को फायर रेसिस्टेंट विकल्पों से बदला जाना चाहिए। एमसीडी ने कहा कि फायर सेफ्टी नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट का दिल्ली सरकार के फायर सेफ्टी नियमों के अनुसार हर साल नवीनीकरण किया जाना चाहिए।

डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड बंद, वाहन चालक परेशान

नईदिल्ली, एजेंसी।

नेशनल हाईवे अथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे के सेक्टर-75 फ्लाईओवर के निर्माण कार्य की वजह से एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड को बंद कर दिया। सर्विस रोड के बंद होने से गुरुवार को वाहन चालक परेशान रहे। फ्लाईओवर के निर्माण कार्य के पूरा होने के बाद इसे खोला जाएगा। फरीदाबाद सेक्टर-75 फ्लाईओवर के निर्माण कार्य के लिए सेक्टर-आठ की ओर फ्लाईओवर की दीवार बनाई जा रही है। इस वजह से एनएचएआई प्रबंधन ने बुधवार शाम को इस एक्सप्रेसवे की सर्विस सड़क को बंद कर दिया था। गुरुवार सुबह जब वाहन चालक सर्विस सड़क से भक्तावर की ओर जा रहे थे तो वहां रोड बंद होने पर कुछ वाहन चालक वहां से वापस चले गए तो कुछ ने अपने वाहनों को सर्विस सड़क के डिवाइडर पर चढ़ा दिया। इसके बाद वे सेक्टर-75 फ्लाईओवर के नीचे से होकर भक्तावर की ओर निकल गए तो कुछ सेक्टर फरीदाबाद की ओर। इसी तरह सेक्टर-आठ की ओर से वाहन चालक सर्विस सड़क पर नहीं चढ़ सके। इस वजह से वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों से अपने मंजिल की ओर बढ़ गए। वहां पर एक सप्ताह तक सर्विस रोड के बंद होने का अनुमान लगाया जा रहा है। फ्लाईओवर की दीवार बनाने का कार्य



संपन्न होने के बाद इसे खोल दिया जाएगा। बाईएमसीए रोड से सेक्टर-75 फ्लाईओवर की ओर आने वाले वाहन चालक सेक्टर-आठ की मार्केट से होते हुए सेक्टर-75 फ्लाईओवर तक पहुंच सकते हैं। इसी तरह पेटर फरीदाबाद से बाईएमसीए रोड और सेक्टर-नौ की ओर जाने वाले वाहन चालक सेक्टर-आठ के सामने से बाईएमसीए रोड पर पहुंच सकते हैं। एनएचएआई द्वारा निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे के फ्लाईओवर्स का निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। सेक्टर-65 से लेकर चंदावली मोड़ सेक्टर-तीन-आठ फ्लाईओवर, सेक्टर-75 फ्लाईओवर, बीपीटीपी फ्लाईओवर, खेड़ी पुल फ्लाईओवर, सेक्टर-29 मोड़ फ्लाईओवर का निर्माण कार्य दो माह में पूरा होने की उम्मीद है।

बर्फ वाले बाथ टब से इलाज, दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में हीटस्ट्रोक के मरीजों के लिए कैसे-कैसे इंतजाम

नईदिल्ली, एजेंसी।

राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी के चलते राम मनोहर लोहिया अस्पताल में हीटस्ट्रोक के मरीजों के प्रभावी इलाज के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। इसके साथ ही अस्पताल में आने वाले गंभीर हालत वाले हीटस्ट्रोक के मरीजों के लिए कई से भरे इमरजेंसी आइस टब भी लगाए गए हैं।

आरएमएल अस्पताल में इमरजेंसी मेडिसिन विभाग की हेड डॉ. सीमा नारायण चायनिक ने कहा, आरएमएल अस्पताल में, अगर कोई मरीज (हीटस्ट्रोक का) गंभीर स्थिति में आता है, तो उसे रेड जोन में ले जाया जाता है, ट्रीटमेंट किया जाता है, हमारे पास इमरजेंसेज टब हैं। हम मरीज को वेंटिलेटर पर रख सकते हैं और बर्फ और ठंडे पानी से भरे बाथटब में भी रख सकते हैं और साथ ही तापमान को कम कर सकते हैं।

चायनिक ने शीघ्र इलाज के महत्व पर जोर देते हुए कहा, हीटस्ट्रोक का इलाज जल्द से जल्द शुरू किया जाना चाहिए, वरना मृत्यु दर 80 प्रतिशत तक बढ़ जाती है और यदि हम रोगी का समय पर इलाज कर लें, तो मृत्यु दर 10 प्रतिशत तक कम हो सकती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि 30 मई को देशभर में 41 स्थानों पर तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया। दिल्ली के सफदरजंग में 45.6 डिग्री सेल्सियस, पालम में 46.4 डिग्री सेल्सियस, लोधी एस्टेट में



46.7 डिग्री सेल्सियस और आयानगर में 47.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार को कहा कि उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में लगभग भीषण गर्मी की स्थिति 30 मई से धीरे-धीरे कम होने की संभावना है। इसमें आगे कहा गया है कि 30 और 31 मई को कोंकण और गोवा के अलग-अलग हिस्सों में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, 28 मई को पंजाब और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहा। इससे पहले, आईएमडी ने स्पष्ट किया कि बुधवार को दिल्ली में दर्ज किया गया 52 डिग्री सेल्सियस से अधिक का अधिकतम तापमान सेंसर या स्थानीय कारक में त्रुटि के कारण था। आईएमडी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि वह डेटा और सेंसर की जांच कर रहा है। विवरण में कहा गया है कि दिल्ली एनसीआर में अधिकतम तापमान शहर के विभिन्न हिस्सों में 45.2 डिग्री सेल्सियस से 49.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, मुंगेशपुर में अन्य स्टेशनों की तुलना में 52.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यह सेंसर या स्थानीय कारक में त्रुटि के कारण हो सकता है। आईएमडी डेटा और सेंसर की जांच कर रहा है।

अमेरिकी हथियारों से रूसी सेना पर हमला करेगा यूक्रेन

कीव , एजेंसी। रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ उसके हथियारों का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार (31 मई) को बताया कि इसमें यूक्रेन अमेरिकी मिसाइल का इस्तेमाल खार्किव को रूसी सेना से बचाने के लिए कर सकता है। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है।



अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन इन हथियारों से रूसी सेना पर सीधा हमला कर सकता है। हालांकि, इनका इस्तेमाल रूसी सीमा के अंदर नहीं होना चाहिए। रूस ने 10 मई से खार्किव में हमले तेज कर दिए थे। इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी देशों से उनके दिए गए हथियारों को रूस के खिलाफ इस्तेमाल करने की मंजूरी मांगी थी। अमेरिका ने पहले यूक्रेन को रूस के खिलाफ उसके हथियारों को इस्तेमाल करने से मना कर दिया था। अमेरिका को डर था कि अगर उसके हथियारों का इस्तेमाल रूस के खिलाफ हुआ, तो रूस इसे सीधे अमेरिका का हमला मानेगा।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि पहले भी यूक्रेन के अमेरिकी हथियारों के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक प्रतिबंध नहीं था। हालांकि, इस बात का डर था कि अगर ये रूस के खिलाफ इस्तेमाल हुए तो पुतिन सख्त कदम उठा सकते हैं। वहीं, हाल की शुरुआत में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था हमारी विदेश नीति समय के साथ बदलती या परिवर्तित होती जाती है। यह फैसला तब लिया गया है जब दो दिन पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन को हथियार देने वाले देशों को चेतावनी दी थी। पुतिन ने कहा था कि यूक्रेन जिस देश से मिले हथियारों से रूस पर हमला करेगा, उस देश को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पश्चिमी देशों ने भी हथियारों को इस्तेमाल करने की मंजूरी दी।

चार दिन पहले कुछ पश्चिमी देशों ने भी यूक्रेन को रूस के खिलाफ उनके हथियारों का इस्तेमाल करने को कहा था। सबसे पहले लातविया के राष्ट्रपति एडगार्स रिंकेविच ने इसकी इजाजत दी थी। इसके बाद ब्रिटेन और स्वीडन ने भी यही किया।

रूस की सत्ता पर राज करेगा पुतिन का बॉडी गार्ड एलेक्सी ड्युमिन !

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पांचवीं बार राष्ट्रपति बनने के बाद सवाल उठ रहा था कि उनके बाद कौन उनका उत्तराधिकारी बनेगा। लेकिन अब पुतिन ने अपने पूर्व बॉडी गार्ड को बड़ा पद उसके उत्तराधिकारी बनने की अटकलों को तेज कर दिया है। गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति ने अपने पूर्व बॉडी गार्ड एलेक्सी ड्युमिन को सलाहकार रूप परिषद का सचिव नियुक्त किया है। इस कदम से अब उनके रूसी राष्ट्रपति पद की दावेदारी की अटकलें तेज हो गई हैं। पुतिन फिर उस पद के लिए राष्ट्रपति चुने गए हैं। 51 साल के ड्युमिन को उन्होंने रक्षा उद्योग की देखरेख का काम सौंपा है। इससे वह पॉवरफुल और सत्ता के केंद्र के करीब पहुंच गए हैं। पुतिन द्वारा ड्युमिन को स्टेट काउंसिल में नियुक्त करने से जुड़ा आदेश बुधवार को क्रेमलिन की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया। हालांकि इसमें उनकी नई भूमिका के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। क्रेमलिन के पूर्व सलाहकार और पुतिन के समर्थक सर्गेई मार्कोव ने टेलिग्राम पर कहा, रूस का एलीट क्लास रूस परिषद के सचिव के रूप में ड्युमिन की नियुक्ति को लेकर उत्साहित है। मार्कोव ने कहा, इसे इस बात की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है कि ड्युमिन रूस के भावी राष्ट्रपति हैं, जिन्हें पुतिन ने चुना है। उन्होंने कहा यह कुछ ऐसा था, जिसके बारे में लंबे समय से अफवाहें सुनने को मिल रही थीं। हालांकि अभी सार्वजनिक रूप से इसकी जानकारी नहीं है कि पुतिन का उत्तराधिकारी कौन हो सकता है। पुतिन इस समय 71 साल के हैं और अगले कई वर्षों तक उनके शासन की उम्मीद की जा रही है। उनकी हर नियुक्ति पर दुनिया की नजर होती है।

पाकिस्तान के सरगोधा ईशनिंदा कांड में 100 गिरफ्तार, ईसाईयों ने सड़कों पर किया विरोध प्रदर्शन

सरगोधा, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब के सरगोधा में 25 मई को हुई घटना ने ईसाई और मानवाधिकार नेताओं द्वारा पीड़ित और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तीखी प्रतिक्रिया उत्पन्न की है। 26 और 27 मई को, ईसाइयों ने कई अलग-अलग पाकिस्तानी शहरों में विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतरे। इन प्रतिक्रियाओं के कारण ही पुलिस ने अप्रत्याशित तेजी से कार्रवाई की और 100 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया, जो संभवतः उस भीड़ का हिस्सा थे, जिसने 74 वर्षीय ईसाई नजीर मसीह गिल को ईशनिंदा और उनके जूते के कारखाने को जलाने का आरोप लगाते हुए पीट-पीटकर मारने की कोशिश की थी। ये गिरफ्तारियां अच्छी खबर है, लेकिन इनके बाद



गंभीर अभियोजन होना चाहिए। जैसा कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी के रोमन कैथोलिक आर्कबिशप जोसेफ अराद और अन्य ईसाई धार्मिक अधिकारियों ने टिप्पणी की, पाकिस्तान में न्याय की गाड़ी नहीं है। अक्सर ऐसा होता है कि जब मीडिया के पहले पन्ने से खबर गायब हो जाती है तो गिरफ्तार लोगों को चुपचाप रिहा कर दिया जाता है। पीड़ित एक प्रसिद्ध स्थानीय ईसाई परिवार से हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि उसका असली अपराध एक सफल व्यवसाय विकसित करना था। उसकी जूता फैक्ट्री का विस्तार हो रहा था, जिससे उसके प्रतिस्पर्धियों और पड़ोसियों में ईर्ष्या पैदा हुई। नजीर गिल ने अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए अपनी फैक्ट्री के पास दुकानें खरीदी थीं (और नियमित रूप से भुगतान भी किया था)। स्थानीय मुस्लिम व्यवसायी (जो गिरफ्तार किए गए लोगों में से हैं) चाहते थे कि वे उन्हें वापस कर दें और फैक्ट्री की सफलता से नाराज थे।

नजीर गिल के परिवार के अनुसार, वह अपनी फैक्ट्री के बाहर कुछ कचरा जला रहा था, जब किसी हिंसे हुए हाथ ने कुरान के पन्ने आग में फेंके, फिर भीड़ इकट्ठा हो गई और चिल्लाने लगा कि ईशनिंदा की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अति-कट्टरपंथी इस्लामी समूह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के कार्यकर्ताओं को पहले से ही सचेत कर दिया गया था और वे हस्तक्षेप करने के लिए तैयार थे।

भीड़ ने नजीर गिल को पकड़ लिया और उसे बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने फैक्ट्री में आग भी लगा दी। उसके रिश्तेदारों और फैक्ट्री के कर्मचारियों ने पुलिस को बुलाया, जिसने भारी संख्या में पुलिस भेजी और भीड़ के साथ झड़प के बाद नजीर गिल को बचाने में कामयाब रही, लेकिन इससे पहले उसे इतनी बुरी तरह पीटा गया था कि वह अस्पताल में गंभीर हालत में है और जूता फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया था।

सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय शांतिदूत का यूएन ने किया सम्मान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय शांतिदूत नायक धनंजय कुमार को मरणोपरांत प्रतिष्ठित डैग हैमरस्कजोल्ड पदक से सम्मानित किया। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले 60 से अधिक कर्मचारियों को सम्मानित किया है। नायक धनंजय कुमार सिंह ने कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र के एक मिशन में काम किया था। कांगो गणराज्य में शांति स्थापित करने के लिए इंटरनेशनल की शुरुआत की गई थी। धनंजय कुमार सिंह को मरणोपरांत डैग हैमरस्कजोल्ड पदक से सम्मानित किया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से डैग हैमरस्कजोल्ड पदक को प्राप्त किया। कहा कि भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र के अलग अलग अभियानों में बलिदान योगदान दिया जाता है। कांगो में संयुक्त राष्ट्र के अभियानों में भारत के 6,000 से अधिक सैन्य और पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले विराट कोहली का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप के 9वें एडिशन में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क पहुंच गई है। इस बार रोहित शर्मा की टीम इंडिया से काफी उम्मीदें हैं, जिसमें मेगा इवेंट में उन्हें अपना पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड की टीम के खिलाफ खेलना है। विराट कोहली जिनका इंटरनेशनल करियर का ये आखिरी टी20 वर्ल्ड कप हो सकता है, वह भी इस मेगा टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका रवाना हो गए हैं। वहीं इस टूर्नामेंट को लेकर



कोहली ने अपने एक बयान में कहा कि है कि भारतीय टीम जहां पर भी खेलती है वहां पर हमेशा उनसे जीतने की उम्मीद की जाती है और फैंस भी हमेशा साथ होते हैं। भारत में क्रिकेट बिल्कुल एक अलग नजरिए से देखा जाता है।
विराट कोहली ने जारी किए गए टी20 वर्ल्ड कप को लेकर एक वीडियो में कहा कि उम्मीदें तो हमेशा रहने वाली हैं, भारत जहां पर भी खेलेगा। मैं ये नहीं कहूंगा कि लोगों को हमसे उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए। भारत में क्रिकेट बिल्कुल अलग नजरिए से देखा जाता है, जो हमारी एक ताकत भी है।

फ्रेंच ओपन

नोवाक जोकोविच तीसरे दौर में पहुंचे, रॉबर्टो कार्बालिस को एकतरफा अंदाज में दी शिकस्त

पेरिस, एजेंसी। जोकोविच ने इस मैच में बिना किसी परेशानी के अपने प्रतिद्वंद्वी को हावी होने का मौका नहीं दिया और स्पेन के इस खिलाड़ी को दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 6-4, 6-1, 6-2 से हराया। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को रॉबर्टो कार्बालिस बेना को एकतरफा अंदाज में हराकर साल के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन



टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। जोकोविच ने इस मैच में किसी समय अपने प्रतिद्वंद्वी को हावी होने का मौका नहीं दिया और स्पेन के इस खिलाड़ी को दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 6-4, 6-1, 6-2 से हराया।
मेदवेदेव भी तीसरे दौर में पहुंचे
पुरुष वर्ग के एक अन्य मुकाबले में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनिल मेदवेदेव भी तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। यह रूसी खिलाड़ी जब 6-1, 5-0 से बढ़त बना चुका था तब उनके प्रतिद्वंद्वी मिओमिर केकमैनोविच ने मैच से हटने का फैसला किया।

सिंगापुर ओपन

ट्रीसा, गायत्री क्वार्टर फाइनल में

पीवी सिंधु, प्रणय बाहर



सिंगापुर, एजेंसी। भारत की गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की जोड़ी ने सिंगापुर ओपन बैडमिंटन सुपर 750 टूर्नामेंट के महिला युगल के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है, जबकि पीवी सिंधु और एचएस प्रणय को गुरुवार को हारकर बाहर हो जाना पड़ा।
भारतीय महिला जोड़ी ने विश्व की दूसरे नंबर की कोरियाई जोड़ी बेक ना हा और ली सो ही को 16वें राउंड के एक कड़े मुकाबले में 21-9, 14-21, 21-15 से हराया। मैच करीब एक घंटे तक चला। शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में उनका सामना किम सो येओंग और कोंग ही योंग की विश्व नंबर 6 कोरियाई जोड़ी से होगा। इससे पहले दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारत की पीवी सिंधु का सिंगापुर ओपन में अभियान पुरानी प्रतिद्वंद्वी स्पेन की कैरोलिना मारिन से दूसरे दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। विश्व में 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु को टूर्नामेंट में दूसरे दौर में कड़े संघर्ष में 21-13, 11-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजेर्सफेल्ट को पहले राउंड में 21-12, 22-20 से हराकर पूर्व ओलंपिक चैंपियन मारिन से भिड़ने का अधिकार पाया था।

नॉर्वे शतरंज

वैशाली ने क्रैमलिंग को हराया, प्रज्ञानानंदा हारे

स्टावांगर (नॉर्वे), एजेंसी। भारती की ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने स्वीडन की अनुभवी ग्रैंडमास्टर पिया क्रैमलिंग को हराकर नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, लेकिन उनके भाई आर प्रज्ञानानंदा चौथे दौर में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा से हार गए। वैशाली क्लासिकल वर्ग में एकल बढ़त पर हैं और उन्होंने 2.5 अंक की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। इस भारतीय



खिलाड़ी के कुल 8.5 अंक हो गए हैं। उनके बाद महिला विश्व चैंपियन चीन की वेनजुन जू और यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।
मुजिचुक ने भारत की कोनेरू हंपी को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि वेनजुन ने अमेरिका में अपनी हमवतन टिंगजी लेई को हराया। छह खिलाड़ियों के बीच डबल राउंड रॉबिन आधार पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में अभी छह दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं।



अजारेंका को हराकर मीरा एंड्रीवा तीसरे दौर में

पेरिस, एजेंसी। रूस की युवा खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व नंबर एक विक्टोरिया अजारेंका को गुरुवार को यहां रोलां गैरो के मुकाबले में 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर लगातार दूसरे वर्ष फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने 19वीं सीड अजारेंका पर दो घंटे 31 मिनट में जीत हासिल की। मैच पेरिस में स्थानीय समयानुसार देर रात एक बजे (भारतीय समयानुसार तड़के 4:30 बजे) समाप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि अनुभवी मीरा एंड्रीवा, ओपिनियन एवं उल्लेखनीय की न्यूकमर ऑफ द ईयर रही थीं। इस साल मैं पहले ही पांच टॉप 25 जीत दर्ज कर चुकी हैं। उन्होंने एक महीने पहले मार्केटा वोन्ड्रोसोवा और आर्यना सबलेंका को मैड्रिड में हराया था। विश्व की 38वें नंबर की खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा अपने युवा करियर में तीसरी बार किसी ग्रैंडस्लैम के राउंड ऑफ 16 में प्रवेश करने की तरफ देख रही हैं। उनका मुकाबला एक और उभरती खिलाड़ी अमेरिका की पेटन स्टर्न्स से होगा। स्टर्न्स ने एक और उलटफेर भी दर्ज करते हुए 10वीं सीड डारिया कसात्किना को 7-5, 6-2 से हराकर लगातार दूसरे वर्ष फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में जगह बनाई। मीरा एंड्रीवा और स्टर्न्स इससे पहले पर की में दुबई 1000 दुबई के पहले दौर में भिड़ी थी जिसमें स्टर्न्स ने 6-2, 2-6, 6-1 से जीत हासिल की थी।

हार्दिक पांड्या के लिए दोहरी मुसीबत



नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में खराब फॉर्म और अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, तोड़ सारे कयासों को पीछे छोड़कर वह टी20 विश्व कप 2024 के लिए अमेरिका में टीम इंडिया के साथ जुड़ चुके हैं। एक समय ऐसा आ गया था कि हार्दिक पांड्या का करियर खत्म होता नजर आ रहा था। चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रहे हार्दिक पांड्या के लिए साल 2020-21 काफी खराब रहे। इस दौरान उनकी पीठ की सर्जरी भी हुई थी। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और वापसी की। एक समय ऐसा लगने लगा था कि पीठ की चोट और खराब परफॉर्मेंस के कारण उनका क्रिकेट करियर खत्म हो जाएगा। आखिरकार साल 2022 वह सबसे बड़ा वक्त था जब हार्दिक पांड्या भारत के आने-माने ऑलराउंडर के रूप में वापस आए, खासकर टी20 फॉर्मेट में उन्होंने अपनी अलग पहचान हासिल की। मगर, अब एक बार फिर टी20 विश्व कप 2024 की दहलीज पर हार्दिक पांड्या पर दबाव बढ़ता जा रहा है, क्योंकि हाल ही में आईपीएल 2024 में बतौर कप्तान मुंबई इंडियंस में उनकी काफी बुरी तरह फेल रही। हैरान करने वाली बात तो यह है कि न तो उनका बल्ला चला और न ही गेंदबाजी, वहीं कप्तानी में भी उनका हाल बेहाल रहा। इस बीच भारत-पूर्व दिग्गजों व आलोचकों के निशाने पर भी हार्दिक रहे, तो फिर अब सभी की निगाहें हार्दिक पांड्या पर होंगी। भारतीय चयनकर्ताओं ने खराब दौर के बावजूद हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया में मौका दिया है, साथ ही उप-कप्तान भी बनाया है, ऐसे में हार्दिक पर मेगा-इवेंट में काफी प्रेशर होने वाला है। खराब फॉर्म और आईपीएल टीम में फेरबदल के कारण पहले ही क्रिकेट फैंस की आलोचनाएं झेल रहे हार्दिक की मुश्किलें तब और बढ़ गई जब उनकी पत्नी नताशा से तलाक की खबरें सामने आ रही हैं।
यानी कुल मिलाकर हार्दिक पर दोहरी मुसीबत आ गई है। एक तरफ उनका करियर दांव पर लगा है, तो दूसरी तरफ उनकी पर्सनल लाइफ और परिवार टूटने की कगार पर आ रहा है।

यशस्वी जायसवाल ने लगाई

आईसीसी रैंकिंग में जोरदार छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत में अब काफी कम समय बचा हुआ है। आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2 जून से लेकर 29 जून तक यूएसए और वेस्टइंडीज में खेला जाना है। टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे, वहीं हार्दिक पांड्या के कंधों पर उप-कप्तानी की जिम्मेदारी होगी।
धांसू फॉर्म में है वेस्टइंडीज की टीम- टी20 वर्ल्ड कप से पहले कुछ टीमों की किस्मत में भी बदलाव देखने को मिला है, खास तौर पर मेजबान वेस्टइंडीज. यह टीम साल 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड और स्कॉटलैंड से हारकर पहले दौर में बाहर हो गई थी. लेकिन अब शानदार खेल दिखा रही है. वेस्टइंडीज की टीम द्विपक्षीय सीरीज में गत चैंपियन इंग्लैंड, भारत और साउथ अफ्रीका को पराजित कर चुकी है. इंग्लैंड की टीम ने भी कई उतार-चढ़ाव देखे हैं. साल 2022 में टी20 ट्रॉफी उठाने के बाद से जोस बटलर की अगुआई वाली टीम ने पांच टी20 सीरीज जीती हैं और उसे आठ मैचों में हार मिली है.
रिंकू सिंह ने रैंकिंग में मचाया धूम - टी20 की बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-50 में भारतीय खिलाड़ी रिंकू सिंह भी शामिल हैं, जो टी20 वर्ल्ड कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी चुने गए हैं. रिंकू ने अगस्त 2023 में अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था. रिंकू ने 15 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 176.23 की स्ट्राइक रेट और 89 की औसत से 356 रन बनाए हैं. रिंकू टी20 की बल्लेबाजी रैंकिंग में फिलहाल 32वें स्थान पर हैं.
नीदरलैंड्स के युवा ओपनर माइकल लेविट ने भी अपनी छाप छोड़ी है और फिलहाल टी20 रैंकिंग में 59वें स्थान पर हैं. लेविट ने नीदरलैंड के लिए अपने दूसरे टी20 मैच में ही धमाल मचा दिया था, जब लेविट ने नामीबिया के खिलाफ 62 गेंदों पर 135 रन बना दिए थे.



यशस्वी ने रैंकिंग में लगाई जबरदस्त छलांग

जहां शानदार प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज की टीम टी20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई है, वहीं भारतीय टीम टी20 रैंकिंग में टॉप पर बरकरार है. कुछ खिलाड़ियों की टी20 रैंकिंग में भी जबरदस्त सुधार देखने को मिला है. इनमें भारतीय टीम के धुरंधर ओपनर यशस्वी जायसवाल का भी नाम शामिल है. जायसवाल पिछले टी20 वर्ल्ड कप (2022) में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे. बता दें कि जायसवाल ने अगस्त 2023 में अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था. अब जायसवाल सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 रैंकिंग में भारत के दूसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. सूर्यकुमार यादव रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं, वहीं जायसवाल सातवें स्थान पर हैं. जायसवाल ने अब तक 17 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 161.93 की स्ट्राइक-रेट से 502 रन बनाए हैं. ऑस्ट्रेलिया के ओपनर ट्रेविस हेड की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ है. साउथ अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज रिली रूसो ने अक्टूबर 2022 में टी20 रैंकिंग में 587 वीं रैंक हासिल की थी और अब 16वें स्थान पर आ चुके हैं. इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने भी इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है और रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं. 2022 के विश्व कप के बाद से साल्ट ने नौ टी20 मैचों में 407 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल रहे. वेस्टइंडीज के जॉनसन चार्ल्स और ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड की भी बल्लेबाजी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज जीत

चौथे मुकाबले में टीम को 7 विकेट से हराया, आदिल रशीद प्लेयर ऑफ द मैच



लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 4 मैचों की टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड 2-0 से सीरीज भी जीत ली। सीरीज में 2 मुकाबले ही खेले जा सके, बाकी के 2 मुकाबले बारिश में धुल गए। लंदन के द ओवल मैदान पर गुरुवार शाम को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 157 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 15.3 ओवर में 3 विकेट पर टारगेट चेज कर लिया। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने 2 विकेट लेने के साथ ही 2 कैच भी लपके, जिस कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच मिला। वहीं, मार्क वुड और लियाम लिविंगस्टन को 2-2 सफलता मिली। क्रिस जॉर्डन, मोईन अली और जोफ्रा आर्चर को 1-1 विकेट मिला। बल्लेबाजी में फिल सॉल्ट ने 45 रन की पारी खेली। पाकिस्तान के हारिस रऊफ को 3 विकेट मिले।
रिजवान-बाबर ने ओपनिंग की- पाकिस्तान के लिए मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम ने ओपनिंग की शुरुआत कर पहला मौका आजम दोनों साथ टीम के लिए पारी की शुरुआत की। शानदार शुरुआत करते हुए दोनों ने पावरप्ले में 59 रन बना लिए। हालांकि, टीम का पहला विकेट पावरप्ले की आखिरी गेंद पर गिरा और रिजवान 23 रन बनाकर आउट हो गए।

आर्थिक तंगी से टूट जाएगा ओलंपिक मेडल का सपना? गुरविंदरवीर जैसे एथलीट्स को क्यों मदद की जरूरत



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अब तक ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स के ट्रैक इवेंट्स में मेडल हासिल नहीं किया है। भारत में कई प्रतिभाशाली एथलीट्स हैं जो इस मेडल के सूखे को खत्म करना चाहते हैं। इनमें से कुछ ऐसे हैं जिनके अंदर प्रतिभा तो है लेकिन एक चैंपियन बनने वाली बाकी चीजें नहीं। आज के समय में अगर हम किसी भी चैंपियन खिलाड़ी को देखें तो उसके पीछे एक पूरी टीम की मेहनत है। इस टीम में फिजियो, डॉक्टर, मेंटल कंडीशनिंग कोच, ट्रेनर और न्यूट्रिशनिस्ट जैसे कई लोग होते हैं। भारत में एक आम और गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह संभव नहीं है। एक ऐसा सपना जो स्पॉन्सरशिप और सरकार के साथ के कारण पूरा हो सकता है। पंजाब के गुरविंदरवीर सिंह भी उन्हीं खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी प्रतिभा को स्पॉन्सरशिप की दरकार है। हाल ही में हुए फेडरेशन कप में 100 मीटर में गोल्ड जीतने वाले गुरविंदरवीर ने अब तक बिना किसी स्पॉन्सर और सरकारी मदद के सफलता हासिल की है लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का झंडा बुलंद करने के लिए उन्हें अब मदद की दरकार है। ऐसा नहीं होने पर वह भी गुमनामी के अंधेरे में गुम हो जाएंगे और देश की मेडल की कितनी उम्मीदें खो गई हैं।



पौरशपुर 3 में

बोल्ड सीन्स देने पर खुलकर बोलीं शर्लिन

अपने बोल्ड अवतार के लिएमशहूर अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा ने पैरेलल पौरिपड डाय पौरशपुर 3 में बोल्ड सीन्स देने को लेकर कई खुलासेकिए। बोल्ड दृश्यों की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, शर्लिन ने कहा कि इन सीनों को फैंटेसी सरीके से शूट किया गया था।

हो मैं महतो देहलवी और शिवकन्या भूमिका का किरदार निभाने वाली शर्लिन ने बताया, पौरशपुर में बोल्ड सीन को बहुत ही खूबसूरती के साथ शूट किया गया था। बोल्ड सीन शूट करते समय सेट पर केवल वही क्रू मेंबर्स मौजूद रहते हैं जिनकी वहां मौजूदगी होती है, यानी वहां सिर्फ जरूरी तकनीशियन और महिला हाईलाइट भी मौजूद रहती थी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुएमिर्जापुर 3 का हिस्सा रहीं शर्लिन ने कहा, पौरशपुर 2 में मैंने महतो देहलवी को भूमिका निभाई थी, जिसे पौरशपुर के सिंहासन के लिए अंतिम उत्तेजक के रूप में दिखाया गया था।

जहां मेरा सीजन में मैं न केवल देहलवी की भूमिका निभा रही हूं, वहीं शिवकन्या भूमिका की भूमिका में भी नजर आ रही हूं, जो देहलवी से बहुत मिलती-जुलती है। दोनों ही किरदारों में थैरेपी, लव्योलाज्म और इंटेंसिटी शामिल है। हो मैं खलोल रचना, अनुभव शेयर करना, चाहना यहां और प्रजवला डुबाने भी हैं। शर्लिन ने उद्यम फाम, डोलो- फैंड्स फॉरएवर, इम्मान हाल्मी अभिनीत जवानी दीवानी, शरमन जोशी और जिमी शेरगिल अभिनीत स्काम, शाहिर कपूर और रानी मुखर्जी अभिनीत दिल बोले हड़िप्पा और 2016 की फिल्म कमेले जैसे हिंदी फिल्मों में अभिनय किया है। पौरशपुर का ट्रेलर भी काफी दिलचस्प और जबरदस्त था। जिसमें शर्लिन चोपड़ा महतो देहलवी के रूप में सैटर शेटर किरदार दे रही थी। जिसमें वह अपनी बेटी को गद्दी थमाने के लिए प्रयासरत रहती।

बेबी दुर्ग निर्देशित और सलिम मोहिते द्वारा निर्मित यह हो भाभी जी के प्लेटफॉर्म पर ट्रेलर हो रहा है। जो दर्शकों को राज्य पर शासन करने वाली महत्वाकांक्षी से जोड़ता है। पौरशपुर के इससे पहले 2 सीजन आ चुके हैं। जिन्हें दर्शकों ने काफी सराहा। मुख्य पार्ट के अलावा पंकज शर्लिन छोटे पर्दे पर भौकाल कर चुकी हैं। वह कलर्स के पेमस्र और सिंघिम हो सिंघ सीजन 3 का हिस्सा भी रह चुकी हैं। बता दें कि उन्हें हो के 2 पार्ट लिए ही घर से जान पड़ा था। इसके अलावा वह एमटीवी के रोडीज रिवॉल्यूशन में भी नजर आ चुकी हैं।

नागा चैतन्य ने थंडेल को बताया प्रेरणादायक कहानी

वैलेंटाइन भारतीय अभिनेता नागा चैतन्य अपनी आने वाली फिल्म थंडेल की तैयारी में काफी व्यस्त हैं। वो लगातार इस फिल्म को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। थंडेल में नाग के साथ साई पल्लवी भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म एक तेजी के साथ काम किया जा रहा है। इसी बीच, नाग चैतन्य ने फिल्म के बारे में कुछ खास बात की है।

हाल ही में, चंदिगढ़ में मीडिया से बातचीत करते हुए, नाग ने कहा कि थंडेल की कहानी प्रेरणादायक है। उन्होंने इसे अपने अब तक के करियर की सबसे बड़ी फिल्म भी करार दिया। नाग ने कहा कि मिडिल फिल्मों में दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने की क्षमता होती है और इसलिए, इनका निर्माण उसी तरीके से होना चाहिए।

थंडेल की कहानी सच्ची घटना पर आधारित है। इसका निर्देशन चंदू मोंडेटी कर रहे हैं। नाग ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार को पर्फेक्ट करने में लगभग दो महीने काम किया था।

बता दें कि गीता आर्ट्स बैनर फिल्म का निर्माण किया जा रहा है, जिसे संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने अपनी धुनों से सजाया है।

फिल्म में जिन्हें मछुआरों की कहानी थंडेल की कहानी साल 2018 में हुई घटना पर आधारित है, जिसमें आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम के कुछमछुआरे गलती से पाकिस्तान की सीमा में चले गए थे, जहां उन्हें हिरासत में ले लिया गया था।

कुलमिल पहले ही, जब अभिनेत्री साई पल्लवी का जन्मदिन था तो फिल्म निर्माताओं ने एक पोस्टर जारी किया था।



कंफर्म!

राक्षस में काम नहीं करेंगे रणवीर

खबरों के डायरेक्टर प्रशांत वर्मा और एक्टर रणवीर सिंह के बीच डेवलप कुछ चल नहीं रहा है। बल्कि दोनों ने एक-दूसरे के बारे में बात कही। रणवीर और प्रशांत ने हाल ही में एक बयान शेयर किया है और बता रहे हैं कि वो एक-दूसरे के साथ काम नहीं कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक डायरेक्टर प्रशांत वर्मा और एक्टर रणवीर सिंह की फिल्म राक्षस को लेकर कई तरह की खबरें चल रही हैं। हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों के बीच कुछ भी चल नहीं रहा है। इस पूरी सिचुएशन के बीच में, दोनों ने एक बयान जारी किया है और बताया कि वे एक पैरेलल यूनिवर्स को लेकर अलग ही कहानी बनाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि ये कभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। हालांकि में उनके बीच क्या चर्चाओं को लेकर अफवाहें फैल रही थीं। वहीं जब यह है कि रणवीर, प्रशांत के साथ एनिमेटेड-सेटिंग सुपरहीरो ब्लॉकबस्टर हनुमान के अगले पार्ट में काम करेंगे, जो 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शुमार बनी हुई है। बयान में प्रशांत एक्टर तेजा सज्जा से मिले और उनके साथ एक फिल्म के बारे में बात की। उम्मीद है कि इस मीटिंग में किसी संभावित प्रोजेक्ट पर एलान करेंगे। फिल्ममेकर ने कहा, रणवीर को पसंद करते हैं और वैलेंटाइमिता जुड़ाव है। हम जल्द ही कुछ ऐसी किसी साथ काम करेंगे। बयान में वहां पर यह कि उन्हीं बिजिटिंग मजबूरियों के कारण अलग होने का फैसला किया, लेकिन यह भी कहा कि यह फिल्म के लिए सही समय नहीं था, भले ही उनके इरादे नेक थे। बयान के अंत में कहा गया, भविष्य में कभी साथ काम करेंगे।

दीपावली 2025 पर प्रदर्शित होगी सन ऑफ सरदार-2

'सन ऑफ सरदार' साल 2012 में आई अजय देवगन कॉमेडी मनोरंजन और एक्शन से भरपूर फिल्म थी। इसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। तभी से ही इसके सीक्वल का इंतजार था। अब इसके सीक्वल का इंतजार खत्म होने जा रहा है क्योंकि 'सन ऑफ सरदार-2' कॉमिक डेट के साथ आ गई है। 'सन ऑफ सरदार 2' अजय देवगन की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। इसमें अक्षय कुमार के साथ साथ मृणाल ठाकुर भी नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन पंकज पाराशर निर्देशित करेंगे।

फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो अब इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है। फिल्ममेकर विनीत कुमार अरोड़ा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा- 'सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट की हुई घोषणा। मृणाल ठाकुर और अजय देवगन की फिल्म दीवाली 2025 पर बॉक्स ऑफिस पर धमाका करेगी। जोड़ी रोल में दिखेंगे मृणाल ठाकुर।' इसके साथ ही ये भी तय हो गया है कि इसके सीक्वल में सोनाक्षी सिन्हा को मृणाल ठाकुर रिप्लेस करेंगी। इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू हो सकती है। इसके पहले पार्ट में अजय देवगन, संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा और जूही चावला के साथ ही महेश मांजरेकर और चंकी पांडे का कैमियो भी था। ये एस.एस. राजमौली की 2010 की तेलुगु फिल्म 'मर्यादा रामन्ना' की रीमेक थी।

दीपिका सिंह

आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप ट्रोलिंग से बच नहीं सकते

खुशमिजाज व्यक्तित्व और आसानी से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने सोशल मीडिया पर अपने ऑफिशियल अकाउंट पर इस सोच को खारिज कर दिया है।

जब एक्टर्स का उनके एक्टिंग को सराहना की जाती है, तो वहीं वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने ऑफिशियल पेजों को लेकर ट्रोल होती रहती हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन पर ट्रोलिंग का कोई असर नहीं पड़ता।

दीपिका ने कहा, ट्रोलिंग का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। मैं इसे बहुत शालीनता से स्वीकार करती हूं क्योंकि मेरे आस-पास मेरे माता-पिता, पति और मेरे ऑडियो डाय टोपर्स जैसे लोग हैं। उनके पास खोकर भी जिंदगी को हरपल भरपूर जीने की सीख है। उन्होंने मुझे सिखाया है कि चाहे आपकितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप इससे बच नहीं सकते। एक्ट्रेस 10 साल से ऑडियो डाय डेकिका रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, उन्होंने लोगों को स्वीकार नहीं कर सकते। जो लोग आपकी तरह सोचते हैं, केवल वही आपको स्वीकार कर पाएंगे। मेरे जैसे लोग ही मुझे समझेंगे।

दीपिका ने कहा, कुछ लोग मुझे पसंद भी करते हैं लेकिन मेरी सराहना नहीं करते। लेकिन मैं जानती हूं कि मैं क्या कर रही हूं। मैं खुद के बारे में सोचना पसंद करती हूं ना कि दूसरे के बारे में कि दूसरे क्या सोचते हैं। मैं अपने लिए और अपनी खुशी के लिए काम करती हूं चाहे वह मेरा प्रोफेशन हो या मेरे एथिक्स। एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरी लाइफ है और भगवान ने मुझे इसके लिए चुना है, इसलिए दुनिया के भी प्रति जवाबदेह नहीं हूं। यही वजह है कि ट्रोलिंग और आलोचनाओं का मुझ पर कोई असर नहीं होता।



मधुबाला के बंगले में उनके भूत के आने का इंतजार करते थे इम्तियाज अली

हाल ही में, इम्तियाज अली सुपरस्टार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म रॉकस्टार के पीछे की कहानी बताई है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और नरगिस फाखरी ने लीड रोल निभाया था। फिल्म को लेकर इम्तियाज अली ने कहा कि उन्होंने फिल्म रॉकस्टार की कहानी मधुबाला के बंगले से प्रेरित होकर लिखी थी। उन्होंने कहा कि वह मधुबाला के बंगले में भूत के आने का इंतजार करते थे।

मधुबाला के बंगले में रहता है उनका भूत!

हाल ही में, इम्तियाज अली सुपरस्टार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म रॉकस्टार के पीछे की कहानी बताई है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और नरगिस फाखरी ने लीड रोल निभाया था। फिल्म को लेकर इम्तियाज अली ने कहा कि उन्होंने फिल्म रॉकस्टार की कहानी मधुबाला के बंगले से प्रेरित होकर लिखी थी। उन्होंने कहा कि वह मधुबाला के भूत के आने का इंतजार करते थे। असल, इम्तियाज अलीएक पॉडकास्ट में ये सारी बातें कह रहे थे। अपनी बातचीत में उन्होंने मधुबाला के घर में शूटिंग से जुड़ा एक किस्सा भी सुनाया।

मधुबाला के बंगले में रहता है उनका भूत!

हाल ही में, इम्तियाज अली सुपरस्टार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म रॉकस्टार के पीछे की कहानी बताई है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और नरगिस फाखरी ने लीड रोल निभाया था। फिल्म को लेकर इम्तियाज अली ने कहा कि उन्होंने फिल्म रॉकस्टार की कहानी मधुबाला के बंगले से प्रेरित होकर लिखी थी। उन्होंने कहा कि वह मधुबाला के भूत के आने का इंतजार करते थे। असल, इम्तियाज अलीएक पॉडकास्ट में ये सारी बातें कह रहे थे। अपनी बातचीत में उन्होंने मधुबाला के घर में शूटिंग से जुड़ा एक किस्सा भी सुनाया।

इम्तियाज अली एक बार पहले भी इस बंगले में रुक चुके हैं। मौका था मधुबाला की 84वीं जयंती का, जब इम्तियाज ने मधुबाला की फेवरेट चाय पीते हुए उनसे किसी के घर में भूत होने की बात सुनी थी। वहीं, बातचीत में उन्होंने बताया कि पहले मधुबाला के बंगले में शूटिंग करने की इजाजत नहीं मिला करती थी। बातचीत के दौरान इम्तियाज ने अपनी फेवरेट हिंदी हॉरर फिल्म के बारे में बताते हुए कहा कि उन्हें मधुबाला बहुत पसंद हैं।



इंटमेसी से होने वाली बीमारियों पर जान्हवी ने फैलाई जागरूकता

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूरइनदिनों अपनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। ये फिल्म आज 31 मई को रिलीज के लिए तैयार हो चुकी है।इसफिल्म में जान्हवी कपूर ने राजकुमार राव के साथ स्क्रीन स्पेस को शेयर किया है।फिल्म में दोनोंकिरदारपति-पत्नीकी भूमिका में दिखेंगे।

इसी बीच जान्हवी का एक ड्रैस अप वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह मेकअप और नो मेकअप लुक को बदल जोकर आपने वाली जानकारी बताते नजर आईं। जान्हवी कपूर ने बताया कि शूटिंग के दौरान मजेदार अनुभव शेयर किए। इस दौरान उन्होंने एक्सपर्ट्स से एक्सपर्ट्स के संभावित खतरे के बारे में चेतावनी दी। अभिनेत्री ने कहा, हैभगवान, कृपया मुझे यह बताना बंदकरें कि मुझेकौन सा मेकअप और मेक अप लुक आजमाना चाहिए और मुझे कुछ जानकारी दें, जो हानिकारक साबित हो सकती है, हैना?

मूवी रेड फ्लैग के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, टैटू तो अच्छे लगते जाएंगे, लेकिन आपको किस चीज से खतरा हो सकता है? टैटू अच्छे हो गए तो हम क्या करेंगे? एक्सपर्ट्स एक चश्मा है, जो फैलाता है। लक्षण संक्रमण के संपर्क से चौंकाने वाले। हाथ मिलाने से नहीं, बात खाँसने से नहीं। हमारा मनोरंजन उद्योग में इंटमेसी, त्वचा से त्वचा के संपर्क से है। जानलेवा ये चीजें लोगों को पसंद नहीं आ रही हैं। फनीकी कहना है कि अभिनेत्री की रेड अप वॉरियर्स में कुछभी फनेसर जैसा नाम है। एक यूजर ने लिखा, यह मुझे डराता है। एक अन्य ने लिखा, इससे हमने जैसा नाम है, हमें डराना चाहिए? उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।



अंबानी परिवार की पार्टी में होगी शकीरा की परफॉर्मेंस

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन मार्च में गुजरात के जामनगर में हुआ था। उस समयइस भव्य समारोह की चर्चा हो रही थी। अब एक फैन पेज ने दावा किया है कि अनंत अंबानी 12 जुलाई को मुंबई में राधिका मर्चेंट से शादी करने जा रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो यह प्री-वेडिंग फंक्शन से कम नहीं होगा। इसी बीच एक खास खबर सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि भारत पॉप सुपरस्टार और अमेरिकी रैपर पिटबुल के साथ मिलकर प्री-वेडिंग फैशन में परफॉर्म करेंगी।

बिना किसी शिकायत के परिवार की जिम्मेदारी उठाते हैं पुरुष - गुरप्रीत सिंह

टीवी एक्टर गुरप्रीत सिंह ने पुरुषों के सामने आने वाले संघर्षों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा है कि पारिवारिक दबावों, आकांक्षाओं और सपनों के बीच संतुलन बिठाना कितना मुश्किल काम है। गुरप्रीत खुद भी इस पर प्रकाशित होने वाले हालात का सामना कर चुके हैं। एक्टर का कहना है कि महिलाओं का उत्पीड़न महान है, लेकिन पुरुषों के साथ भी कम अत्याचार नहीं किए जाते।



एक्टर ने कहा कि पुरुष अक्सर अपनी जिम्मेदारियों को अपने परिवार और उनकी इच्छाओं के लिए कुर्बान कर देते हैं। उन्होंने कहा, जिन्हें भागते हुई ट्रेन के कंडक्टर की तरह है, जहां आप अपने परिवार की इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और सपनों के बीच उलझे रहते हैं। आपके अपनी इच्छाओं के किसी कोने में दब्बू रहते हैं। दर्द में कोई शक नहीं कि यह बहुत मुश्किल काम है। गुरप्रीत ने कहा कि पुरुष किसी रिश्ते के पेड़ के रूप में काम करते हैं और अपने मजबूत कंधों पर परिवार को जिम्मेदारी उठाते हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है जैसे उन्हें कोई सुपरपावर हासिल हो, वे अपने इच्छाओं को मन में दबाकर अपने परिवारों के लिए सुपरहीरो की भूमिका निभाते हैं। यह उनमें अनेक तनाव, चोट और पुराने इमोशनल डैमेज का कारण बन सकता है। यह उनके मन पर प्रभावित होने वाले हालात का सामना कर चुके हैं। एक्टर का कहना है कि महिलाओं का उत्पीड़न महान है, लेकिन पुरुषों के साथ भी कम अत्याचार नहीं किए जाते।